भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

रांची का तापमान
कांके: अधिक. 29.5° न्यून. 21.3°
रांची: अधिक. 30.3° न्यून. 23.4°

रांची, मंगलवार
12 अगस्त 2025
वर्ष-26, अंक-191, पृष्ठ-12

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

गंभीर बनी हुई है मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति

रांची। झारखंड के स्कूली शिक्षा व निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति गंभीर बनी हुई है। उनके इलाज में लगी चिकित्सकों की टीमों के संयोजक डॉ केएन सिंह ने बताया कि पिछली बैठक के बाद जो टेस्ट किए गए थे, उनकी रिपोर्ट आ गई है। टेस्ट के हिसाब से मस्तिष्क में हुए रक्तस्राव के कारण उनकी स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है, लेकिन स्थिर है। शरीर के अन्य सारे वाइटल पैरामीटरस सामान्य है।

गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश में चुनावी प्रणाली को साफ-सुथरा बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि उसने 476 अन्य पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें झारखंड के 5 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 121 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया चल रही है।

व्हाट्सएप कॉल पर रिम्स निदेशक को मिली धमकी

रांची। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ राजकुमार को सोमवार की सुबह व्हाट्सएप कॉल पर धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, रिम्स निदेशक ने इस संबंध में बरियातू थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई है। रिम्स निदेशक के अनुसार, सोमवार की सुबह व्हाट्सएप कॉल पर उन्हें धमकी देने वाले शख्स ने कहा- 15 दिन के अंदर तुम्हें जूते से मार मारकर रांची से बाहर करूंगा।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

गुरुजी के श्राद्धकर्म में होगी वीआइपी और जनता की भारी भीड़

9 आइपीएस व 40 डीएसपी सहित रांची के पूर्व डीसी की हुई प्रतिनियुक्ति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म के दौरान विधि व्यवस्था संभालने के लिए नौ अतिरिक्त आईपीएस अधिकारियों एवं 40 डीएसपी की तैनाती की जा रही है। आईपीएस अधिकारियों को 14 से 16 अगस्त तक रामगढ़ जिले के नेमरा में तैनात किया गया है।

इन आईपीएस अधिकारियों में डीआईजी रेल प्रियदर्शी आलोक, कमांडेंट जैप-7 हजारीबाग किशोर कौशल, संयुक्त निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग अंजनी कुमार झा, एसपी विशेष शाखा हृदीप पी जनार्दन सहित रांची के पूर्व डीसी वर्तमान खान निदेशक राहुल सिन्हा को वरीय प्रभारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। उनके साथ रांची के एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजेश्वर नाथ अलोक, कांके सीओ अमित भगत, अरगोड़ा सीओ नितिन गुप्ता, बुढ़मू सीओ सचिदानंद कुमार वर्मा, खलारी सीओ प्रणव अंबष्ठ और रांची सदर के कार्यपालक दंडाधिकारी असीम कुमार बाड़ा की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। ये सभी अधिकारी श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान विधि व्यवस्था संभालेंगे।

ज्ञात हो कि 16 अगस्त 2025 को दिवंगत शिबू सोरेन का श्राद्धकर्म उनके पैतृक गांव नेमरा में आयोजित होगा। इस दौरान पूरे झारखंड से कई लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने नेमरा पहुंचेंगे। इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजधर्म निभाते हुए अपने 'बाबा' दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म के हर कार्य को पारंपरिक रीति-रिवाज से प्रत्येक दिन पूरा कर रहे हैं। इसमें उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन भी पूरा साथ दे रही हैं।

16 अगस्त को रामगढ़ के नेमरा में होगा दिवंगत शिबू सोरेन का श्राद्धकर्म

ये सभी अधिकारी श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान विधि व्यवस्था संभालेंगे

रांची जिले से छह अधिकारियों की हुई है प्रतिनियुक्ति

हिमालयी राज्यों की तरह झारखंड में हुई लैंड स्लाइड की घटना

हजारीबाग में धंसा बभनबे पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा

नवीन मेल डेस्क

हजारीबाग। हजारीबाग में सोमवार को वह घटना घटी, जो सामान्यतः हिमालय की गोद में बसे राज्यों में भारी बारिश के दौरान होती है। कोई सोच भी नहीं सकता था कि हजारीबाग में पहाड़ खिसकने या भूस्खलन (लैंड स्लाइड) की घटना होगी, लेकिन ऐसा हो गया। हजारीबाग पठारी इलाका है, जहां आमतौर पर भूस्खलन जैसी घटना नहीं होती। लेकिन, झारखंड में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब पहाड़ों पर भी दिखने लगा है।

हजारीबाग शहर से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित बभनबे पहाड़ी पर सोमवार को एक बड़ा हिस्सा अचानक खिसककर नीचे आ गया। अच्छी बात यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। बभनबे पहाड़ी की तराई में पांच सौ मीटर की दूरी पर बभनबे गांव है। यह गांव घनी आबादी वाला है। सोमवार के इस हादसे के बाद गांव में लोग दहशत में आ गए हैं।

जानकारी के अनुसार, मूसलाधार बारिश के बीच बभनबे पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसककर नीचे आ गया और देखते ही देखते मिट्टी व पत्थरों का सैकड़ों टन मलबा पहाड़ी के नीचे आ गिरा।

यहां अक्सर लोग पहाड़ी की तराई में खेती और पशुपालन करते हैं, लेकिन सोमवार को जिस वक्त हादसा हुआ, वहां कोई नहीं था। लोगों का कहना है कि ऐसा दृश्य उन्होंने केवल उत्तराखंड या हिमालयी राज्यों की खबरों और तस्वीरों में देखा था। हजारीबाग में पहाड़ खिसकने की घटना सुनना तो दूर, देखने की कल्पना भी नहीं की थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कई दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने पहाड़ की मिट्टी को कमजोर कर दिया था। और, इसके चलते चट्टानें दरक कर नीचे आ गईं। पहाड़ के गिरते हुए हिस्से का एक वीडियो भी सामने आया है। हजारीबाग जिला प्रशासन ने घटना के बाद लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पहाड़ों की तलहटी में बसे घरों और जर्जर मकानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया गया है। वहीं, मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भारी बारिश से भूस्खलन का खतरा और बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पत्थरों के खनन और लगातार बारिश ने पहाड़ की मिट्टी को ढीला कर दिया है, जिसकी वजह से इस तरह का हादसा सामने आया है। उनका कहना है कि यह घटना एक चेतावनी है, सिर्फ मौसम के लिए नहीं, बल्कि पहाड़ की देखभाल के लिए भी। इधर, ग्रामीण प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में इस तरह के खतरे को टाला जा सके। **शेष पेज 11 पर**

सैकड़ों टन मलबा गिरा, जानमाल की क्षति नहीं

दहशत में हैं पहाड़ी की तराई में बसे गांव के लोग

थाना प्रभारी ने दिया लोगों की आवाजाही रोकने का आदेश

मुफस्सिल थाना प्रभारी कुणाल किशोर ने एहतियातन प्रभावित इलाके में लोगों की आवाजाही रोकने का आदेश दिया है। हादसे में कोई जनहानि या बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ, लेकिन प्रशासन मानता है कि खतरा पूरी तरह टला नहीं है। आपदा प्रबंधन दल अलर्ट पर है। कुछ साल पहले तक इस पहाड़ी पर पत्थरों का खनन होता रहा है।

कई कारणों से होता है भूस्खलन : भूस्खलन एक प्राकृतिक आपदा है, जो भूकंप, भारी बारिश, या मानव गतिविधियों के कारण हो सकता है। वर्षा, बर्फ पिघलने, जल स्तर में परिवर्तन, नदी के कटाव, भूजल में परिवर्तन, भूकंप, ज्वालामुखी गतिविधि, मानवीय गतिविधियों से होने वाली गड़बड़ी, या इनमें से किसी भी संयोजन के कारण ढलानों में भूस्खलन शुरू हो सकता है। भूस्खलन के कई रूप होते हैं। इन्हें मुख्य रूप से गति और सामग्री के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक ए हसन पर मांगी राय, अगली सुनवाई नवंबर में

एनएचआरसी एनसीडब्ल्यू व एनसीपीसीआर से मांगी गई है राय

नई दिल्ली (आईएएनएस)

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय में प्रचलित तलाक ए हसन, तलाक ए अहसन, तलाक ए किनाया और तलाक ए बाईन जैसी प्रथाओं पर गहन जांच शुरू की है। कोर्ट ने इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) से राय मांगी है। यह कदम तलाक पीड़िता बेनजीर हिना की याचिका के बाद उठाया गया है। मामले की अगली सुनवाई 19 और 20 नवंबर 2025 को होगी।

कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि तीन तलाक (तलाक-ए-बिदत) को वर्ष 2017 में असंवैधानिक घोषित करने के बावजूद **शेष पेज 11 पर**

मुस्लिम समाज में प्रचलित हैं तलाक के 3 तरीके

मुस्लिम समाज में में तलाक के तीन तरीके प्रचलित हैं। इसमें तलाक ए बिद्दत यानी तीन तलाक, तलाक ए हसन और तलाक ए अहसन शामिल हैं। मर्द इन तीनों तरीकों से अपनी पत्नी को तलाक दे सकते हैं।

1. तलाक ए बिद्दत : तलाक-ए-बिद्दत को अपराध घोषित करते हुए इसके खिलाफ सख्त कानून लागू किए जा चुके हैं। तीन तलाक में पति तीन बार 'तलाक तलाक तलाक' बोलकर पत्नी से रिश्ता खत्म कर सकता है। इस तरह के तलाक में गुस्से में भी तीन बार तलाक बोलने पर रिश्ता टूट जाएगा।

2. तलाक ए हसन : तलाक की इस प्रक्रिया में तीन महीने लगते हैं। पुरुष तीन महीने में हर महीने एक एक बार करके तीन बार तलाक बोलकर शादी तोड़ सकता है। पहली बार तलाक बोलने पर भी पति-पत्नी एक साथ रहते हैं। अगर इन तीन महीनों में दोनों में सुलह हो गई, तो पति तलाक लेना कैंसिल कर सकता है। नहीं तो तीसरे महीने में आखिरी बार तलाक बोलकर रिश्ता खत्म कर सकता है। इस तरह के तलाक के बाद पति-पत्नी दोबारा निकाह कर सकते हैं। लेकिन, पत्नी को हलाला से गुजरना पड़ता है, यानी अपने पति से शादी से पहले किसी दूसरे मर्द से शादी करके उससे तलाक लेना पड़ता है।

3. तलाक ए अहसन : तलाक की यह प्रक्रिया भी तीन महीने की प्रक्रिया है। इसमें तलाक ए हसन की तरह तीन बार तलाक कहने की जरूरत नहीं होती। पति एक बार ही तलाक कहता है और इसके बाद पति-पत्नी एक ही छत के नीचे तीन महीने तक रहते हैं। इस अवधि में अगर दोनों में सुलह हो जाती है, तो तलाक नहीं होता, वरना तीन महीने बाद तलाक हो जाता है। इस तलाक के बाद पति-पत्नी दोबारा निकाह कर सकते हैं।

बांग्लादेश से हैं सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी

- घुसपैठ पर लग रही लगाम विशेष टास्क फोर्स के जरिए अवैध प्रवासियों पर शिकंजा

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फैसला किया है। विभिन्न राज्य सरकारों से मिले आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी बांग्लादेश से हैं, इसके बाद म्यांमार और पाकिस्तान का स्थान है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों की संख्या चिंताजनक है और कई इलाकों में उन्होंने जनसंख्या का संतुलन बदल दिया है। एजेंसियों की एक डोजियर रिपोर्ट में इन प्रवासियों के घुसपैठ के तौर-तरीकों और उन रास्तों का जिक्र है **शेष पेज 11 पर**

संसद का मानसून सत्र

लोकसभा में पास हुआ नया आयकर विधेयक 2025

करााधान कानून (संशोधन) विधेयक 2025 भी हुआ पारित

नई दिल्ली (आईएएनएस)

लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नारेबाजी के बीच दो प्रमुख वित्तीय विधेयक - आयकर विधेयक, 2025 और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 - को पारित किया गया। इन विधेयकों को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया, जिन्होंने सदन से आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2025 में संशोधनों पर विचार करने का आग्रह किया। सोमवार की शाम 4:00 बजे लोकसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से पारित किया गया।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

1 प्रतिशत वाहन संख्या वाले भारत में हर 4 मिनट पर मौत क्यों ?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

विश्व बैंक की 2021 में आई एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार भारत में दुनिया के एक प्रतिशत वाहन हैं लेकिन सड़कों पर वाहन दुर्घटनाओं के चलते विश्वभर में होने वाली मौतों में 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। देश में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2022 में कुल 7,00,688 दुर्घटनाएं रिपोर्ट की गईं, जिनमें 4,22,444 लोगों की मृत्यु हुई और 4,28,435 लोग घायल हुए। आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाएं अत्यधिक गति, मोबाइल फोन का उपयोग, शराब और नशीली दवाओं का सेवन कर वाहन चलाने, गलत साइड या लेन पर वाहन चलाने, अनुशासनहीनता, लाल बत्ती पार करने, हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करने, वाहनों की स्थिति, मौसम की स्थिति, सड़क की स्थिति आदि जैसे अनेक कारणों से होती हैं। जिस परिवार के लोग मारे जाते हैं या अपंग होते हैं उनका दुःख समझना आसान नहीं पर यह सिर्फ मानव जीवन का नुकसान नहीं होता, बल्कि यह स्वास्थ्य देखभाल, उपचार और बचाव कार्यों पर होने वाले खर्चों में भी वृद्धि करता है। झारखंड की ताजा डरावनी खबरें ऐसी हैं रांची में कार ने स्कूटी को रौंदा, मां-बेटी समेत 3 की मौत,रक्षाबंधन का त्योहार मनाकर पलामू से बोकारो लौट रहा एक परिवार लातेहार में सड़क हादसे का शिकार हो गया. कार हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। ऐसे समाचार आते हैं जाते हैं और फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है कभी आप किसी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में जहां दुर्घटना का इलाज होता है वहां चले जाएं या वैसे परिवारों में जहां पर दुर्घटना के बाद लोगों की क्या स्थिति होती है यह समझने का प्रयास करें तो शायद दूसरों की तो नहीं आपकी अपनी रफ्तार कम हो जाएगी या आपके मन में यह चिंता जरूर होगी कि जो इस परिवार के साथ हो रहा है वह कहीं मेरे साथ ना हो। समाज के पास युवाओं के पास और यहां तक की सरकार के पास भी सभी के पास जवाब है आप किसी से बात करिए सभी एक दूसरे पर दोसा रोपण करेंगे लेकिन जहां सड़क दुर्घटनाएं कम होती है वहां और अगर झारखंड की बात करें तो हम पाएंगे कि झारखंड में मॉनिटरिंग की कमी के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही है और यह तभी रोक सकता है जब हम सामूहिक प्रयास करें सिर्फ सरकार या ट्रैफिक से जुड़े हुए अधिकारियों पर हम सारी जिम्मेदारी नहीं डाल सकते क्योंकि प्रशासन ढीला हो सकता है रांची में ही स्पीडगन लगी लगभग पौना करोड़ की कारें पता नहीं क्या गति नियंत्रित करती है लेकिन रांची के नवीनतम रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर से लेकर किसी भी सड़क पर गति सीमा का लिखा जाना कुछ उसी प्रकार का है जैसे सिगरेट या शराब के डब्बों में वैधानिक चेतावनी लिखी रहती है और बहुत कम लोग उसे पढ़ते हैं या अपने ऊपर लागू करते हैं इन सडकों पर उल्टी दिशा से आने वाली गाडियां विशेषकर बाइक किसी दिन बड़ी दुर्घटना के करक बनेंगे । भारत के कुछ राज्यों सहित विदेशों में इस गति सीमा का अनुपालन बहुत ही सख्ती से किया जाता है और उन पर भी जो कार्रवाई होती है वह लोगों में भय पैदा करती है पर राजधानी रांची की स्थिति यह है की रांची के राजपथ में एक बार में भोजपुरी गाने को लेकर हुए विवाद में फायरिंग हुई कथित वीआइपी के बॉडीगार्ड ने ऐसा किया ! जब खुलेआम शराब या ड्रग्स लेकर वाहन चलाएंगे और पुलिस सिर्फ सीट बेल्ट और हेलमेट चेक करती रहेगी तो ऐसी दुःखद घटनाओं पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

एआई जेनरेटेड

गोड्डा में हिस्ट्रीशीटर नेता सूर्या हांसदा की मुठभेड़ में हुई मौत

भाजपा व जेएलकेएम के टिकट पर लड़े थे विस चुनाव

नवीन मेल डेस्क

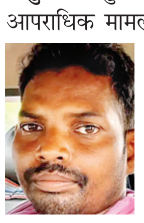

गोड्डा। गोड्डा जिले में कई आपराधिक मामलों में आरोपी रहे पूर्व भाजपा नेता सूर्या हांसदा की पुलिस के साथ एक मुठभेड़ में मौत हो गई। यह मुठभेड़ जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र के जिरली समारी पहाड़ी के पास हुई है। मुठभेड़ के बाद पहाड़ी के पास बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासन के जवान तैनात हैं। किसी को भी वहां जाने की इजाजत नहीं है। वैसे, पहाड़ी के पास बड़ी संख्या में लोग जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार, सूर्या हांसदा को रविवार को देवघर से गिरफ्तार किया गया था और पुलिस उसकी निशानदेही पर ललमटिया जंगल में छुपाए गए हथियार बरामद करने गई थी। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में मार गिराया। पुलिस ने सूर्या हांसदा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

गोड्डा के एसपी मुकेश कुमार ने सूर्या हांसदा की मौत की पुष्टि की है।

शेष पेज 11 पर

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के प्रति युवाओं को प्रेरित करें : सेठ

● रक्षा राज्य मंत्री ने दिल्ली में एनसीसी कैडेट और एनएसएस स्वयंसेवकों से किया संवाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। देशभर से 2000 की संख्या में एनसीसी के कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवक स्वतंत्रता दिवस (आईडीसी-25) में भाग लेने नई दिल्ली पहुंचे हैं। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सोमवार को लाल किला पहुंचकर इनसे संवाद किया। इस दौरान भारत माता की जय और जय हिंद से लाल किला परिसर गुंजायमान रहा।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एनसीसी के कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों के साथ संवाद किया एवं राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के प्रति देश के युवाओं के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करें। हर युवा को इस लक्ष्य के लिए कार्य करने को प्रेरित करें। इस अवसर पर एनसीसी के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह, रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद और माई भारत की निदेशक वंदिता पांडे भी मौजूद थीं।

रक्षा मंत्री ने दिल्ली में किया 'फैमिली प्रोटेक्शन लॉगबुक' का अनावरण

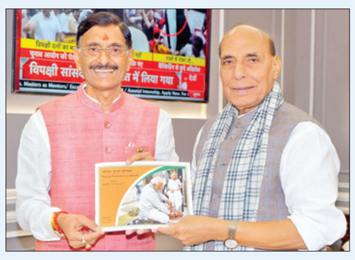

रांची। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में 'फैमिली प्रोटेक्शन लॉगबुक' का अनावरण किया। उन्होंने इसका अवलोकन भी किया और इस कार्य के लिए खूब सराहना की। इस पुस्तक की अवधारणा रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की है। मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यह एक बहुत अच्छी पहल है। आज के आधुनिक युग में लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं और इस तरह की पुस्तिका, जिसमें आपकी जीवन का सारा संग्रह एक जगह समाहित है, की सोच के लिए आपको बहुत धन्यवाद। एक राजनेता को राजनीति के साथ सामाजिक कार्य भी करने चाहिए। जो आप निरंतर करते आ रहे हैं। इस कार्य के लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएं। मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, मेरी सोच थी कि परिवार की पूरी जानकारी का दस्तावेजीकरण एक साथ हो और यह अब मूर्तरूप धारण कर चुकी है। बहुत जल्द ही इसका वितरण शुरू होगा। ज्ञात हो कि इस लॉगबुक का वितरण रांची लोकसभा क्षेत्र में किया जाएगा। यह ऐसी पुस्तिका है, जिसमें परिवार के हर सदस्य का ब्यौरा एक साथ रखा जा सकेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी में राज्यपाल करेंगे ध्वजारोहण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार इस वर्ष राजधानी रांची के मोरहाबादी में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के राजकीय समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। राज्यपाल गंगवार को राज्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर मोरहाबादी में ध्वजारोहण करने के लिए प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव पर उन्होंने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

ज्ञात हो कि परंपरा के अनुसार प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल उप राजधानी दुमका में तथा मुख्यमंत्री रांची के मोरहाबादी में ध्वजारोहण करते हैं। लेकिन, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण इस वर्ष मुख्यमंत्री स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में भाग नहीं ले रहे हैं।

राज भवन में इस वर्ष 'एट होम' कार्यक्रम का नहीं होगा आयोजन

रांची। राज भवन में इस वर्ष 'एट होम' कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शिबू सोरेन के सम्मान में राज भवन में प्रति वर्ष स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले 'एट होम' कार्यक्रम को इस वर्ष आयोजित नहीं करने का निर्णय लिया है।

विस्थापितों को मुआवजा के साथ पुनर्वास सुनिश्चित हो : अंबा प्रसाद

रांची। कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा

प्रसाद ने कहा कि हमारी ही जमीन से हमें जबरन भगाया जा रहा है। अवैध माइनिंग कर कोयला निकाला जा रहा है, जो कॉरपोरेट माफिया और भ्रष्ट अधिकारी अवैध माइनिंग के इस खेल में शामिल हैं, वो लाल हो रहे हैं। उनके बाल बच्चे विदेशों में पढ़ाई कर रहे हैं और हम दर-दर भटकने को मजबूर हैं। विस्थापन की कीमत चूका रहे परिवारों को देखने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि कि कोयला खनन क्षेत्र के विस्थापितों को न्यायपूर्ण मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। यहां के आदिवासी और स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा नियमों के तहत पूरी सख्ती से होनी चाहिए, ताकि उनकी आजीविका, संस्कृति और जमीन सुरक्षित रह सके। जल, जंगल और जमीन की अंधाधुंध लूट को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि विस्थापित लोग जो हमारे ही परिवार का हिस्सा हैं, हम अपने लोगों के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार हैं। उन्हें और उनके परिवार को वर्षों से प्रताड़ित किया जा रहा है, लेकिन वह यह लड़ाई जारी रखेंगी। कोयलांचल में मची लूट को बंद करने के लिए हर कीमत भुगतने को तैयार हैं। जबरन लोगों को घरों से बेदखल किया जा रहा है, ताकि यहां के संसाधनों को लूटा जा सके। कोयलांचल के जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में वह और उनका परिवार झुकने वाला नहीं है।

दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का लगा तांता

लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्मृति-शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग आज नेमरा गांव पहुंचे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेमरा स्थित पैतृक आवास पर लोगों ने स्मृति-शेष "गुरुजी" की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। "गुरुजी" को श्रद्धांजलि देने वालों में आम और खास सभी लोग शामिल थे। मौके पर लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की। मालूम हो कि स्मृति-शेष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के "श्राद्ध कर्म" के सातवें दिन सुबह से ही उनके नेमरा स्थित पैतृक आवास में उन्हें श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

स्मृति-शेष दिशोम गुरु शिबू सोरेन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए लोगों ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में "गुरुजी" का अतुलनीय योगदान रहा। झारखंडवासी सदैव उनका ऋणी रहेंगे। "गुरुजी" ने अपना जीवन आदिवासी, गरीब, दलित, शोषित ,वंचित एवं उपेक्षित समुदाय के उत्थान के लिए समर्पित किया। स्मृति-शेष दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का संघर्ष, आदर्श एवं उनके द्वारा दिखाए रास्ते राज्यवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा, सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि पूरा देश "गुरुजी" को हमेशा जननायक के रूप में याद रखेगा। स्मृति-शेष दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राज्य के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, पूर्व मंत्री, सांसद एवं विधायकसहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

सीएम हेमंत सोरेन ने पिता शिबू सोरेन के सातवें दिन की श्राद्ध क्रिया पूरी की

रांची/रामगढ़। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्धकर्म का

सोमवार को सातवां दिन था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने परिजनों संग दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आज 'सात कर्म' का पारंपरिक विधान पूरा किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मर्माहत हृदय से न सिर्फ एक बेटे का कर्तव्य निभा रहे हैं, बल्कि दिवंगत 'गुरुजी' के यादों को समेटे हुए अपने पैतृक गांव नेमरा से ही राजकाज की जिम्मेदारी का भी निर्वहन भी पूरी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं।

नेमरा पहुंचे जदयू के नेता, सीएम सोरेन से मिलकर उन्हें दी सांत्वना

रांची/रामगढ़। जनता दल यूनाइटेड के लोग सोमवार को पूर्व सीएम

दिवंगत शिबू सोरेन के गांव नेमरा पहुंचे। इसमें जदयू के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी, प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता सौमेन दत्ता, प्रदेश महासचिव आशीष शीतल मुंडा, प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के मोहम्मद हुसैन, मीर असरार, इम्तियाज अहमद खान, रिंकू, मोहम्मद साजिद खान, नदीम खान, अशरफ समीर, सद्दाम हुसैन शामिल थे। जदयू के नेताओं ने दिवंगत शिबू सोरेन के पुत्र सीएम हेमंत से मुलाकात कर उन्हें भागवत गीता भेंट की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि इस विषम परिस्थिति में जदयू आपके साथ है।

नगीना सांसद पहुंचे नेमरा गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

रांची। यूपी के नगीना लोस सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सीएम हेमंत से मिलने नेमरा स्थित पैतृक आवास पहुंचे। वहां स्मृति-शेष पूर्व सीएम दिशोम गुरु की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस विकट दु:ख को सहन करने शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सीयूजे के पूर्व छात्र मोहम्मद रुस्तम का शिवनिंग स्कॉलरशिप में चयन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड

(सीयूजे) के पूर्व छात्र मोहम्मद रुस्तम का यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रदत्त विश्व के प्रतिष्ठित शिवनिंग स्कॉलरशिप में चयन हुआ है। मोहम्मद रुस्तम ने सीयूजे के इंटीग्रेटेड एमटेक एनर्जी इंजीनियरिंग विभाग से पढ़ाई की है। उनका चयन लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) के एमएससी इंटरनेशनल सोशल एंड पब्लिक पॉलिसी प्रोग्राम में हुआ है। ज्ञात हो कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस विश्व के सर्वश्रेष्ठ सोशल साइंस संस्थानों में से एक है। इसका सोशल पॉलिसी एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम क्यूएस विश्व यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 के अनुसार नंबर एक (1) प्रोग्राम है। शिवनिंग स्कॉलरशिप हर वर्ष भविष्य के लीडर बनाने के लिए एक वर्ष के ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए दिया जाता है। यह प्रोग्राम ऐसे लीडर बनाता है, जो अकादमिक रूप से भी सुदृढ़ होते हैं और साथ ही नेतृत्व करने की क्षमता भी विकसित की जाती है। पूरे विश्व से मात्र तीन प्रतिशत लोगों को ही इस प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप के लिए चुना जाता है। सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने मोहम्मद रुस्तम को बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि मोहम्मद रुस्तम ने विश्व पटल पर अपनी मेहनत से अपना स्थान बनाया है और अपने विश्वविद्यालय और देश की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाया है। एनर्जी इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष, प्रो संजय कुमार समदर्शी ने भी छात्र की सफलता को सराहा और विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करने पर साधुवाद दिया। पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के अधिष्ठाता, डॉ भास्कर सिंह ने भी बधाई दी और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उन्हें एक प्रेरणास्रोत बताया।

एसआईआर वापस हो, डिजिटल रिकॉर्ड दे चुनाव आयोग : माले

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वापस लेने, डिजिटल रिकॉर्ड देने और मतदाता सूची की गड़बड़ियों के खिलाफ भाकपा माले द्वारा सोमवार को चुनाव आयोग को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान माले सहित अन्य संगठनों से जुड़े सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पहले विरोध मार्च कर चुनाव आयोग तक जाने का कार्यक्रम था, लेकिन बारिश के कारण यह नहीं हो सका। हालांकि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के समक्ष सभा हुई और उसके बाद ज्ञापन दिया गया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गहरे सवाल उठ रहे हैं। खासकर जब से केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाकर चुनाव आयोग के चयन की प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश की जगह गृह मंत्री को शामिल किया गया है। बिहार चुनाव से ठीक पहले एसआईआर की प्रक्रिया में तकरीबन 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन सबके नाम हटाने के कारण को सार्वजनिक नहीं करना, मतदाताओं के मन में गहरी आशंका पैदा करता है।

अगस्त क्रांति पर स्वदेशी वस्तुओं के लिए शंखनाद, बोले महेश पोद्दार

स्वदेशी का संकल्प घर-घर तक पहुंचाएं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अगस्त क्रांति के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में सोमवार को सरला बिरला विवि के सभागार में 'स्वदेशी शंखनाद' का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर वर्तमान परिवेश में स्वदेशी घर-घर तक पहुंचे, इसके लिए स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के पत्रिका का लोकार्पण भी हुआ। इसका उद्देश्य स्वदेशी संकल्प को घर-घर तक पहुंचना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य महेश पोद्दार ने विवि के छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ को इस पीढ़ी देखना है एवं इस देश को स्वावलंबी बनाना है। इसी की शिक्षा देश के प्रधानमंत्री ने हम सभी को दी है। उन्होंने स्वदेशी के लिए संकल्प करने का घर-घर जाकर सूची बनाने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि भाजपा झारखंड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि हमें अपने उपयोग में आने वाली सभी वस्तुओं की सूची बनाकर स्वदेशी सामग्री की खरीद करनी होगी। स्वदेशी सामग्रियों का इस्तेमाल करेंगे, तो इसका फायदा देश को ही होगा। इस कार्यक्रम की भूमिका और प्रस्तावना रखते हुए स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय कुमार ने कहा कि हमें छोटा सा ध्यान करना है कि जब भी हम दुकान पर जाएं, दुकानदार भैया से पूछें कि जो सामान दे रहे हैं, यह विदेशी सामग्री तो नहीं है। उसके बाद ही सामग्री की खरीदारी करें। सरला बिरला विवि के महानिदेशक गोपाल पाठक ने कहा कि हमें ब्रांडेड सामान खरीदने की स्वतंत्रता तो है, पर हमें अपने आचरण को भी ब्रांडेड बनाने की आवश्यकता है। मौके पर विवि के सभी छात्र-छात्राओं को प्रभु श्रीराम और हस्तकला से बना हुई मंदिर प्रदान किया गया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के विजय छापरिया, प्रकाश हेतमसरिया, सत्य प्रकाश पांडे, सरला बिरला विवि के पूर्व सचिव सह डीन विजय कुमार सिंह, कुल सचिव श्रीधर, अंचल तिवारी, आलोक प्रमार, राधिका सिंह, देवंती कुमारी, ब्रजेश कुमार, हिमांशु, आशुतोष द्विवेदी, प्रशांत कुमार, प्रवीण कुमार, रवींद्र तिवारी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

पाकुड़ में अवैध खनन की याचिका चीफ जस्टिस के पास स्थानांतरित

रांची। पाकुड़ जिले में पैनम कोल कंपनी के अवैध खनन के मामले से जुड़ी याचिका सोमवार को चीफ जस्टिस के पास स्थानांतरित की गई। सोमवार को इस मामले की आंशिक सुनवाई के बाद जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने याचिका चीफ जस्टिस को भेजी है, ताकि यह तय किया जा सके कि इस जनहित याचिका पर सुनवाई वर्तमान खंडपीठ में होगी या चीफ जस्टिस वाली खंडपीठ में। अगली सुनवाई 21 सितंबर को निर्धारित की गई है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2015 में जनहित याचिका दायर की गई थी। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से बताया गया था कि कंपनी ने गड़बड़ी की है और अब कंपनी चली गई है। कंपनी की ओर से की गई गड़बड़ी की बात सरकार ने स्वीकार की, लेकिन सरकार ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जो गलत है।

झारखंड हाईकोर्ट ने दिया आदेश

कोयला या अन्य खनिजों की ट्रांसपोर्टिंग से नहीं हो प्रदूषण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ के बसंतपुर कोल वाशरी से हो रहे प्रदूषण को रोकने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान पक्ष सुना। पक्ष सुनने के बाद खंडपीठ ने पर्यावरण प्रदूषण, सड़क की खराब स्थिति और ध्वनि प्रदूषण के मामलों पर दो सप्ताह का समय देते हुए राज्य सरकार, डीजीपी और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जवाब दायर करने का निर्देश दिया।

निर्देशों का सख्ती का कराएं पालन-खंडपीठ : झारखंड हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि इस दौरान राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक व डीएमओ यह सुनिश्चित करें कि माइनिंग तथा कोयले या खनिजों की ट्रांसपोर्टिंग से किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं हो। कोयला या खनिज ढोनेवाले ट्रकों को तिरपाल से ढंकना अनिवार्य किया गया है, ताकि धूल ना फैले, इसे सुनिश्चित किया जाए। राज्य के डीजीपी व झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निर्देशों का सख्ती से पालन कराएं। ट्रकों में प्रेशर हॉर्न, मल्टी टोन हॉर्न, अनधिकृत लाइट्स (विशेषकर लाल व नीली बत्ती), झंडे लगा कर चलनेवाले वाहनों या अन्य किसी भी प्रकार के शोर करनेवाले उपकरणों आदि पर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

वाहनों पर राजनीतिक या धार्मिक झंडों का प्रदर्शन है प्रतिबंधित : झारखंड में किसी भी वाहन पर बिना अनुमति के राजनीतिक या धार्मिक झंडों का प्रदर्शन प्रतिबंधित है। इसके लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली-1989 के अध्याय-पांच का पूर्ण अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। प्रतिवादियों द्वारा दायर किये जानेवाले जवाब में की गई कार्रवाई की भी जानकारी देने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई के लिए खंडपीठ ने एक सितंबर की तिथि निर्धारित की। इससे पूर्व प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता राजेंद्र कृष्ण ने पैरवी की। वहीं प्रतिवादियों की ओर से जवाब दायर करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया।

इन्होंने दायर की है जनहित याचिका : खुशीलाल महतो व अन्य की ओर से जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोयला लाने-ले जाने का काम होता है। इस दौरान कोयला का डस्ट भी उड़ता है। कोयला से प्रदूषण हो रहा है। आसपास में बड़ी आबादी रहती है। लोग प्रदूषण की चपेट में आकर बीमार पड़ रहे हैं।

सदर अस्पताल में मरीज को पैदल ले जाने पर जवाब तलब

रांची। सदर अस्पताल में एंबुलेंस से मरीज को उतारकर पैदल ले जाने के मामले में हाईकोर्ट ने सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। जीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने भविष्य में इस तरह की घटना न हो, इसके लिए उठाए गए कदम की जानकारी सरकार को देने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। सोमवार को सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन कोर्ट में उपस्थित हुए। महाधिवक्ता ने अदालत को बताया की मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह सही नहीं है। अस्पताल परिसर में गाड़ी लगी हुई थी, जिस कारण गेट जाम था। जाम के कारण एंबुलेंस अंदर नहीं जा सकी थी, इस कारण मरीज को उतारकर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में पार्किंग निजी कंपनी के पास है। कंपनी से भविष्य में गेट जाम न हो, इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

स्मृति शेष — पूर्व विधायक ने बताई दिवंगत शिबू सोरेन के प्रजेंस ऑफ माइंड की कहानी

...जब गुरुजी ने मेरी पोस्टिंग गोला में कराई : लंबोदर महतो

● दिशोम गुरु के कार्यकाल में गोला के बीडीओ के रूप में तबादले पर दो विधायकों में ठन गई थी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन जब मुख्यमंत्री थे, तब राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो उनके गृह प्रखंड रामगढ़ जिला के गोला में बीडीओ थे। दिशोम गुरु ने ही उनका पदस्थापन वहां कराया था। डॉ लंबोदर महतो बताते हैं कि कैसे उनके स्थानांतरण को लेकर दो विधायकों के बीच की लड़ाई को उन्होंने अपने प्रजेंस ऑफ माइंड से सुलझाया था। डॉ लंबोदर महतो ने इसकी जानकारी एक प्रेस वक्तव्य जारी कर दी है।

बकौल पूर्व विधायक, मैं वर्ष 2006- 07 में पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड में बीडीओ के रूप में पदस्थापित था। गुरुजी मुख्यमंत्री थे। सुफल मरांडी महेशपुर के झामुमो विधायक थे और चंद्र प्रकाश चौधरी रामगढ़ के विधायक और गठबंधन सरकार में मंत्री। चंद्र प्रकाश चौधरी ने मेरा एक साल के अंदर ही महेशपुर से बीडीओ के रूप में गोला ट्रांसफर करवा दिया। इस मामले को लेकर विधायक सुफल मरांडी गुरुजी के पास पहुंच गए। उन्होंने गुरुजी से कहा कि या तो लंबोदर महतो का ट्रांसफर रोकिए, या मेरा इस्तीफा ले लीजिए।

डॉ लंबोदर महतो के अनुसार, जब यह बात मंत्री चंद्र प्रकाश चौधरी के पास पहुंची, तो वे भी गुरुजी पास चले गए और उनसे कहा कि अगर लंबोदर महतो का ट्रांसफर रद्द हुआ, तो सुफल जी विधायक होकर इस्तीफा दे सकते हैं तो मैं भी मंत्री और विधायकी से इस्तीफा दे दूंगा। इस पर गुरुजी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए कि क्या करें, क्या नहीं करें। तब गुरुजी ने अपने प्रजेंस ऑफ माइंड का प्रयोग करते हुए सुफल जी को बुलाकर उन्हें समझाया कि लंबोदर महतो चूंकि एक अच्छे पदाधिकारी हैं, इसलिए मैंने ही कहा था कि इनकी पोस्टिंग मेरे गृह प्रखंड गोला में करो। मेरे कहने पर ही इनकी पोस्टिंग गोला हुई है। महेशपुर में जिस अधिकारी का कहो, पोस्टिंग करवा देंगे। इस पर सुफल जी मान गए और मामला शांत हो गया।

दरअसल, सुफल मरांडी उनका तबादला इसलिए रोकवाना चाहते थे, क्योंकि डॉ लंबोदर अपने प्रशासनिक कार्यों व जन साधारण के साथ जुडाव की वजह से महेशपुर में लोकप्रिय हो गए थे। इधर, गोला स्थानांतरण के बाद गुरुजी के निर्देश पर एसजीआरआई से उनके घर के सामने और पीछे का तालाब और सामने रोड का निर्माण उन्होंने ही कराया था।

डॉ लंबोदर महतो बताते हैं, वर्ष 1980 की बात है। कसमार प्रखंड के हिसीम गांव में गुरुजी की जनसभा थी। इस जनसभा में मैं भी मंच पर गुरुजी के साथ उपस्थित हुआ था। यह मेरे छात्र जीवन एवं राजनीतिक जीवन का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था, जिसमें मेरा पहला भाषण हुआ था। मेरे भाषण से गुरुजी काफी प्रभावित होकर मुझे झारखंड आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित किए थे। गुरुजी ने उस कार्यक्रम में खोरठा में भाषण दिया था, जो स्थानीय लोगों को खूब भाया था। ऐसे ही गुणों से वे जनता में न केवल लोकप्रिय थे, बल्कि जननायक माने जाते थे। आज भी उनकी जननायक की छवि लोगों के मन-मष्तिष्क में है।

9000 वाहनों की हुई जांच, 185 ड्रिंक एंड ड्राइव में पॉजिटिव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रतिदिन रात में ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर पुलिस अधीक्षक यातायात के निर्देश पर रांची में अलग अलग जगहों पर अभियान चलाया जा रहा है। विगत तीन माह में कुल 9000 वाहनो के ड्राइवर की जांच की गई है जिसमें अभी तक कुल 185 से अधिक वाहन चालक पॉजिटिव पाए गए जिनके विरुद्ध न्यायालय में कार्यवाई के लिए अभियोजन भेजा गया है।

एक भी ट्रैफिक सिपाही नहीं रहते हैं तैनात

तिलता चौक में प्रतिदिन लगता है जाम

मनोज मिश्रा। रांची। राजधानी का द्वार तिलता चौक दिन प्रतिदिन व्यस्तम होता जा रहा है। इस चौक पर हजारीबाग से आने वाली भारी वाहने दाईं और मुड़कर लोहरदगा डालटनगंज का रूट पकड़ना चाहती है वहीं लोहरदगा डालटनगंज से आने वाली बसें दाईं ओर मुड़कर स्टैंड जाना चाहती है। कई प्राइवेट कार और बाइक राजधानी से बाहर निकलना चाहते हैं। इन सब रश्मकसी के बीच तिलता चौक में प्रतिदिन घंटों जाम लगी रहती है।

प्रेशर हॉर्न और गाड़ियों के निकलते जहरीले धुएं के बीच जाम में फंसे रहना किसी यातना से कम नहीं होता है। कई बार वाहनों के ड्राइवर आपस में भीड़ जाते हैं जिससे अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जाम कम होने की जगह जाम और बढ़ जाती है।

जाम में दम तोड़ती व्यवस्था, तिलता चौक पर हर दिन अफरा-तफरी

दरअसल जाम होना कोई समस्या नहीं है समस्या जाम मुक्त करने वाले लोगों की कमी है। इस चौक में ट्रैफिक के एक भी सिपाही पिछले कई महीनों से तैनात नहीं हैं, परिणाम स्वरुप जाम लगने पर कोई समाधान नहीं होता है और यात्रियों को घंटों अपने वाहनों पर बैठे रहना होता है। सबसे ज्यादा तकलीफदायक हालात तो तब होती है जब कोई एंबुलेंस इस जाम में फंस जाता है। राजधानी में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था पाने के लिए लोहरदगा डालटनगंज रूट से कई एंबुलेंस तिलता चौक होते हुए राजधानी में प्रवेश करना चाहती है, मगर इस चौक में जाम लगे रहने के कारण जाम में फंस जाती है और आगे बढ़ने का कोई उपाय नहीं रहता है। वहीं एनएचआई ने जिस ढंग से सड़क निर्माण किया है वह भी जाम होने का मुख्य वजह बन रही है। दो सड़कों के बीच गड्ढे छोड़ दिए गए हैं उसे भरा नहीं गया है जिससे बड़ी गाड़ियों को घूमने में काफी परेशानी होती है और जाम लगा रहता है। नाम नहीं छापने की सूरत में स्थानीय लोगों ने कहा कि जब तक ट्रैफिक पुलिस की तैनाती नहीं होगी तब तक जाम पर नियंत्रण नहीं होने वाला है। लोग मनमानी ढंग से गाड़ी चलाते हैं और एक बार में ही सारी गाड़ियां चौक पर जमा हो जाती है। इन्हें रोकने रोकने वाला कोई नहीं होता है। बेतहाशा बढ़ते जाम पर रोक लगाने की आवश्यकता है ताकि जाम में कोई एंबुलेंस, स्कूली विद्यालय की बसें और आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हो।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के कार्यक्रम स्थल का डीसी ने किया निरीक्षण

मोरहाबादी मैदान में चल रही तैयारियों का लिया जायजा

● पदाधिकारियों को तैयारियों से संबंधित दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री सोमवार शाम स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर मोरहाबादी मैदान में चल रही तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदान में किए जा रहे सभी व्यवस्थात्मक कार्यों का जायज़ा लिया और उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मुख्य मंच, परेड ग्राउंड, अतिथि दीर्घा, आम जनता के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सजावट, सुरक्षा प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, चिकित्सीय सुविधा एवं आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्य समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह सुचारु रुप से संपन्न हो सके। सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कार्यक्रम स्थल के भीतर और बाहर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात पुलिस को कार्यक्रम दिवस पर विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार कर भीड़ प्रबंधन करने तथा पार्किंग स्थलों को स्पष्ट चिन्हित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी को मैदान और आसपास के क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाने, कचरा निस्तारण, पेयजल टैंकर, मोबाइल शौचालय एवं आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल में एम्बुलेंस एवं चिकित्सकों की टीम तैनात रखने के निर्देश दिये। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर अन्य गतिविधियों की तैयारियों की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, अपर जिला दण्डाधिकारी विधि व्यवस्था राजेश्वरनाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार भगत, पुलिस अधीक्षक नगर अजीत कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय एवं अन्य संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएवी हेहल के निशानेबाजों को मिली सुनहरी सफलता

सीबीएसई ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप में जीते 14 पदक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल, रांची के प्रतिभाशाली निशानेबाजों ने सीबीएसई ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक (6 स्वर्ण, 5 रजत एवं 3 कांस्य) जीतकर विद्यालय और रांची का गौरव बढ़ाया। यह प्रतियोगिता 5 से 9 अगस्त, 2025 तक सनबीम एकेडमी, मिजार्पुर (उत्तर प्रदेश) में आयोजित हुई थी। इसमें झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल के लगभग 150 शीर्ष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में सीबीएसई ऑब्जर्वर के रूप में मनीषा रानी उपस्थित रहीं।विद्यालय के 17 खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लिया और अपनी मेहनत, लगन एवं अनुशासित खेल भावना के दम पर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की। विद्यालय के प्राचार्य एवं सह-सहायक क्षेत्रीय अधिकारी (डीएवी पब्लिक स्कूल्स, झारखंड जोन-जी) बिपिन राय ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा, हमारे खिलाड़ियों की यह सफलता उनकी अथक मेहनत, सटीक तैयारी और अनुशासित दृष्टिकोण का परिणाम है। इस उपलब्धि ने विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे रांची का मान बढ़ाया है। मुझे विश्वास है कि हमारे छात्र आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इसी तरह इतिहास रचेंगे।

● रांची का नाम हुआ रोशन, प्राचार्य ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

टीम इवेंट में उपलब्धियां

1. अंडर-19 ब्वॉयज (पीप साइट राइफल) : स्वर्ण पदक - सूरज प्रताप सिंह, वेद शाहदेव एवं आयुष कुमार।
2. अंडर-19 गर्ल्स (पीप साइट राइफल) : स्वर्ण पदक - अन्वेषा तिवारी, सृष्टि प्रिया एवं उन्नति बाघवार।
3. अंडर-17 ब्वॉयज : रजत पदक - अवतार आनंद राज, यथार्थ पराशर एवं नितिन राज।

व्यक्तिगत पदक विजेता

1. सृष्टि प्रिया : रजत पदक (अंडर-19 गर्ल्स)
2. उन्नति बाघवार : कांस्य पदक (अंडर-19 गर्ल्स)
3. तनु वर्मा : कांस्य पदक (अंडर-17 गर्ल्स)
4. सूरज प्रताप सिंह : रजत पदक (अंडर-19 ब्वॉयज)
5. अवतार आनंद राज : कांस्य पदक (अंडर-17 ब्वॉयज)

संस्कृत हजारों वर्षों तक बगैर लिपि के श्रुति परंपरा से जीवित रही: डॉ शैलेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● 1969 से श्रावण पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जा रहा है

● संस्कृत में अर्थोपार्जन और जीवन पद्धति की समझ समाहित

मारवाड़ी कॉलेज और संस्कृत भारती की ओर से सोमवार को संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विषय था- संस्कृत अध्ययन की प्रासंगिकता। मुख्य अतिथि राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, रांची के सहायक प्राध्यापक डॉ शैलेश कुमार मिश्र ने कहा कि संस्कृत हजारों वर्षों तक बगैर किसी लिपि के श्रुति परंपरा के माध्यम से जीवित रही और इसी श्रुति परंपरा को वेद कहते हैं। संस्कृत एकमात्र ऐसी भाषा है जिसका नामकरण किसी स्थान के नाम पर नहीं है। इसके ठीक विपरीत बंगाल की भाषा का नाम बंगाली, महाराष्ट्र की भाषा का नाम मराठी, चीन की भाषा का नाम चीनी आदि है। संस्कृत का अध्ययन भारतीय वेद-उपनिषद को समझने के लिए भी अनिवार्य है। विशिष्ट अतिथि डॉ जगदंबा प्रसाद ने कहा कि भारत सरकार की ओर से वर्ष 1969 में एक पत्र जारी कर सभी कॉलेज और विश्वविद्यालयों को वेदारंभ दिवस श्रावण पूर्णिमा के दिन को विश्व संस्कृत दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्देशित किया था। तब से लेकर आज तक श्रावणी पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस का आयोजन किया जाता है। संस्कृत एकमात्र ऐसी भाषा है इसमें अर्थोपार्जन तो बताया ही जाता है, इसके अलावा अर्थोपजन कहां, कब और कैसे करना है इस पद्धति का भी बोध कराया जाता है। गणित और विज्ञान, कंप्यूटर व तकनीकी संस्कृत में निहित हैं। कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि संस्कृत पढ़नेवाले स्वयं और अपने विषय पर गर्व करें और इस भाषा का निरंतर प्रयोग करते रहें।

डीपीएस रांची के पूर्व छात्र राकेश कुमार ने बीपीएससी में हासिल की 40वीं रैंक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

● पूर्णिया सेंट्रल जेल में सुपरिटेंडेंट ऑफ प्रिजन के रूप में किए गए हैं नियुक्त

● प्राचार्या डॉ जया चौहान ने कहा, यह डीपीएस रांची परिवार के लिए गर्व का क्षण

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), रांची के पूर्व छात्र राकेश कुमार (बैच 2018) ने 69वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा में रैंक 40 प्राप्त किया है। राकेश कुमार को सुपरिंटेंडेंट ऑफ प्रिजन के लिए नियुक्त किया गया है और वे वर्तमान में पूर्णिया सेंट्रल जेल में सेवाएं दे रहे हैं। डीपीएस रांची से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद राकेश ने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) में स्नातक की पढ़ाई की, जहां उन्होंने वर्ष 2021 में 8.135 सीजीपीए के साथ स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) हासिल किया। एक मेहनती छात्र से लेकर उच्च पदस्थ सिविल सेवक तक का उनका सफर उनके धैर्य, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है।अपनी खुशी साझा करते हुए प्राचार्या डॉ जया चौहान ने कहा, राकेश कुमार की उपलब्धि पूरे डीपीएस रांची परिवार के लिए गर्व का क्षण है। उनका सफर अनुशासन, मेहनत और समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है। ये वे मूल्य हैं, जिन्हें हम अपने सभी विद्यार्थियों में विकसित करने का प्रयास करते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ जनता की सेवा करेंगे। उनकी सफलता डीपीएस के छात्रों को बड़े सपने देखने और उन्हें पाने के लिए अथक परिश्रम करने की प्रेरणा देगी।

आज / कल

‘भारत को जानो’ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में डीएवी हेहल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

लाला लाजपत राय स्कूल, पुंदाग में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित ‘भारत को जानो’ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यालयों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सीनियर वर्ग (कक्षा 9-10) में स्वस्ति आर्य (कक्षा 10-ए) एवं हिमांशु राज (कक्षा 10-ए) की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। वहीं, जूनियर वर्ग (कक्षा 6-8) में वैष्णवी एवं विराज सृजल की टीम ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य बिपिन राय ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, टीमवर्क और ज्ञान के प्रति जिज्ञासा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में देश के इतिहास, संस्कृति और विविधता के प्रति जागरूकता तथा गर्व की भावना विकसित होती है। डीएवी हेहल के छात्रों की इस उपलब्धि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्टता की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है।

● लाला लाजपत राय स्कूल, पुंदाग में भारत विकास परिषद ने किया था आयोजन

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया प्रतियोगिता का किया आयोजन

● सेंट्रल एकेडमी स्कूल के कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग

ग्रुप डी (कक्षा 08 से 12) मेहंदी मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम : अंजलि और संस्कृति
- द्वितीय : गरिमा और साक्षी
- तृतीय : प्रीति और रिया
- सांत्वना पुरस्कार : अंजलि और समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं रिलेशंस कि ओर से सोमवार को बरियातू रोड स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल में आगामी स्वतंत्रता दिवस को लेकर बच्चों के लिए कई तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।संस्था ने बच्चों के लिए देशभक्ति राखी मेकिंग प्रतियोगिता, कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता, मेहंदी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता बच्चों को अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती है। बच्चों ने अपनी कलाकृतियों में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को भी दर्शा कर लोगों का दिल जीत लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के प्राचार्य सूतापा भट्टाचार्य, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, मानव अधिकार मिशन झारखंड कि उपाध्यक्ष सोहिनी राय, समाजसेविका अन्नू पोद्दार, पिया बर्मन, संजीत गाड़ी ने सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिता के परिणाम

ग्रुप ए (नर्सरी से कक्षा प्रेप तक) राखी मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम : अक्षत कच्छप
- द्वितीय : अनीशा भारती
- तृतीय : जिज्ञासा
- सांत्वना पुरस्कार : अंशिका

ग्रुप बी (कक्षा एक से तीन) कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम : अरुणा कुमारी
- द्वितीय : मुस्कान भारती
- तृतीय : चांदनी कुमारी
- सांत्वना पुरस्कार : हरीश टोप्पो

ग्रुप सी (कक्षा चार से सात) राखी मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम : रौनक शर्मा
- द्वितीय : शगुन प्रसाद
- तृतीय : अनोखी कुमारी
- सांत्वना पुरस्कार : प्रेरणा

राज्यपाल गंगवार का विशेष सम्मान करते हुए मनाया गया स्वर्ण जयंती समारोह

रांची/ न्यू जर्सी, अमेरिका

- **बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका का 50वां स्वर्ण जयंती समारोह**

बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) के 50वें स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत, डॉ. गीता गुप्ता को एसोसिएशन की ओर से झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। भेंट के दौरान राज्यपाल ने बीजेएएनए को समुदाय की सेवा में उसके उल्लेखनीय 50 वर्षों के कार्य के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने संगठन के प्रवासी समुदाय को एकजुट करने, बिहार और झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उत्सवों के माध्यम से जीवित रखने और परंपरागत त्योहारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल गंगवार ने बीजेएएनए के परोपकारी कार्यों की भी प्रशंसा की, जो उन्होंने अपनी कर्मभूमि (कार्यस्थल) और मातृभूमि (जन्मभूमि) दोनों में किए हैं, विशेषकर पीआरएएन-बीजेएएनए चैरिटेबल हेल्थ क्लीनिक के माध्यम से, जो ग्रामीण भारत के वंचित समुदायों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करते हैं। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो भी उपस्थित रहे, जिससे इस विशेष मुलाकात का महत्व और बढ़ गया। यह आयोजन बीजेएएनए की संस्कृति संरक्षण, सामुदायिक एकता और सामाजिक सेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बकरी चराने गए युवक को जहरीले सांप ने डंसा

बेड़ो । बरसात के मौसम में सांप के निकलने की काफी शिकायत आती है। घरों में सोए लोगों को भी डंस लेता है। बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया पंचायत के हुलसी गांव में बकरी चराने गए 16 वर्षीय युवक भौवा उरांव पिता फगुवा उरांव ग्राम हुलसी निवासी की दाहिने पैर की एड़ी में सांप ने डंस लिया। युवक के अनुसार वह लगभग तीन बजे बकरी चराने हुलसी जंगल में गया था तभी जंगल के झाड़ियों से निकल कर काट डाला। इधर परिजनों ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो लाए। जहां चिकित्सक डॉ सनल सानू बरवार ने एएसवी का इंजेक्शन दिया। साथ ही गहण जांच व बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

राधारमण महोत्सव व जन्माष्टमी उत्सव का हुआ समापन

मुरी। राधारमण महोत्सव एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का तीसरा दिन भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास से परिपूर्ण रहा।प्रातःकाल मंगला आरती, हरिनाम संकीर्तन और यज्ञ में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को पावन बना दिया। दोपहर में भागवत कथा का आयोजन हुआ, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक श्री श्यामब्रजविलास प्रभु ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया। कथा के दौरान उपस्थित भक्तगण भक्ति भाव में डूब गए। शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई, जिसमें दामोदर लीला का मंचन दर्शकों को अत्यंत भावविभोर कर गया। मधुर भजन, संकीर्तन और नृत्य ने पूरे परिसर का माहौल भक्तिमय कर दिया। दिन का समापन महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के आगामी दिनों में भी विशेष कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहेगा, जिसमें देश-विदेश से आए संत,भक्त और कलाकार अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे।

श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने दिवंगत गुरुजी को दी श्रद्धांजलि

रांची। श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के सचिव मनोज चौधरी एवं कोषाध्यक्ष सज्जन पाड़िया नेमरा गांव पहुंचकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने ट्रस्ट की ओर से गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए गुरुजी के निधन को राष्ट्र, समाज एवं आदिवासी समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति बताया। श्रद्धांजलि अर्पण के पश्चात ट्रस्ट प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को व्यक्तिगत रूप से शोक संदेश पत्र सौंपा तथा उनके दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि जनजातीय चेतना, न्याय और सामाजिक संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने जन-जन की आवाज को संसद और सड़कों पर मुखर किया, जिससे आदिवासी समाज को नई पहचान मिली। इस अवसर पर सचिव श्री चौधरी ने कहा, दिशोम गुरु का जीवन संघर्षशील रहा है। वे सादा जीवन, उच्च विचार और लोकहित को समर्पित रहे। वहीं कोषाध्यक्ष श्री पाड़िया ने कहा कि उनकी स्मृति सदा प्रेरणास्त्रोत बनी रहेगी। ट्रस्ट उनके दिखाए मार्ग पर चलने को कृतसंकल्प है।

वाहन जांच के दौरान तीन बाइक चोर के साथ सात मोटरसाइकिल बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची/ दुमका। दुमका जिला के जामा थाना पुलिस ने दुमका पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खरवार के निर्देश पर वाहन जांच लगाया था। वाहन जांच के दौरान दुमका की ओर से एक बुलेट मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति, ग्लैमर बाइक से दो व्यक्ति और पल्सर बाइक से दो व्यक्ति सवार होकर जामा की ओर आ रहा है। जिसे पुलिस द्वारा रोकने का इशारा किया लेकिन पुलिस से कुछ दूर पहले तीनों बाइक को घूमा कर दुमका की ओर भागने लगा। पुलिस द्वारा उसका पीछा कर कुछ दूरी पर बुलेट सवार और ग्लैमर सवार व्यक्ति को खदेड़ पकड़ा गया जबकि पल्सर सवार दो व्यक्ति मौके से फरार हो गया। पकड़े गए तीनों व्यक्ति को पुलिस हिरासत में थाने लाकर पूछताछ जारी किया गया पूछताछ के दौरान अपना नाम अजय चौधरी, वीरेंद्र राय और राजेश कुमार गुप्ता बताया। पकड़े गए तीनों युवक के निशान देही पर खाकी रंग का बुलेट, विक्रांत मोटरसाइकिल, होंडा शाइन, काले रंग का बुलेट, हीरो होंडा प्लस, ग्लैमर मोटरसाइकिल बरामद किया।

पकड़े गए अपराधी के द्वारा चोरी कर बाइक को बेचने का काम करते हैं इसके साथ ही मुफस्सिल थाना, हंसडीहा थाना, जरमुंडी थाना और जामा थाना क्षेत्र से कई मोटरसाइकिल की चोरी इनके द्वारा की गई थी। इस पूरे कांड का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जरमुंडी अमित कुमार के नेतृत्व में जामा थाना प्रभारी अजीत कुमार सिंह अपने टीम के साथ शामिल उद्वेदन किया।

न्यूज बॉक्स

खेल जगत में विशेषकर वॉलीबॉल खेल में नवाचार सहित नए महत्त्वपूर्ण आयामों को दिशा एवं गति देने की कोशिश : झारखंड की मोंगिया राष्ट्रीय वॉलीबॉल अकादमी ने देश में जमीनी स्तर से वॉलीबॉल खेल के विकास एवं विस्तार के लिए कसी कमर।

सीतापुर में चलाया गया मेरा रेशम मेरा अभियान का जागरूकता कार्यक्रम

रांची। सीतापुर उत्तर प्रदेश मे "मेरा रेशम मेरा अभिमान" एमआरएमए के तहत जागरुकता कार्यक्रम राजकीय रेशम फार्म परसेंडी में आयोजित किया गया। इसमें रेशम कृषकों सहित कुल 48 लोगों ने सहभागिता किया। इस अवसर पर सीएसबी बीटीएसएसओ बिलासपुर के वैज्ञानिक डॉ जयप्रकाश पाण्डेय, अमित रघुवंशी सहायक निदेशक रेशम सीतापुर, प्रमोद कुमार एसडीओ एवं सतीश कुमार, एएसडीओ राज्य रेशम विभाग उत्तर प्रदेश व बीरेन्द्र कुमार रेशम सहायक ने कृषकों की जागरूकता हेतु व्याख्यान दिया। साथ ही इस टीम ने तकनीकी के प्रदर्शन हेतु सीतापुर के राजकीय रेशम फार्म परसेंडी एवं आस पास के क्षेत्रों का भ्रमण किया, रेशम कृषकों से चर्चा की एवं रेशम से जुड़े लोगों से जानकारी एकत्र किया, रेशम कीटपालन के विषयों पर चर्चा किया। इसके साथ ही राज्य रेशम विभाग के अधिकारियों से "मेरा रेशम मेरा अभिमान" के तहत सीतापुर जनपद में रेशम उद्योग को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया ।

बाइक दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल पुलिस ने मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया

मांडर। मांडर-बुढ़मू मुख्य पथ स्थित दुमदुमया टोंगरी के पास एक सड़क दुर्घटना में 38 वर्षीय महावीर उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। वह मोटरसाइकिल से बुढ़मू की ओर जा रहे था, तभी एक ऑटो से उनकी टक्कर हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उन्हें मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। महावीर उरांव बुढ़मू के सोसाई गांव के निवासी हैं। इस तरह की घटनाएं अक्सर तेज गति और लापरवाही से होती हैं, और घायलों को समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बचाई जा सकती है।

डीडीसी ने तमाड़ व बुंडू में विकास योजनाओं की समीक्षा की

तमाड़। सोमवार को उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने तमाड़ एवं बुंडू में योजनाओं से संबंधित समीक्षात्मक बैठक पंचायत सचिवालय रड़गांव एवं कांची में की। जिसमे सभी प्रखंड एवं पंचायत कर्मी शामिल हुए। साथ ही धीमी कार्य प्रगति वाले पंचायत कर्मी को अंतिम चेतावनी देते हुए व्यक्तिगत अभिरूचि लेते हुए प्रगति लाने के दिशानिर्देश दिए गए। ससमय कार्य का निष्पादन नहीं करने वाले कर्मी को चिन्हित कर करवाई के लिए बीडीओ को निर्देश दिया गया। साथ ही डीडीसी ने क्षेत्र भ्रमण करते हुए योजना का जायजा लिया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बुंडू सह प्रखंड विकास पदाधिकारी तमाड़ सावित्री कुमारी, जिला परियोजना पदाधिकारी ऋतुराज, जिला समन्वयक अमित कुमार एवं अन्य मौजूद रहे।

मोबाइल छिनतई करते दो युवकों को लोगों ने पकड़ा किया पुलिस के हवाले

मांडर। टांगरबसली रेलवे स्टेशन पर दो युवकों ने एक मुसाफिर से मोबाइल छीनने की कोशिश की, लेकिन स्टेशन पर मौजूद लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रविवार सुबह 9 बजे की है, जब चुटिया निवासी रवि साहू ट्रेन से सफर कर रहे थे। दोनों युवकों को पकड़ने के बाद लोगों ने उनकी जमकर पिटाई की। मांडर थाना प्रभारी राहुल ने बताया कि दोनों युवकों को रेलवे पुलिस के हवाले किया जा रहा है, क्योंकि मामला रेलवे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस तरह की घटनाएं रेलवे स्टेशनों पर आम हैं, जहां यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा के लिए सतर्क रहना पड़ता है।

ठाकुरगांव में नदी से शव बरामद

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के बेड़वारी नदी से पुलिस ने सोमवार को एक अज्ञात क्षत-विक्षत शव बरामद किया है। थाना प्रभारी सिद्धांत ने बताया कि शव देखकर प्रतीत होता है कि दो से तीन दिनों से वह पानी में था। मृतक सफेद टीशर्ट और काला फुलपैंट पहने हुए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

रिश्वत मामले में हल्का कर्मचारी को सात साल कैद की सजा

रांची। एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने सोमवार को रिश्वत लेने से जुड़े 11 साल पुराने मामले में दोषी करार रांची शहर अंचल के तत्कालीन हल्का कर्मचारी आनंद खलखो को सात साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने उसे उक्त आरोप में 4 अगस्त को दोषी करार कर जेल भेज दिया था। उस पर जमीन का नामांतरण करने के एवज में 3 डिसमिल जमीन और 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग करने का आरोप था। अभियुक्त ने माधो उरांव से 3 डिसमिल जमीन लिखवा लिया था। 40 हजार रुपए की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत माधो उरांव ने एसीबी से की थी। एसीबी ने उसे 4 मार्च 2014 को रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसके घर से उस समय 9 लाख रुपए बरामद किया गया था। चार महीने जेल काटने के बाद हाईकोर्ट ने 11 जुलाई 2014 को जमानत की सुविधा प्रदान की थी, तब से वह जमानत पर चल रहा था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 9 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था।

करम पर्व 3 सितंबर को तैयारी पर की गई चर्चा

रांची। केंद्रीय सरना समिति की बैठक सोमवार को केंद्रीय कार्यालय, आरआईटी बिल्डिंग कचहरी परिसर में हुई। इसमें करम पर्व मनाने पर चर्चा हुई। समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा, करम आदिवासियों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। इस वर्ष 3 सितंबर को करम पूजा होगी। 4 को परना और 5 सितंबर को विसर्जन होगा। अखड़ा की साफ-सफाई, बिजली-पानी, शौचालय आदि सुविधा और व्यवस्था बनाने पर चर्चा हुई। मौके पर समिति के संरक्षक भुवनेश्वर लोहार, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष सत्यनारायण लकड़ा, महासचिव संजय तिर्की, सोहन कच्छप, पंचम तिर्की, सहाय तिर्की, विनय उरांव, ललित कच्छप सहित अन्य मौजूद थे।

तोरपा में बारिश से घर गिरा एक ही परिवार के चार घायल

तोरपा। प्रखंड के कसमार गांव में सोमवार की अहले सुबह जकरियस हेमरोम का कच्चा मकान धराशायी हो गया। वहीं घर का मलबा गिरने से चार लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, घटना के समय जकरियस की पत्नी फूलमनी भेंगरा चूल्हे पर खाना बना रही थी। दीवार गिरने से खौलते गर्म पानी के छींटे उस पर पड़ गए जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और पास में लेटी आठ वर्षीय बेटी अस्मिता भेंगरा और दो वर्षीय पुत्र अश्विन भेंगरा पर दीवार गिर गई। दोनों मासूम काफी देर तक मलबे में दबे रहे। बाद में दोनों को परिजनों ने मलबे से बाहर निकाला। दोनों मासूम को गंभीर चोट आयी है। वहीं जकरियस के पिता पतरस हेमरोम के पैर में चोट आई है। चारों का इलाज तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जकरियस खेती किसानी करता है। मकान गिरने से उसके सामने सिर छिपाने की समस्या उत्पन्न हो गई। साल भर पहले अबुआ आवास के लिए आवेदन दिया था, परंतु अभी तक आवास नहीं मिला है। इधर, प्रमुख रोहित सुरीन, मुखिया प्रतिमा तिड़ू अस्पताल जाकर घायलों से मिले और मदद का भरोसा दिलाया। दो और ग्रामीणों का घर बारिश से धराशायी तोरपा और आसपास के इलाकों में रविवार की शाम भारी बारिश हुई थी।

'वोट चोरी' के खिलाफ एनएसयूआई का पोस्टर अभियान

मांडर। एनएसयूआई झारखंड प्रदेश के निर्देश पर सोमवार को मांडर कॉलेज, मांडर कैंपस में 'वोट चोरी' के विरोध में पोस्टर लगाए गए। अभियान का नेतृत्व कॉलेज इकाई अध्यक्ष अमन शहजाद कॉलेज संयोजक अबुराफे ने किया। अमन शहजाद ने कहा कि यह पोस्टर सिर्फ़ विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि उन ताक़तों के लिए सीधी चेतावनी है संयोजक करता , अबू राफे ने कहा जो लोकतंत्र को चुराने की साज़िश कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा, "एनएसयूआई छात्र हित और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी। इस अवसर पर अरबाज अंसारी, सानिब अंसारी, सल्यार ख़ान सहित कॉलेज के कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

11 मवेशी के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रांची। लोअर बाजार थाने की पुलिस ने 11 मवेशी के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में इटकी निवासी मो सरवर हुसैन, आदिल राजा और छत्तीसगढ़ के मो मुस्तकीम साह शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की टीम कांटाटोली में सोमवार सुबह में गश्ती के दौरान पिकअप वैन को तेजी से जाते हुए देखा। पुलिस की टीम ने पीछा कर पिकअप वैन को पकड़ा। तलाशी के दौरान 11 मवेशी लोड था। पुलिस ने गाड़ी चालक समेत तीन को पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों तस्करों ने पुलिस को बताया कि वह मवेशी की तस्करी करते हैं।

भाजपा ने की लोकतंत्र की हत्या : आलोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल को गिरफ्तार करना भारतीय राजनीति के इतिहास का काला अध्याय है। यह लड़ाई न कांग्रेस बनाम बीजेपी की है, न सत्ता बनाम विपक्ष की है। यह भारत के हर नागरिक के संवैधानिक अधिकार, एक व्यक्ति, एक वोट की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की तानाशाही नीतियां जनता की आवाज को दबाने की साजिश कर रही हैं। मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी नाम, डुप्लिकेट एंट्रियां और गलत पते जोड़कर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है, जो सीधे-सीधे लोकतंत्र पर हमला है। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ वोट चोरी आंदोलन, जनता को जागरूक कर रहा है कि डिजिटल वोटर लिस्ट सार्वजनिक की जाए और उसका स्वतंत्र ऑडिट हो। बीजेपी के संरक्षण में चुनाव आयोग पारदर्शिता से भाग रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि सच्चाई सामने आ जाएगी।

भारत की शान | लापुंग के विद्यालयों में शान से लहराएगा तिरंगा

आज सभी स्कूलों में निकाली जाएगी शान से तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। हर घर तिरंगा अभियान के तहत लापुंग प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाडी, राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया, राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग सहित विभिन्न विद्यालयों में सोमवार को कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर बच्चों को तिरंगा के सम्मान की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने शपथ लिया कि हमारे देश का आन बान और शान का प्रतीक तिरंगा हर घर में लहराएगा। राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया में प्रधान शिक्षिका रेखा आरती कुजूर के नेतृत्व में तिरंगा के महत्व पर निबंध लेखन एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं दूसरी ओर राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय डाडी. के प्रभारी प्रधानाध्यापक सलीम सहाय तिग्गा ने बच्चों को तिरंगा के सम्मान की शपथ दिलायी। राजकीय मध्य विद्यालय लेटे, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय लतरातु, राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया सहित अन्य विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई। ककरिया मध्य विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश उरांव, सहायक अध्यापक मो समीउल्लाह हक के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने जमकर पैरेड का अभ्यास किया। लापुंग प्रखंड के पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग और सरसा स्थित पीएम श्री राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधान शिक्षक अमरेंद्र कुमार राय एवं बहादुर उरांव ने सोमवार को पैरेड के अभ्यास के दौरान बच्चों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं डीडीओ शिव प्रसाद महतो ने सभी विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों सहायक शिक्षकों एवं सहायक अध्यापकों को निर्देश दिया कि 12 से लेकर 14 अगस्त तक सभी विद्यालयों में जश्ने आजादी को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना है। इस मौके पर तिरंगा यात्रा भी निकल जाएगी। उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए।

रांची जीपीओ में बल्क बुकिंग सेवा ठप

रांची जीपीओ में बल्क बुकिंग सेवा पिछले कई दिनों से ठप पड़ी हुई है, जिससे ग्राहकों के साथ डाक विभाग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई, जब इंडिया पोस्ट की ओर से नए सॉफ्टवेयर आईटी 2.0 रोलआउट किया गया। गौरतलब है कि आईटी 2.0 के रोलआउट के बाद से लगातार डाकघरों में काम बाधित ही रह रहे हैं। कभी लिंक फेल तो अधिकांश समय सर्वर धीमा काम कर रहा है। इससे ग्राहकों के साथ-साथ डाक विभाग को भी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। बल्क बुकिंग सेवा का इस्तेमाल बैंक, बीमा कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा बड़ी मात्रा में पत्र, बिल, स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड डाक भेजने के लिए किया जाता है। यह सेवा रांची जीपीओ के राजस्व का बड़ा स्त्रोत मानी जाती है। सेवा बंद होने के कारण न केवल आम ग्राहकों को परेशानी हो रही है, बल्कि डाकघर की आय भी प्रभावित हो रही है।

सीमेंट मुहैया कराने का झांसा देकर बिल्डर से 4.45 लाख की ठगी, केस

रांची। हरमू प्रहलाद बिल्डर्स एंड एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालक नरेंद्रजीत सिंह से सीमेंट मुहैया कराने का झांसा देकर उनसे 4.46 लाख रुपए की ठगी कर ली गई है। नरेंद्रजीत सिंह ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। हरमू हाउसिंग कॉलोनी के रहने वाले नरेंद्रजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्हें बिल्डिंग के काम को लेकर सीमेंट की आवश्यकता थी। नरेंद्रजीत ने गूगल से नंबर निकालकर एक सीमेंट कंपनी को फोन किया। एक हजार सीमेंट के बैग की डिमांड की। बातचीत और रेट तय होने के बाद बिल्डर ने कंपनी के अधिकारी के बताए हुए एकाउंट में 2.39 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया। इसके बाद दो अगस्त को फिर से कंपनी का अधिकारी बनकर एक व्यक्ति ने फोन किया, कहा कि सीमेंट का बैग मुहैया कराने से पहले उन्हें रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

अखंड हरिकीर्तन के समापन पर जागरण का हुआ आयोजन

गायक ने भक्ति गीत गाकर श्रद्धालुओं को खूब झुमाया

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। महावीर मंदिर पारडीह में अखंड हरिकीर्तन के समापन पर रविवार की रात्रि भव्य जागरण का आयोजन किया गया । जिसका विधिवत उदघाटन मुख्य अतिथि आजसू के केंद्रीय सचिव सह निवर्तमान नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि रोशन कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मनोज कुमार महतो ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का विशेष महत्व है। क्योंकि जहां भी इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन होता है उस क्षेत्र में प्रभु की कृपा से खुशहाली आती है हा कि हमें अपने जीवन में थोड़ा समय भक्ति के लिए भी निकालना चाहिए। क्योंकि जीवन में सफल होने की लिए प्रभु की भक्ति जरूरी है । कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को एक दूसरे से मिलने का अवसर प्राप्त होता है जिससे भक्ति की भावना के साथ साथ भाईचारे को भी बढ़ावा मिलता है। जागरण में धनबाद की प्रसिद्ध जागरण मण्डली हेमंत दूबे की टीम ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत पेशकर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। मौके पर अध्यक्ष अजय कुमार महतो, सचिव आकाश कुमार महतो, कोषाध्यक्ष विनोद महतो, उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार महतो, उप सचिव सचिन चौधरी, उप कोषाध्यक्ष आदित्य कुमार महतो, दिलीप यादव, अनूप यादव, ईश्वर नाथ महतो, डमरलाल महतो, सेनालाल चौधरी, मीनू महतो, राजेंद्र महतो, फलेंद्र महतो, पुरन महतो, महेश महतो, रूपलाल महतो, चंद्रशेखर महतो, अमरलाल महतो, जगत महतो, करण कुमार महतो, भोला महतो, मनोज पांडे, राजन महतो सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे ।

मानपुर की टीम बनी फुटबॉल टूर्नामेंट की विजेता

विष्णुगढ़। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर कोनार डैम मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट की शुरुआत झारखंड के जननायक सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू, बाबा तिलका मांझी समेत झारखंड के कई वीर नायकों के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच में मानपुर की टीम ने गझंडी टीम को हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता एवं उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि झारखंड लोकतांत्रिक क्रान्तिकारी मोर्चा के केंद्रीय संगठन महासचिव महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही पटेल तथा विशिष्ट अतिथि बीस सूत्री उपाध्यक्ष छोटेलाल बेसरा ने ट्रॉफी, मेडल तथा मुर्गा देकर सम्मानित किया। सेमीफाइनल में पहुंची टीमों में गोंदलीटांड़ और अलकीलवा की टीमों को भी ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल से खिलाड़ियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूती मिलती है। कहा कि खिलाड़ियों के उत्साहवर्द्धन के लिए जेएलकेएम केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो 14 अगस्त को विष्णुगढ़ के सारुकुदर पहुंचेंगे। बीस सूत्री उपाध्यक्ष ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर हमें अपने आंदालनकारी पूर्वजों को याद करने और प्रेरणा लेने की जरूरत है। मौके पर साहेबराम हेंब्रम, मनोज बेसरा, बबलू बेसरा, टुनटुन हेंब्रम, अरुण बेसरा, भेखलाल हेंब्रम समेत कई लोग शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु के "सात कर्म" का पारंपरिक विधान पूरा किया

रामगढ़। स्मृति शेष-दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पारंपरिक श्राद्ध कर्म का सोमवार को सातवां दिन है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने परिजनों संग दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सोमवार को "सात कर्म" का पारंपरिक विधान पूरा किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मर्माहत हृदय से न सिर्फ एक बेटे का कर्तव्य निभा रहे हैं बल्कि दिवंगत "गुरुजी" के यादों को समेटे हुए अपने पैतृक गांव नेमरा से ही राजकाज की जिम्मेवारी का भी निर्वहन भी पूरी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। सीएम हेमंत सोरेन अपने कार्यक्रम को पूरी तरह पूरा कर रहे हैं।

चाय की चुस्कियों के बीच सांसद व विधायक ने जाना क्षेत्र का हाल कहा

समाधान की होगी पहल

नवीन मेल संवाददाता

- **दोनों नेताओं ने गंभीरता से उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया और उन्होंने इस पर कार्य करने की बात कही**

बरही । बीते संध्या स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल व स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव बरही चौक पर चाय की चुस्कियों के बहाने क्षेत्र का हाल जानने का प्रयास किया. इस दौरान नेताद्वय ने स्थानीय लोगों से भी बात किया. उनकी समस्याओं को सुना और समाधान के लिए ठोस पहल करने का आश्वासन दिया. इस दौरान व्याप्त गंदगी, अतिक्रमण, सरकारी कार्य में जनता को हो रही परेशानियों से भी अवगत हुए. इस दौरान उपस्थित लोगों ने सांसद व विधायक को बरही की ट्रैफिक व स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय की परेशानियों से भी अवगत कराया. जिसे दोनों नेताओं ने गंभीरता से लेते हुए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि लोगों को सुविधा पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। क्षेत्र का विकास करना और लोगों को सुविधा पहुंचनी चाहिए। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मंडल अध्यक्ष भगवान केसरी, पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी, विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, पूर्व जिप सदस्य अर्जुन साव आदि कई लोग मौजूद थे.

रोबिटिक्स ज्ञान से परिचित होने की ओर अग्रसर है विद्यार्थी

रोबोटिक्स शिक्षा विज्ञान और तकनीक का एक अनोखा संगम है : निदेशक

बरही । सीबीएसई एफिलिएटेड प्लस टू आईलेक्स पब्लिक स्कूल अपने विद्यार्थियों को हर संभव नई शिक्षा, तकनीक और पद्धति से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी कड़ी में विद्यालय रोबोटिक्स शिक्षा प्रारंभ करने की दिशा में अग्रसर होता दिख रहा है. जो संभवतः इस क्षेत्र के लिए पहला विद्यालय बनेगा. निदेशक डॉ शैलेश कुमार ने बताया कि प्रबंधन ने रोबोटिक्स शिक्षा को लेकर कई टूल्स की खरीदारी की जा चुकी है. जिसे आवश्यकतानुसार पूर्ण विकसित किया जायेगा. सोमवार को कई विद्यार्थियों ने रोबोटिक्स टूल्स का उपयोग कर रोबोट्स के उपयोग व उपयिगिताओं को जानने का प्रयास किया. रोबोटिक्स टूल्स का प्रयोग कर बच्चे काफी रोमांचित थे. निदेशक ने बताया कि रोबोटिक्स शिक्षा विज्ञान, इंजीनियरिंग और तकनीक का एक अनोखा संगम है. जो रोबोट नामक कंप्यूटरीकृत मशीनों की मदद से मानवीय क्रियाओं की नकल या प्रतिस्थापन करते हैं. जो बुनियादी व दोहराव वाले कार्यों को मनुष्यों की तुलना में अधिक दक्षता और सटीकता से करता है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोबोटों के पास विभिन्न उद्योगों में जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता होती है. रोबॉटिक्स शिक्षा के तहत विद्यार्थियों को रोबॉट की अभिकल्पना, उसके निर्माण व अभिप्रयोग के विज्ञान व तकनीक की जानकारियां मिलते हैं. जिसके लिए विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिकी, यान्त्रिकी और सॉफ्टवेयर के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता होती है. आईलेक्स की यह पहल इस क्षेत्र के लिए पहली पहल होगी. जो विद्यार्थियों को आज के आधुनिक व तकनीक से जोड़ने का काम करेगा. रोबोटिक्स शिक्षा की ओर बढ़ते कदम का अभिभावकों ने आईलेक्स प्रबंधन का स्वागत किया है.

श्रद्धांजलि देने नेमरा पहुंचे सांसद सीपी चौधरी व सांसद ज्योर्तिमय महतो

गोला। झारखंड की राजनीति और सामाजिक चेतना के पुरोधा रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। उनके निधन से सभी राजनीतिक पार्टी के सांसद, विधायक व नेता-कार्यकर्ता मर्माहत हैं। रविवार सुबह हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और शाम को गिरीडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व पुरुलिया के सांसद ज्योर्तिमय

महतो दिवंगत शिबू सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। इस दौरान सांसदों ने दिवंगत गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए कहा कि झारखंड की जनता सदैव उनके योगदान को याद रखेगी। साथ ही परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि ऐसे वक्त में परिवार के साथ खड़ा होना हर जनप्रतिनिधि का मानवीय कर्तव्य है। शिसांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर हमें ऐसे व्यक्तित्व को नमन करना चाहिए, जिन्होंने समाज और राज्य के लिए जीवन समर्पित कर दिया। शिबू सोरेन का जीवन और उनके सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों को संघर्ष की सीख देते रहेंगे। आज नेमरा गांव में प्रसिद्ध गायकार मुकुंद नायक समेत भारी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता, स्थानीय ग्रामीण और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्कूल की छात्राओं ने हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया

- **छात्राओं की माताओं को भी मंच पर आमंत्रित किया गया और माताओं ने फूल माला पहनाकर छात्राओं को उनकी जीत पर बधाई दी**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। सोमवार को श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल परिसर में विद्यालय की उन छात्राओं का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया जिन्होंने सीबीएसई ईस्ट जोन क्लस्टर में हॉकी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस टूर्नामेंट में छात्राओं की इस कामयाबी पर विद्यालय ने धूमधाम और गाजे बाजे के साथ उनका शानदार स्वागत किया। छात्राओं की माताओं को भी मंच पर आमंत्रित किया गया और माताओं ने फूल माला पहनाकर छात्राओं को उनकी जीत पर बधाई दी। ध्यातव्य है कि छात्राओं ने सीबीएसई ईस्ट ज़ोन क्लस्टर हॉकी प्रतियोगिता 2025–26, अंडर 14 में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कड़ी स्पर्धा के बाद छात्राओं ने बलिया में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल, कानपुर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस टीम का हिस्सा रहीं कैप्टन सुजाता तथा खिलाड़ी के तौर पर रिया सिंह राफिया अस्मिता पाल इशिका कौर अलीना, शालू, श्रेया, आराध्या, प्रसिद्धि, राज नंदिनी, हर्षा एवं स्नेहल। छात्राओं की इस कामयाबी पर पूरा विद्यालय भाव विभोर गया। विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह जी ने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए उनकी कामयाबी पर उन्हें ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेलकूद शिक्षा का अभिन्न अंग है। खेल भावना जीवन जीने की कला सिखाती है साथ ही अनुशासन भी सिखाती है। खेल से आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के स्पोर्ट्स विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्य श परमदीप सिंह कालरा तथा विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य—सरदार मनमोहन सिंह लांबा, सरदार सुरेंद्र पाल सिंह चंडोक, सरदार गुरदीप सिंह सैनी, सरदार सतिंदर सिंह होरा, सरदार रमन बेदी और सरदार करमजीत सिंह जग्गी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

तुर्कडीहा के ग्रामीण बिजली पोल के सहारे नदी करते हैं पार

आवागमन में परेशानी होने पर श्रमदान कर वैकल्पिक व्यवस्था की

नवीन मेल संवाददाता

- **यह गांव इन सुविधाओं से अभी भी कोसों दूर है। यदि कोई बीमार हो जाए तो खटिया पर बैठा कर नदी पार कर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जाता है**

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के शिलाड़ीह पंचायत अंतर्गत ग्राम तुर्कडीहा में अब तक विकास की किरण नहीं पहुंची है। ग्रामीण और नोनीहाल बच्चे जान जोखिम डालकर नदी पार करते हैं और रोजमर्रा की सामग्री व स्कूल जाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। आवागमन में हो रही परेशानी को देखते हुए ग्रामीणों ने श्रमदान कर बिजली पोल को ही आवागमन का सहारा नदी पार करने के लिए बना लिया है। विदित हो कि आदिवासी बाहुल गांव तुर्कडीहा आज अपनी दुर्दशा पर आंसु बहा रहा है। कभी शिक्षा का मिसाल रहा यह गांव पुरी तरह बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। जहां एक तरफ सरकार शिक्षा, सड़क ,स्वास्थ्य व आवास देने की दावे करती है, वहीं यह गांव इन सुविधाओं से अभी भी कोसो दूर है। यदि कोई बीमार हो जाए तो खटिया पर बैठा कर नदी पार कर इलाज के अस्पताल ले जाया जाता है। होलिक्रास संस्था ने इस गांव को आदर्श बनाने की पहल करते हुए रेशम किट पालन केंद्र खोलने का प्रयास किया था। लेकिन परियोजना खत्म होते ही गांव को विकास के नक्शे से हटा दिया गया। वहीं जंगली हथियों ने इस गांव में दर्जनों मवेशियों को पांच वर्ष पूर्व रौंद डाला था। हथियों का उत्पात में क्षति को देखने तत्कालीन उपायुक्त मनीष रंजन के द्वारा क्षेत्र भर्मण कर जायजा लिया गया था। दूसरी ओर नदी में बरसात के दिनों में अधिक पानी रहने के कारण चेक डेम की दिवार के सहारे बच्चे नदी पार कर स्कूल जाते है जिससे वर्षा में फिसलने और दुर्घटना की असंका बनी रहती है। वर्षा के दिनों प्रखंड मुख्यालय से सम्पर्क कट जाता है। इस निमित्त स्थानीय निवासी जॉन पीटर ने बताया कि हम लोग पुल बनाने की मांग को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों को आग्रह किए हैं लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिलता है। इसलिए इस बार हम लोग श्रमदान करके नदी पार करने के लिए विद्युत का पोल लगा दिए हैं। अंग्रेजी हुकूमत के समय अफसर शिकार के लिए तुर्कडीहा आया करते थे। उनके साथ रह कर गांव के लोग भी कैथोलिक धर्म की ओर झुक गये थे और 1988 से मिशीनरी की सक्रियता बढ़ गई।

वर्ष में एक बार फाइलेरिया की गोली जरूर खाएं : सीएस

- **यह अभियान 10 अगस्त से 25 अगस्त तक पूरे हजारीबाग में चलाया जाएगा**

हजारीबाग। जिले में राष्ट्रीय फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम के अंतर्गत को मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान का शुभारंभ रविवार को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला वीबीडी पदाधिकारी, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, जेपी केंद्रीय कारा के चिकित्सा पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने अभियान के बारे में लोगों को संबोधित करते हुए अपील की कि सभी लोगों को फाइलेरिया की गोली वर्ष में एक बार अवश्य खाना चाहिए ताकि हमारे शरीर में फाइलेरिया के कीटाणु पनप न सके। जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ. कपिल मुनि प्रसाद ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए यह अभियान अत्यंत जरूरी है। इसके तहत लक्षित जनसंख्या को डायइथाइलकार्बामज़ीन, अल्बेंडाजोल एवं आइवरमेक्टिन दवाओं का सुरक्षित सेवन कराया जाएगा। यह अभियान 10 अगस्त से 25 अगस्त तक पूरे हजारीबाग में चलाया जाएगा। इसमें 10 अगस्त को बूथ पर, 12 और 13 अगस्त को सभी स्कूलों में उसके बाद घर घर जाकर सभी लोगों को सहिया दीदी के माध्यम से दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग की अपील की। यह दवा सभी सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध है।उक्त कार्यक्रम में सिविल सर्जन कार्यालय, जिला मलेरिया कार्यालय, पिरामल फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। फोटो कैप्शन एएम 2 राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ करते सिविल सर्जन और अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

रामगढ़ सिख समाज का प्रतिनिधिमंडल नेमरा पहुंचकर दी दिशोम गुयु को दी श्रद्धांजलि

रामगढ़। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धाजलि देने के लिए रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान परमदीप सिंह कालरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नेमरा पहुंचा। गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित किया तथा प्रतिनिधिमंडल में आए सदस्यों ने भी गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात सिख समाज का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल का अभिवादन स्वीकार किया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने कहा हमने विनम्रता पूर्वक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कहा कि अगर कोई भी जिम्मेदारी आपके तरफ से हमारे समाज को दी जाती है तो हमारा समाज आपके साथ हमेशा से साथ खड़ा रहेगा। सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल में रामगढ़ गुरुद्वारा के महासचिव हरदीप सिंह होरा, रघुबीर सिंह छाबड़ा,जगजीत सिंह एल आई सी वाले, यश छाबड़ा ,कुलजीत सिंह होरा (नानक टेंट हाउस), करमजीत सिंह जग्गी, गुरुनानक स्कूल कमेटी के वाइस चेयरमैन बिट्टू सिंह चंडोक, पुष्पिंदरपाल सिंह छाबड़ा, ऑडिटोरियम कमेटी से अध्यक्ष जितेंद्र सिंह पवार, वाइस चेयरमैन परमजीत सिंह सैनी, अमरपाल सिंह आनंद शामिल थे ।

दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष से की शिष्टाचार मुलाकात

रामगढ़। दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सह जिला प्रवक्ता सुधीर मंगलेश ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। सुधीर मंगलेश ने कहा कि दुलमी प्रखंड के लोग सरकार की योजनाओं का लाभ पाने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन कई योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से इन मुद्दों पर शीघ्र पहल करने का आग्रह किया। विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो ने सभी विषयों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा आश्वस्त किया कि जनता के हित में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा, ताकि आम जनता को समय पर लाभ मिल सके। इस अवसर पर सुधीर मंगलेश ने विधानसभा अध्यक्ष के सकारात्मक दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा को लेकर समिति का किया गया गठन, दयानंद चौधरी बने समिति के अध्यक्ष

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के गंगपांचो में दुर्गा पूजा को धूमधाम से मनाने तथा सफल आयोजन कराने को लेकर एक बैठक आयोजित किया गया। इस निमित्त दर्जनों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। जिसमें पूजा समिति के अध्यक्ष और शोभा समिति के अध्यक्ष का चयन किया गया । बैठक में मुख्य रूप से पूजा को आकर्षक और बेहतरीन ढंग से मनाने को लेकर विचार विमर्श हुआ। इस अवसर पर सर्वसम्मति से अध्यक्ष दयानंद चौधरी,उपाध्यक्ष कामेश्वर नायक, सचिव राजेश रजक ,कोषाध्यक्ष जयश्री प्रसाद, उप कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, महासचिव गंगाधर साव, संयोजक इन्द्रदेव प्रसाद, नाटक समिति के अध्यक्ष युगल ठाकुर, उपाध्यक्ष जितेंद्र राणा, डायरेक्टर परमेश्वर प्रसाद एवं प्रदीप पंडित का चयन किया गया। मौके पर किशोरी प्रसाद चौधरी,प्रकाश महतो,परमेश्वर चौधरी,कामेश्वर नायक,दोलत तुरी,रविंद्र कुमार,मनोज चौधरी, इंद्रदेव प्रसाद,संतोष बाबु,मुन्ना प्रसाद,कुलदीप चौधरी, सतीश चौधरी,परमानंद चौधरी,मंटू कुमार,किशोर महतो, वजीर महतो,रामचंद्र प्रसाद,विनोद पासवान के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा का किया गया आयोजन

बरकट्ठा। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बरकट्ठा क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के नेतृत्व में गुरुवार सुबह 9:00 बजे किया जाएगा। इस निमित्त जानकारी देते हुए विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, अन्नपूर्णा देवी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ दिनांक 14 अगस्त 2025 (गुरुवार) को प्रातः 9:00 बजे बरकट्ठा से किया जाएगा। यात्रा का मार्ग बरकट्ठा चौक से गोरहर थाना, गुंजरा मोड़ होते हुए पुनः वापसी बरकट्ठा तक रहेगा। विधायक अमित कुमार यादव ने क्षेत्र के सभी नागरिकों, कार्यकर्ताओं और देशभक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगे के सम्मान और राष्ट्र गौरव को अभिव्यक्त करें। यह तिरंगा यात्रा न केवल देशभक्ति का प्रतीक होगी, बल्कि सामूहिक एकता और सद्भाव का सशक्त संदेश भी देगी।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की बैठक में दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि

कुजू। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन कुजू क्षेत्रिय कमेटी की एक आवश्यक बैठक रविवार को हुई। यूनियन के रीजनल सेक्रेटरी कुमार महेश सिंह के सांडी भरेचनगर स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित बैठक में क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं से मजदूर प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने निधन पर शोक संवेदना प्रकट की गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी समारोह स्थल में हुआ परेड का रिहर्सल

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में होने वाले परेड की तैयारी को लेकर सोमवार को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में उत्साहपूर्ण रिहर्सल आयोजित की गई।जिला प्रशासन की देखरेख में हुए इस अभ्यास में जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। परेड दस्तों ने निर्धारित क्रम में मार्च पास्ट और सलामी का अभ्यास किया।परेड कमांडरों ने अपने-अपने दस्तों को अनुशासन, चाल-ढाल और समय-समन्वय पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। रिहर्सल के दौरान बैंड पार्टी, राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति तथा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा पर भी फोकस किया गया।अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को समय-प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। जिले का फुल ड्रेस रिहर्सल आगामी 13 अगस्त को किया जाएगा।

उन्नति सूचकांक पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

यह पहल ग्राम पंचायतों की क्षमता वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगर भवन में पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त कंचन सिंह, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन और पौधा भेंट कर किया गया। इस अवसर पर जिले के पंचायत उन्नति सूचकांक पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।कार्यशाला में विभिन्न विभागीय पदाधिकारियों को सूचकांक के उद्देश्यों, मापदंडों और कार्यान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। जिले के उच्च प्रदर्शन करने वाले पंचायतों एवं प्रखंडों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई।उपायुक्त कंचन सिंह ने आगामी सूचकांक 2.0 में बेहतर परिणाम हेतु योजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्राम पंचायतों की क्षमता वृद्धि, सुशासन और सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, तथा पदाधिकारियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होनी चाहिए।उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से बैंक, महिला समूह, मनरेगा सहित अन्य योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और महिला समूहों के फंड का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा में पिछड़े पैरामीटर सुधारने, महिला मजदूरों की भागीदारी बढ़ाने, स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी और विद्यालयों की सुविधाओं की नियमित जांच करने पर जोर दिया।जिला पंचायती राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी ने बताया कि पंचायत उन्नति सूचकांक स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं पर केंद्रित है और 9 प्रमुख विषयों पर पंचायतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करता है, जो सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं। वर्ष 2022-23 के प्रदर्शन के आधार पर 6 श्रेष्ठ पंचायतों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर सिविल सर्जन, एलआरडीसी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया, प्रमुख, बीपीओ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

झारखंड प्रारंभिक विद्यालय आचार्य नियुक्ति को लेकर हुई जिला स्तरीय बैठक

सिमडेगा। झारखंड प्रारंभिक विद्यालय सहायक आचार्य (कक्षा 6 से 8, विषय - गणित एवं विज्ञान) के पद पर नियुक्ति हेतु सफल अभ्यर्थियों की जिला स्तरीय काउंसलिंग 12 अगस्त 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र , सिमडेगा में पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।इस संबंध में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला संपन्न हुई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिलेश केरकेट्टा और जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक राम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में काउंसलिंग प्रक्रिया से जुड़े सभी बिंदुओं की बिंदुवार समीक्षा की गई, जिसमें दस्तावेज सत्यापन, विभागीय प्रावधानों का अनुपालन और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन प्रमुख रहा। साथ ही काउंसलिंग स्थल पर अभ्यर्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की तैयारी की भी समीक्षा की गई।उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि काउंसलिंग की पूरी प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी होनी चाहिए और किसी प्रकार की चूक स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की सुविधा और सुचारू व्यवस्था के लिए सभी पदाधिकारी समय पर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं।ज्ञात हो कि यह नियुक्ति प्रक्रिया झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन संख्या 13/2023 के अंतर्गत आयोग द्वारा सफल घोषित और अनुशंसित अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जा रही है।

थानों में लोगों की सुनी गईं शिकायतें, पुलिस ने किया जागरूक

सिमडेगा। सामुदायिक पुलिसिंग "मोर पुलिस मोय पुलिस" के तहत जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सोमवार को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया।मुफस्सिल थाना अंतर्गत पिथरा, पाकरटांड़ थाना अंतर्गत केशलपुर, ओड़गा ओपी अंतर्गत कुटुंगिया एवं बोलबा थाना अंतर्गत पिड़ियापोंछ पंचायत में आयोजित इन कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी गईं।इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने मानव तस्करी, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, महिला उत्पीड़न, डायन प्रथा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों से समस्याओं से संबंधित कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

बानो: कीटनाशक पीने से महिला की मौत

बानो। प्रखंड के बेड़ाहोंजर गांव में सोमवार को कीटनाशक पीने से एक महिला की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, भुनेश्वर सिंह के परिवार में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी गुस्से में उनकी पत्नी श्रीमती कुमारी ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया।घटना के समय सास खेत में काम करने गई थी और पति लाह काटने के लिए घर से बाहर था। महिला घर पर अकेली थी। काफी देर बाद आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में देखा और पति को सूचना दी। भुनेश्वर सिंह घर पहुंचे और पत्नी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो ले जाया गया।

कुसुमबेड़ा में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया आदिवासी दिवस

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। प्रखंड के कुसुमबेड़ा में सोमवार को आदिवासी दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य अजय एक्का के संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने संविधान में निहित आदिवासी अधिकारों, सरकार द्वारा पारित जनहितकारी नियमों एवं योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सजग रहने का आह्वान किया।कार्यक्रम में आदिवासी वेशभूषा प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें पूर्वजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिधानों को पहनकर कुल 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, आदिवासी मौसमी नृत्य ने भी लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर 6 अखाड़ों में अलग-अलग दलों द्वारा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण उल्लासमय हो उठा।आदिवासी दिवस समारोह का सफल संचालन कुसुमबेड़ा के पल्ली पुरोहित की अगुवाई में कैथोलिक सभा अध्यक्ष विकटोर बरला, महिला संघ सभापति सुशीला सोरेंग एवं युवा संघ समिति सदस्य सुजाता के संयुक्त प्रयास से किया गया।

नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता ने जिले के खिलाड़ियों को दिया मंच : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जवाहर लाल नेहरू कप बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक भूषण बाड़ा ने बैलून उड़ाकर किया। इस दौरान विधायक हॉकी भी खेली। बालिका वर्ग के बीच हुए उद्घाटन मैच में सिमडेगा की टीम ने कस्तूरबा स्कूल कुरडेग को 6-0 गोल से हराकर अगले चक्र के प्रवेश किया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि नेहरू कप हॉकी टूर्नामेंट ने ही जिले के खिलाड़ियों को मंच दिया है। इसी प्रतियोगिता के दम पर जिले से हॉकी खिलाड़ियों को मंच मिलना शुरू हुआ और खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी पहचान बनाने लगे। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि सिमडेगा की बेटियों ने हर बार देशवासियों का सर गर्व से ऊंचा किया है। अब आपकी बारी है। आपको आगे बढ़ने के लिए हम कई अवसर देंगे। यह प्रतियोगिता भी उन्हीं अवसरों में से एक है। लेकिन याद रखें अवसर बार बार नहीं आता है। आप अवसरों का फ़ायदा उठाना सीखें। तभी आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। मौके पर डीईओ मिथिलेश केरकेट्टा, डीएसई दीपक राम, जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, यूथ कांग्रेस प्रदेश कमेटी के आकाश सिंह, नगर विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, और टीम के कोच व खिलाड़ी उपस्थित थे।

राहुल गांधी का वोट चोरी के लगाए आरोप का दिखाया गया वीडियो

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिला कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के "वोट चोरी" संबंधी वक्तव्य और आंकड़ों को वीडियो माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की ने की, जबकि संचालन जिला संगठन प्रभारी एवं विधायक भूषण बड़ा तथा कोलेबिरा विधायक नमन विकसल कोंगाडी की उपस्थिति में हुआ।वीडियो में राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के अंश दिखाए, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा, मध्यप्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में कथित "वोट चोरी" के तथ्य रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से फर्जी मतदाता, डुप्लिकेट नाम, फर्जी पते और फॉर्म-6 के दुरुपयोग के जरिए नतीजों को प्रभावित किया। बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने दावा किया कि 1,00,250 फर्जी वोट दर्ज हुए, जिससे कांग्रेस 32 हजार वोट से हार गई।

कनारोवा में करंट लगने से युवती की मौत, ग्रामीणों का बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के कनारोवा बेरगा टोली में सोमवार दोपहर करंट लगने से 17 वर्षीय रोशनी कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार रोशनी कुमारी घर के आंगन में बकरी के लिए पत्तियां लाने पेड़ पर चढ़ी थी। पेड़ के बगल से गुजरे 11000 वोल्ट के हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।परिजनों ने बताया कि करंट लगते ही वह पेड़ पर ही चिपक गई थी। घटना दोपहर करीब 1 बजे की है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई जगह पेड़ों की टहनियां बिजली के तारों से सटी हुई हैं, जिसकी शिकायत कई बार विभाग को देने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई।सूचना पाकर जिला परिषद सदस्य बीरजो कंडुलना और बानो प्रमुख सुधीर डांग घटनास्थल पहुंचे और परिजनों से मिलकर हरसंभव मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इधर समाचार लिखे जाने तक ग्रामीण शव को उठाने से इनकार करते हुए बिजली विभाग के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए थे।इधर, थाना प्रभारी सोनू कुमार के मौके पर पहुंचने के बाद ग्रामीणों को समझाया गया, जिसके बाद शव को पेड़ से नीचे उतारकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

शुभारंभ आदिवासी जनजातीय मंत्रालय के बने एकलव्य विद्यालय में सत्र की हुई शुरुआत

शिक्षा से आत्मनिर्भरता की राह खुलेगी : विधायक

- शिक्षा को आत्मनिर्भरता और गरीबी उन्मूलन का मुख्य साधन बताया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। शिक्षा और विकास के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए सिमडेगा के गरजा में एवं पाकरटांड के सोगड़ा में केंद्रीय आदिवासी जनजातीय मंत्रालय द्वारा बने एकलव्य आदर्श विद्यालय का सोमवार को बड़े शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक भूषण बाड़ा उपस्थित थे। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा, समरोम पौल तोपनो, आई.टी.डी.ए परियोजना निदेशक सरोज तिर्की, बीडीओ आदि मौजूद थे। विधायक ने फीता काटकर किया। इस दौरान पौधरोपण भी किया गया। मौके पर विविधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि एकलव्य विद्यालय का शुभारंभ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की मजबूत नींव रखने जैसा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह साधन है जिससे गरीबी का चक्र टूट सकता है और आत्मनिर्भरता की राह खुल सकती है। जब गांव में गुणवत्तापूर्ण विद्यालय होंगे, तो हमारे बच्चे पलायन करने की बजाय यहीं रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। विधायक ने अपने प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने कई स्कूलों में खेल मैदान, पीने के पानी, स्वच्छ शौचालय और गुणवतापूर्ण शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई है। आगे लक्ष्य है कि ग्रामीण शिक्षा का स्तर राज्य के किसी भी शहर से कम न रहे।विधायक ने कहा कि विद्यालय को आने वाले समय में ज्ञान, अनुशासन और सामाजिक बदलाव का केंद्र बनाने का संकल्प लें। विधायक ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि आज का दिन सिमडेगा और पाकरटांड के इतिहास में एक स्वर्णिम पन्ना जोड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय की स्थापना में विधायक भूषण बाड़ा जी की मेहनत, लगन और दूरदर्शिता निर्णायक रही है।

न्यूज बॉक्स

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश ने स्वदेशी हथियारों का दिखाया दम : रवि गुप्ता

केरसई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केरसई मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा डिवाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल से इंदिरा चौक होते हुए केरसई बाजार परिसर तक निकली। इसमें डिवाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल के बच्चे एवं भाजपा कार्यकर्ता "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" और "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे लगाते हुए तिरंगा यात्रा कर रहे थे।तिरंगा यात्रा के पश्चात जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से भारत के वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को याद किया जाता है।केरसई प्रखंड प्रभारी रवि गुप्ता ने कहा कि इस बार तिरंगा यात्रा पूर्ण रूप से वीर सैनिकों के नाम है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में अपने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तान के दांत खट्टे किए। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर द्वारा भारत में स्वदेशी निर्मित हथियारों का प्रदर्शन कर पूरे विश्व में भारत का सिर ऊंचा किया और यह साबित कर दिया कि भारत किसी भी मामले में किसी भी देश से कम नहीं है।मंडल अध्यक्ष मानकीलाल ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा से आने वाली पीढ़ी भी देशभक्ति से प्रेरित होती है।

स्वतंत्रता दिवस पर पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

बानो। भगवान बिरसा मुंडा खेल समिति, बानो के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पाँच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को धूमधाम से किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बानो प्रमुख सुधीर डांग, जिला परिषद सदस्य बीरजो कंडुलना, थाना प्रभारी सोनू कुमार, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिल लुगुन तथा भाजपा प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने कहा कि बानो के मैदान में बड़े स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहजनक है। उन्होंने खिलाड़ियों से आपसी प्रेमभाव और खेल भावना के साथ मैच खेलने का आग्रह किया। जिला परिषद सदस्य बीरजो कंडुलना ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित यह प्रतियोगिता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।मुख्य अतिथि सुधीर डांग ने बताया कि तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में भेजा है और उन्होंने सभी को 78वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने दर्शकों से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील की।उद्घाटन मैच अजय ब्रदर्स बरसलोइया और काल भैरव बानो की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें अजय ब्रदर्स ने 1-0 से जीत दर्ज की।कार्यक्रम में बिरसा मुंडा खेल समिति अध्यक्ष संतोष साहू, बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाईक, बीस सूत्री अध्यक्ष बिदेशिया बड़ाईक, डॉ. बिलखु महतो, आनंद कुमार, मो. साबिर, बिलु अग्रवाल, अशोक तिवारी, मो. तनु, महेश सिंह, अमित बडिंग, आनंद मसीह तोपनो, पिंटू साहू, प्रदीप कुमार, अरविंद साहू, कपिल सिंह समेत कई खेलप्रेमी मौजूद रहे।

बरसलोया में 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

कोलेबिरा। प्रखंड के ग्राम बरसलोया में हर साल की भांति इस साल भी महाप्रभु जगरनाथ स्वामी एवं महादेव मंदिर के प्रांगण मे 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जायेगा। और कृष्ण जन्मभूमि पर ग्राम बरसलोया गांव के लोग उपस्थित होंगे। वही पुजारी दिलीप पंडा,और लखेश्वर पंडा द्वारा विधि विधान से पूजा करवाई जाएगी।

बालक वर्ग में कोलेबिरा कदमडांड़ व बालिका वर्ग में रामपुर ने जीता खिताब

कोलेबिरा। कोम्बाकेरा के बसंत टांड़ मैदान में आयोजित स्वर्गीय मुनेश्वर सिंह स्मृति चार दिवसीय पुरुष-महिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 (सीजन-5) का समापन रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। बालक वर्ग के फाइनल में कोलेबिरा कदमडांड़ ने दोनिया (उड़ीसा) को 1-0 से हराकर चैंपियन का ताज अपने नाम किया, जबकि बालिका वर्ग में रामपुर की टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया।प्रतियोगिता का आयोजन कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी के सहयोग से किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि सुनील खड़िया, कांग्रेस जिला महासचिव फुलकेरिया डांग, कांग्रेस पश्चिम मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाड़ी, पूर्वी मंडल अध्यक्ष जोसेफ सोरेंग और कांग्रेस युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और फुटबॉल को किक मारकर फाइनल का शुभारंभ किया।मुख्य अतिथि ने कहा कि सिमडेगा जिला खेल के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है और युवा खेल के माध्यम से अपना करियर बना सकते हैं, इसके लिए मेहनत और संघर्ष आवश्यक है। रेफरी की भूमिका निलय प्रेम तिर्की ने निभाई। आयोजन में अध्यक्ष आनंद साहू, उपाध्यक्ष निर्मल टेटे, सचिव निलय प्रेम तिर्की, कोषाध्यक्ष पवन टेटे सहित कमेटी सदस्य और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

केलाघाघ पावर हाउस के पास बारिश के पानी से बना नदी ,जनप्रतिनिधि मौन

सिमडेगा। सिमडेगा शहर के केलाघाघ रोड स्थित पावर हाउस के पास बरसात का पानी सड़क पर इस कदर भर गया है कि वह नदी का रूप ले चुकी है। सड़क पर पानी और कीचड़ के कारण लोगों का पैदल चलना तो दूर, वाहनों का गुजरना भी मुश्किल हो गया है। पानी की अधिक मात्रा जमा होने से सड़क की पुरानी सतह पूरी तरह ढक गई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा हर समय बना रहता है। स्थानीय लोग रोज़ भय और परेशानी के बीच सफर करने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, सालों से यही स्थिति बनी हुई है, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं हो पाया।नाली और पुलिया होने के बावजूद उनका रखरखाव नहीं किया जाता, नालियां हमेशा जाम रहती हैं और कई जगह टूट चुकी हैं। नतीजतन, यहां तालाब जैसी स्थिति बनी रहती है। लाखों रुपये का राजस्व वसूलने वाली नगर परिषद इस पर ध्यान नहीं दे रही, और सिमडेगा के जनप्रतिनिधि भी मौन साधे बैठे हैं। हैरानी की बात है कि इसी जगह पर 22 सितंबर से दुर्गा पूजा का आयोजन होना है, और हर साल शांति समिति की बैठक में समस्या उठाए जाने के बावजूद हल नहीं निकलता। लापरवाही का आलम यह है कि पर्यटन स्थल केलाघाघ जाने वाला यह मुख्य मार्ग आज दयनीय हालत में है, और जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। इधर सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के सदर मोहम्मद ग्यास ने भी कहा कि कई बार इस मामले को लेकर आवाज उठाई गई, कई बार नगर परिषद सिमडेगा से मांग की गई ,लेकिन अभी तक किसी प्रकार से कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई जिसकी वजह से लोगों में नाराजगी है।

रामगढ़ के डॉ सुनील कुमार कश्यप को मिला संस्कृत गौरव रत्न सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। निरंतर संस्कृत के प्रचार प्रसार में लगे रहने के कारण उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू के प्रधानाध्यापक और संस्कृत भारती के प्रदेश विद्यालय प्रभारी डॉ सुनील कुमार कश्यप को संस्कृत दिवस के अवसर पर बोकारो के अय्यप्पा प्लस टू उच्च विद्यालय बोकारो में संस्कृत गौरव रत्न सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान झारखंड के 12 संस्कृत विद्वानों को बोकारो जिला में संस्कृत दिवस समारोह आयोजित कर प्रदान किया गया। बोकारो जिले में एक महीना से निरंतर कई तरह की संस्कृत की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही थी जिनमें 500 छात्र छात्राओं ने विभिन्न विद्यालयों से भाग लिया। बच्चे और शिक्षक व्यवस्थित तरीके से संस्कृत प्रतियोगिता में शामिल हुए। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में योगदान दिया। रांची के पृथ्वीराज सिंह और डॉ चंद्रा माधव सिंह को भी संस्कृत गौरव रत्न सम्मान प्राप्त हुआ। 12 विद्वानों को संस्कृत गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद सभी विद्वानों ने संकल्प लिया कि जिस तरह से हम सभी लोग संस्कृत के प्रचार प्रसार में तन मन धन से लगे हैं आने वाले दिन में भी इसी तरह का करते हुए संस्कृत का प्रचार प्रसार कर उसे जनभाषा बनाने का कार्य करेंगे। कहा कि संस्कृत भाषा को व्यवहारिक बनाने के साथ साथ इसके महत्व से सभी को अवगत करायेंगे। संस्कृत गौरव रत्न सम्मान पाने के डॉ सुनील कुमार कश्यप ने बताया कि मैं 1995 से संस्कृत भारती दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर संस्कृत भाषा के प्रचार प्रचार में निरंतर लगा रहता हूं। डॉ कश्यप ने बताया कि फिलहाल मैं संस्कृत में पीएचडी कर चुका हूं और एक सरकारी विद्यालय उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत हूं।

टाटीसिलवे में प्लास्टिक फैक्ट्री में चोरी, प्राथमिकी दर्ज

नामकुम। टाटीसिलवे के मानकीढीपा स्थित झारखंड प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड नामक फैक्ट्री के कार्यालय में घुसकर चोरों ने ढाई लाख रुपये चुरा लिया। घटना रविवार रात की है। इस संबंध में फैक्ट्री संचालक रवीन्द्र कुमार डिबड़ेवाल ने कार्यालय में ड्रावर का लॉक तोड़कर ढाई लाख रुपये चुराने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। टाटीसिलवे थाने में दिए आवेदन में डिबड़ेवाल ने बताया है कि वे रात में फैक्ट्री बंद होने के बाद अपने घर चले गए थे। सुबह उनके स्टॉफ ने सूचना दी कि कार्यालय खोलने पर सारा पेपर और सामान बिखरा पड़ा है। साथ ही ड्रावर का ताला टूटा है और उसमें रखा पैसा गायब है।

डिबड़ेवाल ने बताया है कि फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी में रात नौ बजे एक चोर कार्यालय में घुसते दिखाई दे रहा है। उन्होंने फैक्ट्री में एसआईएस कंपनी के सुरक्षा गार्ड पर संदेह जताते हुए बताया है कि पूर्व में भी ऐसी घटना हुई थी। इसके बाद तैनात गार्ड को सख्त चेतावनी दी गई थी, परंतु पुनः दूसरी घटना घट गई।

आईटीबी 40वीं वाहिनी ने तिरंगा अभियान में बाइक रैली निकाली

रांची। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की 40वीं वाहिनी की ओर से सोमवार को 'हर घर तिरंगा अभियान के क्रम में बाइक रैली निकाली गई। वाहिनी के समादेष्टा तेजभान सिंह के नेतृत्व में रैली की शुरुआत रिंग रोड में वाहिनी मुख्यालय से हुई। इसमें शामिल पदाधिकारी एवं हिमवीर पदाधिकारी बाइक और स्कूटी से शहर के विभिन्न मार्ग का भ्रमण करते हुए मेन रोड, अलबर्ट एक्का चौक पर पहुंचे। यहां समादेष्टा ने परमवीर अलबर्ट एक्का की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

न्यूज बॉक्स

विश्वविद्यालय ने जारी की परीक्षा केंद्र और प्रैक्टिकल परीक्षा की तिथि

बरही। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के तहत सत्र 2023-27 के तीसरे सेमेस्टर व यूजी स्नातक सेमेस्टर-3 के लिए परीक्षा और 2021-24 विशेष के लिए गाइडेंस व काउंसलिंग विषय के लिए प्रायोगिक परीक्षा की तिथि की घोषणा कर दिया है. इस संबध में विश्वविद्यालय ने पत्र जारी कर परीक्षा केंद्र भी निर्धारित कर दिए हैं. जारी सूचना के आधार पर रामगढ़ जिले के सभी महाविद्यालय के लिए परीक्षा केंद्र चितरपुर महाविद्यालय चितरपुर निर्धारित किए गए है. जहां 20 अगस्त को परीक्षा आयोजित किए जाएंगे. वही हजारीबाग और कोडरमा जिला के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग निर्धारित किए गए हैं. इस केंद्र पर 18 और 19 अगस्त को परीक्षा आयोजित किए जाएंगे.

सरकारी चालक के साथ हुए मारपीट मामले में दो युवक गिरफ्तार, पूछताछ जारी

बरही । चौपारण प्रखंड के एक सरकारी चालक मो जावेद के साथ हुई मारपीट मामले में बरही के दो युवकों को गिरफ्फतार किया गया है. उक्त जानकारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने दी. मामले को लेकर गिरफ्तार युवक से पूछताछ जारी है. गिरफ्तार दोनो युवक बरही के होटल संचालक विनय साहू के पुत्र बताए गए हैं. इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले के संबंध में छान बीन जारी है.

नशा मुक्ति को लेकर ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने चलाया जागरुकता अभियान

झरिया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जगजीवन नगर धनबाद के द्वारा अनुदीदी के नेतृत्व में सोमवार को राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति अभियान को लेकर आई एस एल स्कूल झरिया कतरास मोड़ मे जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत नाट्य मंचन किया गया। जिसमें संस्था से रवि गुप्ता, माधव झा, उदय चौहान, काकुली बहन, प्रिती बहन, निम्मी बहन, तंद्रा मोइत्रा, पुनम कुमारी, आलोक साव, रिया कुमारी ने बहुत उम्दा नाट्य मंचन किया। मौके पर प्रधानाध्यापक हेमंत ठाकुर, उपप्रधानाचार्य रीता शर्मा, अनिमेष चटर्जी, गौरव चटर्जी, तापस चटर्जी, बिरेंद्र रवानी, पिनाक भुषण ठाकुर अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे। सभी ने मिलकर नशा मुक्त भारत, नशा मुक्त धनबाद, नशा मुक्त झरिया, नशा मुक्त स्कूल कालेज, नशा मुक्त घर, नशा मुक्त मन, भारत माता की जय, वंदे मातरम का नारा लगाया और शपथ लिया कि भविष्य में किसी भी तरह नशा नहीं करेंगे और घर परिवार समाज में भी लोगों को प्रेरित करेंगे।

कार की चपेट में आने से मोटरसाइकिल चालक की हुई मौत

महागामा। महागामा अनुमंडल अंतर्गत बलबड्डा थाना क्षेत्र के गझनडा के समीप एक कार वाले ने मोटरसाइकिल में जोरदार धक्का मार दिया। इसके कारण मोटरसाइकिल चालक बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना बलबड्डा थाना प्रभारी को दी गई। सूचना पाकर थाना प्रभारी के द्वारा घायल को महागामा रेफरल अस्पताल भेजा गया, जहां मौजूद डॉक्टर सीमा होरो के द्वारा घायल का पूरी तरह जांच पड़ताल कर मृत घोषित कर दिया गया। मृत व्यक्ति की पहचान संजय मुर्मू,उम्र तकरीबन 25 वर्ष,पिता मिस्त्री मुर्मू,गोड्डा जिले के सुगाबथान का रहने वाला था।घटना के संबंध में बताया जाता है कि संजय मुर्मू किसी कार्य से अपनी मोटरसाइकिल से महागामा की ओर जा रहे थे। उसी क्रम में अचानक विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही कार ने जोरदार धक्का मार दिया।जिसके कारण यह घटना घटी।वही बताया जाता है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। वहीं घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई।सूचना पाकर परिजन आनन फानन में रेफर अस्पताल पहुंचे।साथ ही परिजन अस्पताल पहुंचकर संजय की मृत शरीर को देखते फूट फूट कर रोने लगे।साथ ही मृतक की पत्नी अपने पति के मृत शरीर को देखकर रोते रोते बार बार बेहोश हो रही थी।परिजनों ने बताया कि संजय काफी लंबे समय से बलबड्डा थाना क्षेत्र के लोचिनता अपने ससुराल में पत्नी के साथ रहता था।बताया कि मृतक के दो छोटे छोटे बच्चे है।बताया कि घर का इकलौता कमाऊ था।मेहनत मजदूरी करके घर का भरन पोषण करता था।इसके अचानक चले जाने से घर पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा है।

विद्युत शवदाह गृह निर्माण में करोड़ों खर्च, 6 साल बाद भी नहीं हुआ शुरू

जामताड़ा। जिले में करोड़ों रुपये खर्च करके बनाए गए विद्युत शवदाह गृह का उपयोग नहीं हो रहा है. नतीजा विद्युत शवदाह गृह, खंडहर में तब्दील हो रहा है. इसके प्रति न जनप्रतिनिधि संवेदनशील हैं और ना हीं प्रशासन. जामताड़ा में करोड़ों रुपये की लागत से अजय नदी के सतशाल घाट पर विद्युत शवदाह गृह का निर्माण कराया गया था. इसका उद्देश्य यह था कि शवों के दाह संस्कार करने में परेशानी कोई नहीं हो और लकड़ी के लिए बेवजह लोगों को भटकना न पड़े. जिसके बाद विद्युत शवदाह गृह का निर्माण कराया लेकिन 6 साल बीत जाने के बाद भी वह आज तक चालू नहीं हो पाया है. विद्युत शवदाह गृह का भवन देखरेख के अभाव में खंडहर में बदलता जा रहा है. आलम यह है कि भवन के चारों ओर झाड़ियां उग आई हैं. इसके साथ ही भवन की हालत जर्जर हो गई है. अजय नदी के किनारे सतसाल घाट पर शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है. लेकिन यहां शवों के दाह संस्कार के लिए लकड़ी की व्यवस्था तक नहीं है. स्थानीय लोग दाह संस्कार के लिए आसपास से लकड़ियों की व्यवस्था करते हैं. लेकिन दाह संस्कार के लिए जिला प्रशासन ने लकड़ियों की कोई व्यवस्था नहीं की है, जबकि विद्युत शवदाह गृह शुरू नहीं होने पर स्थानीय लोग इसे काफी दुर्भाग्यपूर्ण बता रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्युत शवदाह गृह चालू नहीं होने से, दाह संस्कार करने में परेशानी होती है. स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि जब तक विद्युत शवदाह गृह चालू नहीं हो जाता, तब तक उचित दर पर प्रशासन मुक्तिधाम में लकड़ी की व्यवस्था करे. अजय नदी सतसाल घाट पर विद्युत शवदाह गृह का निर्माण किया गया है.

साहिबगंज में गंगा नदी का रौद्र रूप, 1600 घरों में घुसा पानी

बाढ़ प्रभावित स्कूल दो दिन रहेंगे बंद

नवीन मेल संवाददाता

- **घरों के आसपास पानी भर जाने से स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है. दियारा क्षेत्र और शहर के कई स्कूलों में पानी घुस गया है**

साहिबगंज। गंगा नदी में आई बाढ़ को देखते हुए साहिबगंज में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के सभी स्कूलों को दो दिनों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश के अनुसार, आज 11 अगस्त और 12 अगस्त को स्कूल बंद रहेंगे. यह आदेश जिला शिक्षा विभाग द्वारा रविवार देर रात जारी किया गया है. गौरतलब है कि साहिबगंज में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. गंगा नदी में खतरे का निशान 27.25 मीटर निर्धारित किया गया है. जबकि सोमवार सुबह 6 बजे तक यह 28.62 मीटर मापा गया है जो खतरे के निशान से 1 मीटर 37 सेमी अधिक है. यानी गंगा अब एचएफएल (हाई फ्लड लेवल) की ओर बढ़ने लगी है. ऐसे में दियारा इलाका जलमग्न हो गया है और शहरी क्षेत्र में पानी घुस गया है. साहिबगंज नगर परिषद के 28 वार्डों में से 11 वार्ड बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं. लगभग 1600 घरों के लगभग 8000 लोग प्रभावित हुए हैं. घरों के आसपास पानी भर जाने से स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है. दियारा क्षेत्र और शहर के कई स्कूलों में पानी घुस गया है. इसे देखते हुए जिला शिक्षा विभाग ने स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है. दियारा क्षेत्र के जलमग्न होने से शहर के 11 वार्ड प्रभावित हुए हैं. सबसे ज्यादा प्रभावित वार्ड नंबर 13 हबीबपुर हुआ है. इस वार्ड के 400 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है. पानी घुसने से वार्ड नंबर 22 चानन गांव सबसे ज्यादा प्रभावित है. इसके अलावा वार्ड नंबर 2, 3, 4, 7, 11, 17, 18, 23, 24 के लोग प्रभावित हैं. शहर की भरतिया कॉलोनी में भी पानी घुस गया है. घरों में कमर तक पानी भर जाने के कारण लोगों ने चौक बाजार स्थित ए.एम.के. बड़ी धर्मशाला में शरण ली है. इस मोहल्ले में 104 कॉलोनियां हैं जो बाढ़ के कारण दूसरी जगहों पर चली गई हैं. "बाढ़ का पानी शहरी क्षेत्र में प्रवेश कर गया है. 28 में से 11 वार्डों के लगभग 1600 घर प्रभावित हुए हैं. लगभग 8000 की आबादी प्रभावित है. निरीक्षण किया जा रहा है. पानी भी दूषित हो गया है. आने-जाने में कठिनाई हो रही है. नावों की व्यवस्था की जाएगी. सभी को राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद के ईओ से बात की जाएगी." - बिरेश कुमार, सिटी मैनेजर, साहिबगंज नगर परिषद गौरतलब है कि झारखंड के साहिबगंज जिले से होकर गंगा नदी बहती है, जो सावन और भादो के महीने में भारी बारिश के दौरान उफान पर रहती है. गंगा नदी बक्सर से फरक्का तक बहती है. नेपाल से छोड़ा गया पानी सहायक नदियों कोसी नदी के माध्यम से गंगा में प्रवेश करता है, जिससे गंगा का रौद्र रूप और भी उग्र हो जाता है.

रोजगार सहित पांच सूत्री मांगों को लेकर मोर्चा ने निकाला जुलूस

नवीन मेल संवाददाता

चासनाला। विस्थापित ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सोमवार को झारखंड सरकार के नियमानुसार 75 प्रतिशत रोजगार देने, कांड्रा चासनाला में बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने, मेडिकल सुविधा देने सहित 5 सूत्री मांगों को लेकर सेल चासनाला कोलियरी का ट्रांसपोटिंग ठप कर एक दिवसीय बंदी कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी व प्रदर्शन किया। वही मोर्चा के नेतृत्व कर रहे अजित महतो, संजू महतो व कुमार महतो ने कहा कि पूर्व में मोर्चा ने प्रबंधन को 5 सूत्री मांग पत्र सौपा था। जिसमे स्थानीय को रोजगार देने, बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने, मेडिकल कैम्प लगाने, सीएसआर के तहत गांव का विकास करने, श्मशान घाट का सौंदर्यीकरण करने की मांग की थी। जिसपर प्रबंधन टालमटोल की नीति अपनाए हुए है। कहा कि चासनाला व टासरा प्रोजेक्ट में बाहरी मज़दूरों से कार्य लिया जा रहा है। जबकि स्थानीय युवा यहां बेरोजगार बैठे हुए हैं। कहा कि अपर कांड्रा में कई वर्षों से प्रबंधन ने बिजली के पोल को लगा दिया। परन्तु अबतक बिजली नही पहुची। जिससे ग्रामीण त्रस्त है। सीसीआर के तहत पैसों का बंदरबाट हो रहा है। मेडिकल में 36 लाख का बिल दिया गया। जिसकी जांच हो और मेडिकल कैम्प कबकब लगता हैं। इसकी जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध होनी चाहिए। कहा कि पूर्व में प्रबंधन द्वारा पूर्व में दाह संस्कार के लिए लकड़ी उपलब्ध कराई जाती थी जिसे बंद कर दिया गया। जिसे पुनः उपलब्ध कराया जाये। वही श्मशान घाट की सौंदर्यीकरण किया जाए। कहा प्रबंधन मोर्चा की मांगों पर सकारात्मक पहल नही करता है तो मोर्चा अनिश्चिकालीन चक्का जाम करने का काम करेगी। जिसकी सारी जिम्मेवारी प्रबंधन की होगी। मौके पर कुमार महतो, अजीत महतो, संजू महतो, श्रवण महतो, रंजीत महतो, विजय महतो, आनंद महतो, देव महतो, उमेश महतो, प्रिंस मंडल, सत्यजीत ओझा, उदय गोराई, राहुल, नितेश महतो, नवीन महतो, शिबू गोराई, आनंद आदि उपस्थित थे।

मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

महागामा। गोड्डा को लसीका फाइलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महागमा प्रखंड के लोगई पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि व कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त दीपक कुमार दुबे, गोड्डा सिविल सर्जन डॉ. सुभाष कुमार चंद्र, अंचलाधिकारी डॉ. खगेन महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनाराम हांसदा एवं चिकित्सा प्रभारी डॉ. खालिद अंजुम सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं विधायक प्रदीप यादव सहित सभी पदाधिकारी ने फाइलेरिया की दवाई खाई। विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि लसीका फाइलेरिया एक संक्रामक और गंभीर रोग है, जो मच्छरों के माध्यम से फैलता है और समय पर इलाज न मिलने पर स्थायी विकलांगता का कारण बन सकता है।जिले वासियों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आज से जिले के हर बूथ पर दवा की खुराक खिलाई जाएगी।

माल ढुलाई में अग्रणी रहने वाला धनबाद रेल मंडल पिछड़ा

आय के मामले में दूसरे स्थान पर रहा

नवीन मेल संवाददाता

- **जुलाई माह में 1695.476 करोड़ आय धनबाद मंडल का रहा है. जबकि बिलासपुर ने 1667.042 करोड़ की आय अर्जित की. वहीं, यात्री आय में भी धनबाद मंडल पीछे रहा**

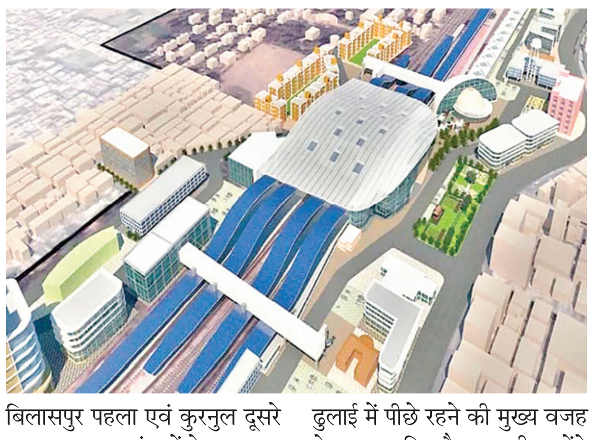

धनबाद। लगातार बारिश का असर रेलवे पर भी पड़ रहा है. हम बात कर रहे हैं धनबाद रेल मंडल की. धनबाद रेल मंडल माल ढुलाई में पूरे इंडियन रेलवे में हमेशा से पहले स्थान पर रहा है, लेकिन इस बार पहले पायदान से खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गया है. जुलाई माह के आंकड़ों के अनुसार धनबाद डिवीजन ने 13.64 मीट्रिक टन माल की ढुलाई की है. मंथली रिपोर्टिंग को लेकर डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने डीआरएम सभागार में मीडिया को जानकारी दी. डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने बताया कि जुलाई माह में धनबाद डिवीजन माल ढुलाई में तीसरे स्थान पर रहा. जबकि बिलासपुर पहला एवं कुरनुल दूसरे स्थान पर रहा. आंकड़ों के अनुसार, बिलासपुर 15.26 मीट्रिक टन, कुरनुल 14.55 मीट्रिक टन और धनबाद ने 13.64 मीट्रिक टन माल ढुलाई की है. अप्रैल से जुलाई तक के आंकड़ों के अनुसार, धनबाद 62.67, बिलासपुर 63.19 और कुरनुल का 57.31 है. वहीं, माल ढुलाई से होने वाली आय जुलाई माह में 1695.476 करोड़ आय धनबाद मंडल का रहा है. जबकि बिलासपुर ने 1667.042 करोड़ की आय अर्जित की. वहीं, यात्री आय में भी धनबाद मंडल पीछे रहा. डीआरएम ने बताया कि माल ढुलाई में पीछे रहने की मुख्य वजह बेतहाशा बारिश है. साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो तीन माह में धनबाद मंडल ने इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने पर काफी ज्यादा ध्यान दिया है. 2024 के जून महीने में टोरी एरिया में 70 मिलीमीटर बारिश हुई थी. जबकि जून 2025 में 701 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई है. जुलाई 2024 में 230 मिलीमीटर बारिश हुई थी. जबकि जुलाई 2025 में 519 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो कि दोगुने से भी ज्यादा है. माइनिंग एरिया में ज्यादा पानी ज्यादा भर गया है, जिसके कारण रेलवे साइडिंग तक माल नहीं पहुंच पा रहा है.

विश्वविद्यालय के गणित विभाग में विदाई व स्वागत समारोह का आयोजन

आप लोग अपने जीवन में अधिकतम ऊंचाइयों को प्राप्त करें : कुलाधिपति

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के गणित विभाग में स्वागत तथा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक प्रतिष्ठा तथा स्नातकोत्तर गणित विभाग के प्रथम सत्र में नामांकन लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। स्नातकोत्तर के सत्र 2023 -25 तथा स्नातक के 2022-25 के विद्यार्थियों को विदाई दी गई , समारोह में गणित विभाग विद्यार्थियों ने बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के छात्र कृष्ण कुमार ने किया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दीशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण समारोह सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उसके बाद विभाग के शिक्षकों तथा छात्रों के द्वारा केक कटिंग किया गया। तत्पश्चात स्वागत गान का आयोजन किया गया। स्वागत एवं विदाई समारोह के बच्चों को गुलाब का फूल एवं कलम देकर सम्मानित किया गया।स्वागत के बाद गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विजय कुमार पांडेय ने सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रथम सत्र में नामांकन लेने वाले छात्रों का स्वागत अभिनंदन तथा विदाई के लिए उपस्थित छात्रों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा यहाँ बिताए गए समय ने आपको न केवल ज्ञान दिया है, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण सबक भी सिखाए हैं। हमें विश्वास है कि आप अपने भविष्य में सफलता प्राप्त करेंगे और अपने सपनों को पूरा करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा बच्चों को अपने जीवन में अधिकतम ऊंचाइयों को प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने कहा हमें उम्मीद है कि आप अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे और समाज के लिए एक सकारात्मक योगदान देंगे। विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी , कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार ने भी कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया।

बारिश से बिगड़ी सड़कों की हालत कई दिनों तक घुटने भर जमा रहता है पानी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग । हजारीबाग में लगातार बारिश से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सड़कों की सूरत बिगड़ गई है। कई सड़कें कीचड़ से खराब हो गई है। इससे पैदल चलने में परेशानी होती है। खासकर एनएच 100 अब एनएच 522 हजारीबाग बगोदर हजारीबाग चतरा मार्ग मे लोगों को खासी परेशानी हो रही है। यह सड़क नगर निगम क्षेत्र के सिंघानी, लाखे, कोर्रा चौक, जिला परिषद चौक, इंद्रपुरी चौक से बाए मेन रोड, लेपो रोड, खिरगांव, कूद, रेवाली, कटकमदाग होते सिमरिया चतरा डाल्टनगंज मार्ग में मिल जाती है। नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करती ही लाखे मजार के पास बरिश के कारण सड़कों पर पानी और कीचड़ जमा हो गया है। कीचड़ और पानी के कारण फिसलन बढ़ गई है। आए दिन ऑटो चालक दोपहिया चालक फिसल कर घायल हो जा रहे हैं। वहीं हजारीबाग बगोदर मार्ग प्रवेश के समय लाखे मजार के पास खराब ड्रेनेज व्यवस्था के कारण सड़क पर एक से डेढ फीट पानी नाली का गंदा पानी जमा हो गया है। जो दुर्गंध भी दे रहा है। जल निकासी नहीं होने के कारण स्थिति बिगड़ गई है। कीचड़ और गंदा पानी के कारण सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। बगल में मजार है। वहीं आगे लाखे हरिहरधाम शिव मंदिर है। श्रद्धालु नगर निगम के अधिकारियों को कोसते हैं। जल जमाव के कारण श्रद्धालुओं की धार्मिक भावना भी आहत हो रही है। वहीं लाखे पहली और दूसरी गली में नाली नहीं रहने के कारण पैदल चलना मुश्किल है। सड़कों पर पानी बहता है। वही आगे मेन रोड में नाली नहीं है। इस कारण सड़क पर जलजमाव की स्थिति बन जा रही है।

सड़क जहां-तहां टूट रही है। आगे लक्ष्मी सिनेमा के आगे लेपो रोड के पास आगे का इलाका हजारीबाग कटकमदाग मार्ग से गुजरने वाले लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़कों पर कीचड़ और पानी जमा हो गया है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–शेखर पासवान,, उम्र करीब–54 वर्ष, रंग–गोरा, ऊँचाई–05 फीट, 06 ईंच, पहनावा–पिंक रंग का शर्ट एवं नीला रंग का पैंट हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति शेखर पासवान, पिता–स्व0 रामचन्द्र पासवान, नियर काली मंदिर, विष्टीपाड़ा, थाना–धनसार, जिला–धनबाद जो इन्हें मानसिक ईलाज हेतु ट्रेन से राँची लाने के क्रम में बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में मुरी ओ0पी0 सनहा संख्या–12/2025, दिनांक–11.03.2025 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉची। –9431770066

थाना प्रभारी मु0री0 ओ0पी0, रॉची। –8877257523

पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–
वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 359364 (Police)25-26*D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"कोई भी कार्य करने से पहले उसका परिणाम सोच लेना हितकर होता है, क्योंकि हमारी आने वाली पीढ़ी उसी का अनुसरण करती है।" - **छत्रपति शिवाजी महाराज जी**

संपादकीय

फिटनेस व टहलने का विकल्प

भारत में सभी प्रांतों में अलग अलग तरह के भोजन की परंपरा है और प्रायः एक स्थान से दूसरी कर्मस्थली में भी लोग वैसा ही भोजन प्रमुखता से लेना पसंद करते हैं जिससे कई बार समस्याएं भी होती हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोगों को गरिष्ठ भोजन तो पसंद है पर यह किसी को ध्यान में नहीं है कि पहले सारे काम स्वयं किए जाते थे और लंबी दूरी की कष्टकारी यात्रा सामान्य सी बात थी जिसके स्थान पर आज हर काम के लिए मशीन और यात्रा के लिए वाहन की आदत हमें मोटापे का शिकार बना रही है।टहलना सबसे आसान व्यायामों में से एक है, लेकिन सभी प्रकार की सैर (टहलना) समान रूप से प्रभावी नहीं होतीं। सोशल मीडिया पर खासी चर्चित 'जापानी वॉकिंग' (अंतराल या इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग) नामक एक विधि, एक साधारण सैर या यहां तक कि एक दिन में 8,000 या उससे अधिक कदम मध्यम गति से चलने की तुलना में अधिक लाभप्रद है। इस रणनीति की शुरुआत दो दशक पहले जापान के शिंशु यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन के व्यायाम विज्ञानी हिरोशी नाज के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन से हुई थी। यह देश दुनिया की सबसे बुजुर्ग आबादी वाले देशों में से एक है, और डॉ. नोज को उम्मीद थी कि शीर्ष एथलीटों द्वारा आजमाई जाने वाली अंतराल-प्रशिक्षण तकनीकों को बुजुर्गों पर लागू करके वह उनके स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं और देश की चिकित्सा लागत को कम कर सकते हैं। इंटरवल वॉकिंग व्यायाम का एक रूप है, जिसमें बारी-बारी से तेजी और आराम से टहलना शामिल है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को में प्राथमिक देखभाल खेल चिकित्सा के प्रमुख डॉ. कार्लिन सेंटर ने बताया कि उच्च तीव्रता अंतराल के बेहद पारंपरिक रूपों की तुलना में, सामान्य इंटरवल वॉकिंग कई लोगों के लिए अधिक सुलभ है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए, जिन्होंने कुछ समय से व्यायाम नहीं किया है या जो चोटों से उबर रहे हैं।इसके लिए आपको बस आरामदायक जूते, चलने के लिए सुरक्षित जगह और एक टाइमर की आवश्यकता है। डॉ. नाज धीमे अंतरालों की तुलना में तेज अंतरालों के दौरान लंबे कदम उठाने की सलाह देते हैं। वह आपकी बांहों को भी सक्रिय रखने, उन्हें कोहनियों से मोड़ने और हर कदम पर उन्हें जोर से हिलाने का सुझाव देते हैं, ताकि लंबे कदमों के दौरान सही मुद्रा बनाए रखने में मदद मिले। शोध के परिणाम बताते हैं कि सत्रों को दिन में तीन बार लगभग 10-10 मिनट के खंडों में विभाजित करना भी उतना ही प्रभावी हो सकता है। अगर आप कुछ समय से सक्रिय नहीं रहे हैं, तो धीमी गति से शुरुआत करें और धीरे-धीरे आगे बढ़ें। अगर तीन मिनट बहुत ज्यादा लग रहे हों, तो एक मिनट से शुरुआत करें और धीरे-धीरे आगे बढ़ें। समय के साथ, जैसे-जैसे आपकी फिटनेस में सुधार होगा, आप संभवतः तेज मुकाबलों के दौरान खुद को अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित कर सकेंगे। सबसे आसान है हर भोजन के बाद कम से कम सौ कदम पैदल चलना।

सोशल मीडिया पर खासी चर्चित 'जापानी वॉकिंग' (अंतराल या इंटरवल वॉकिंग ट्रेनिंग) नामक एक विधि, एक साधारण सैर या यहां तक कि एक दिन में 8,000 या उससे अधिक कदम मध्यम गति से चलने की तुलना में अधिक लाभप्रद है।

पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

जीवन विकास का मुख्य आधार शिक्षा और उस शिक्षा की मुख्य आधारशिला पुस्तकालय होते है, शिक्षा को सक्षम बनाने में विकसित पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। विश्वभर में पुस्तकालयों ने बेहतर विकास किया है, अब ई-पुस्तकें और सभी प्रकार के ई-साहित्य इंटरनेट के द्वारा हर जगह आसानी से उपलब्ध हो जाते है। डिजिटल व वर्चुअल पुस्तकालयों की मांग लगातार बढ़ रही है। हमारे देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान, महंगे निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों को बेहतर ढंग से विकसित कर पाठकों को सर्वश्रेष्ठ सेवा उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। सरकार भी शिक्षा और पुस्तकालयों के विकास के लिए सहायता कर रही है, फिर भी जनसंख्या और आवश्यकतानुरूप उन्नत पुस्तकालयों के मामले में हम काफी पिछड़े हुए है। आज के आधुनिक युग में तकनीकी रूप से बेहद नवीनतम संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में किया जा रहा है, ताकि पाठकों को बेहतर सुविधाओं का लाभ कम समय में सहज मिल सकें। अभी एआई क्रांति शुरू हुई है, जिसने पुस्तकालयों को भी प्रभावित किया है, अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग पुस्तकालयों को उन्नत बनाने में हो रहा है। देश में पुस्तकालय विज्ञान क्षेत्र के पितामह कहलानेवाले पद्मश्री डॉ. एस आर रंगनाथनजी की जयंती 12 अगस्त को "राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस" के रूप में मनाई जाती है। पुस्तकालयों का बेहतर विकास, सेवासुविधा और प्रत्येक पाठक और पुस्तक तक सहज पहुंच पुस्तकालय के न्यायसंगत नीति का निर्धार है। पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथनजी द्वारा दिए गए पुस्तकालय विज्ञान के पाँच नियमों का कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बेहतर ढंग से पालन किया जा सकता है। पुस्तकें उपयोग के लिए होती हैं, प्रत्येक पाठक को उसकी पुस्तक मिलनी चाहिए, प्रत्येक पुस्तक को पाठक मिलना चाहिए, पाठकों का समय बचना चाहिए और पुस्तकालय एक विकासशील संस्था है। ये नियम पुस्तकालयों की सुलभता, उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं और उनके विकासशील स्वरूप के महत्व पर ज़ोर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन पाँच नियमों का बखूबी पालन कर सकती है। आज के सूचना युग में हर पल डेटा का ज्ञानरूपी विस्फोट हो रहा है, उस ज्ञान का अत्यल्प समय में योग्य पाठक तक पहुंचना बेहद आवश्यक होता है, इसलिए अब तकनिकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ गयी है। बहुत से क्षेत्रों में अब एआई का उपयोग बेहद प्रभावशाली ढंग से किया जा रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना क्षेत्र में बदलाव ला रही है और पुस्तकालयाध्यक्षों के पारंपरिक कार्य को नया रूप दे रही है। शैक्षणिक और शोध पुस्तकालय अपनी सेवाओं और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों को अपना रहे है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका मुख्य साधन है। पाठकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सक्रिय नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनाना होगा। यह उन्नत तकनीक पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए नए मार्ग खोलेगी। नए नवोन्मेषी पदों और भूमिकाओं को संभालने, वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने और उन्हें अप्रचलित होने से बचाने में मदद करेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण पाठकों के लिए योग्य पुस्तकें, लेख और अन्य साहित्य सामग्री तेज़ी से ढूँढ़ना आसान बनाते हैं। मशीन लर्निंग के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताएँ शैक्षणिक पुस्तकालयों में व्यक्तिगत शिक्षण अनुभवों के द्वार खोलती हैं। उपयोगकर्ताओं के व्यवहार और प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके, पुस्तकालय व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर सुझाव और संसाधन तैयार कर सकते हैं। एआई साहित्यों के उपयोग पैटर्न का विश्लेषण करके और विशिष्ट संसाधनों की भविष्य की मांग का अनुमान लगाकर संग्रह विकास को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है। अनुक्रमण स्वचालन पाठकों को नई सामग्री खोजने, विशिष्ट और सटीक साहित्य सामग्री उपलब्ध कराकर और विभिन्न विषयों के बीच नेविगेट करने में भी एआई मदद करेगा, जो मैन्युअल अनुक्रमण के साथ आसानी से संभव नहीं है, जिससे पाठकों और कर्मचारियों का समय बचेगा। किसी एक विषय पर दस्तावेज़ों का मिलान करना या समान विषय, समाधान या घटना का वर्णन करने वाले अनुभाग जोड़ना संभव है। विषय से प्रासंगिक रूप से संबंधित हज़ारों दस्तावेजों की सामग्री की तुलना कर सकते हैं। दुनियाभर में इंटरनेट पर उपलब्ध साहित्यों में से एआई विषय अनुसार दस्तावेज को खोजकर उसका अध्ययन करके उसका डाटा पाठकों को जल्द प्रदान करता है। शोधपत्रों के वास्तविक पाठ पर आधारित एआई एल्गोरिदम वास्तविक शोध की बेहतर मानचित्रण प्रणालियाँ तैयार करेगा, जिससे शोधकर्ताओं के लिए यह सहायक साबित होंगे। किसी भी पुस्तक या लेखों का सारांशीकरण एआई की मदद से करना बेहद आसान प्रक्रिया है, बड़े-बड़े डेटा को यह छोटे-छोटे पैराग्राफ में उपलब्ध कर देता है। एआई साधन नई पुस्तक, पत्रिका या अन्य साहित्य प्रकाशित होने पर अलर्ट साथ ही पाठकों को विशिष्ट पुस्तकालय संसाधनों तक निर्देशित कर सकते हैं। बार-बार दोहराए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने की झंझट खत्म होगी, दुहराव रुकेगा, समय की बचत होगी। पुस्तकालय के काम में गुणवत्ता बढ़ेंगी। शोध का सत्यापन या पुनः प्रयोज्यता उसके पाठकों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ठोस और मान्य शोध ही है जो व्यापक पाठकों का हकदार है। पुस्तकालय प्रक्रियाओं और डिजिटल संसाधनों में मशीन लर्निंग को लागू करने से संग्रह विश्लेषण, विज़ुअलाइज़ेशन और संरक्षण को अनुकूलित किया जा सकता है और सेवाओं के प्रावधान से जुड़ी लागतों को कम किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण उन्नत खोज क्षमताएँ प्रदान करके, प्रासंगिक संसाधनों की अनुशंसा कर डेटा विश्लेषण में सहायता द्वारा छात्रों और शोधकर्ताओं की मदद होती है। पुस्तकालयों में वर्चुअल असिस्टेंट और चैटबॉट का उपयोग काफी सामान्य हो गया है, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर मार्गदर्शन होता है, इससे संबंधित कर्मचारियों का काम आसान हो गया है। एआई पुस्तकालय सेवाओं को बढ़ा सकता है और सतर्कता में सुधार कर सकता है, लेकिन यह एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह, डेटा सुरक्षा, कॉपीराइट संबंधी चिंताएँ और मानवीय संपर्क के संभावित विस्थापन के बारे में चिंताएं भी पैदा करता है। एआई से कोई भी तथ्य प्राप्त कर सकता है, लेकिन यह समझना कि उन तथ्यों का क्या अर्थ है, वे कैसे जुड़ते हैं, और क्या वे विश्वसनीय हैं, यहीं पर मानवीय विशेषज्ञता अमूल्य हो जाती है। एआई-संचालित स्वचालन पुस्तकालय कर्मचारियों और पाठकों के बीच मानवीय संपर्क को कम कर सकता है, जिससे पुस्तकालयों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यक्तिगत समर्थन और मार्गदर्शन पर संभावित रूप से असर पड़ सकता है। एआई का उपयोग गलत सूचना उत्पन्न करने और झूठ फैलाने के लिए भी होने की संभावना है, जिससे सूचना के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में पुस्तकालय की भूमिका को चुनौती मिल सकती है। विश्व में मोबाइल और कंप्यूटर क्रांति मनुष्य के विकास के लिए हुई, लेकिन इस तकनीक के नुकसान भी देखने मिल रहे है। आज साइबर क्राइम, सोशल मीडिया एडिक्शन, ऑनलाइन फेक पहचान, पैसे लगाकर खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम्स, असहज करने वाले भड़काऊ विज्ञापन, ई-अपशिस्ट, रेडिएशन इससे हर साल अरबों डॉलर का नुकसान होता है, साथ ही बड़ी मात्रा में जानमाल, अमूल्य स्वास्थ्य व पर्यावरण की हानि होती है। इसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भविष्य में होनेवाले दुरूपयोग या संकटों को भी नकारा नहीं जा सकता। एआई इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी में से ही सूचनाओं को आवश्यकतानुसार छानकर प्रस्तुत करता है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आज की बात

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

क्या तीनों देश एक पाले में आ सकते हैं?

अमरीका के रूस-विरोधी रवैये के मद्देनजर शीत युद्ध के आसार बन गए हैं। रूस और अमरीका के बीच 8 दिसंबर, 1987 को एक संधि हुई थी कि दोनों देश 500 किमी. से 5000 किमी. तक प्रहार करने वाली मिसाइलों को नष्ट करेंगे। रूस ने 38 साल पुरानी वह संधि रद्द कर दी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर जो 50 प्रतिशत टैरिफ थोपा है, उसका बुनियादी कारण रूस ही बताया है। अमरीकी राष्ट्रपति को रूस के साथ तेल और हथियारों के, भारत के कारोबार पर, घोर आपत्ति है। रूस ने न केवल टैरिफ बढ़ाने की निंदा की है, बल्कि अमरीका के साथ 38 साल पुरानी संधि भी तोड़ दी है। नतीजतन परमाणु युद्ध के खतरे की आशंकाएं बढ़ गई हैं। वैसे भी रूस के रडार पर सभी नाटो देश हैं। रूस उन पर कभी भी हमला कर सकता है। रूस के पास 16,000 किमी. तक हमला करने वाली बैलेस्टिक मिसाइलें भी हैं। अमरीका उनके प्रहार की परिधि में है। राष्ट्रपति को ट्रम्प पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान पर चिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि व्यापार और टैरिफ बदला लेने को नहीं होते। दूसरे देश भी पलटवार में ऊंचे टैरिफ लगा सकते हैं। अन्य देशों में नौकरियां जा सकती हैं और अमरीका में भी महंगाई के कारण अराजकता फैल सकती है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रम्प जिस सोच के तहत देशों के आयात पर टैरिफ थोप रहे हैं, उससे रातोंरात अमरीका एक बार फिर महान नहीं बन सकता। फैक्टरियां और कारखाने नहीं खुल सकते। अमरीका देखते ही देखते मैन्युफैक्चरिंग का गढ़ नहीं बन सकता। एक उदाहरण केले का ही लें। अमरीका ने 2024 में 28,000 करोड़ रुपए का केला आयात किया। उसमें भारत से सबसे अधिक आयात किया गया। अमरीका फल-सब्जियों, ऑटो पार्ट्स, दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर चिप्स, स्मार्ट फोन आदि के लिए भारत समेत अन्य देशों पर आश्रित है। किस-किस देश पर टैरिफ थोपेंगे? चीन को 90 दिनों की छूट क्यों दी गई है, जबकि अमरीका उसे सबसे बड़ा दुश्मन देश मानता है? अमरीका में 10 प्रतिशत लोग ही कृषि में नौकरी या काम करते हैं। कुल 2.21 करोड़ अमरीकी कृषि से जुड़े बताए जाते हैं। अमरीकी प्रशासन को 2025 में ही 3.65 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी किसानों को देनी पड़ी है। अमरीका इस घाटे को पाटना चाहता है, लिहाजा भारत को लगातार बाध्य कर रहा है कि वह कृषि और डेयरी उद्योग के क्षेत्र अमरीका के लिए खोल दे। भारत अनुमति नहीं देने पर अडिग है। भारत-अमरीका के बीच टैरिफ और व्यापार समझौते का मुख्य विवाद यही है। अब तो राष्ट्रपति ट्रम्प ने बयान दे दिया है कि जब तक टैरिफ का विवाद नहीं सुलझता, तब तक व्यापार समझौते पर वार्ता भी नहीं होगी। क्या व्यापार समझौता भी खटाई में पड़ गया है? बहरहाल रूस ने नाटो देशों के खिलाफ अपना बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात कर दी हैं और अमरीका ने भी परमाणु पनडुब्बियां सागर में उतार दी हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

राकेश दुबे

भारत के महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई अंतरराष्ट्रीय को नमन

भारत माता के महान सपूत जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया में देश का नाम ऊंचा किया ऐसे विक्रम अंबालाल साराभाई जैन का 12 अगस्त 1912 को जन्म हुआ था। जन्म दिवस के अवसर पर हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डॉ विक्रम साराभाई के नाम को अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता यह बात दुनिया को पता है की वह विक्रम साराभाई ही थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।आपका जन्म अहमदाबाद में श्री अंबालाल साराभाई के प्रतिष्ठित जैन परिवार में हुआ था। आपकी माता जी श्रीमती सरला साराभाई थी। आपकी माता सरला साराभाई ने प्रारंभिक शिक्षा मैडम मारिया मांटेसरी की तरह शुरू हुए पारिवारिक स्कूल में दिलाई। गुजरात कॉलेज में इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे सन 1937 में कैंब्रिज इंग्लैंड चले गए, जहां 1940 में प्रणमाकृतिक विज्ञान में ट्रायपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौट आए और बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे।जहां पर वह सी. वी. रमन के निरीक्षण में कॉस्मिक रेंज पर अनुसंधान करने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर वे कॉस्मिक रेज भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अपनी डॉक्ट्रेट पूरी करने के लिए कैंब्रिज लौट गए। सन 1947 में उष्णकटिबंधीय अक्षांश ट्रॉपीकल लैटीट्यूड्स मैं कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ विक्रम साराभाई को भारत के महान संस्थान निर्माता माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित लोकप्रिय संस्थानों में प्रमुख हैं भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला पीआरएल अहमदाबाद, भारतीय प्रबंध संस्थान आई आई एम अहमदाबाद, सामुदायिक विज्ञान केंद्र अहमदाबाद,दर्पण अकादमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुअनंतपुरम्, डॉ विक्रम साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। डॉक्टर विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तरीके थे, जिन्होंने अपने विचारों को संस्था में परिवर्तित किया। सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्थाओं के निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि ऐसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी, जो भी उनके संपर्क में आता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। धर्मपत्नी श्रीमती मृणालिनी साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने मंच कलाओं की सांस्कृतिक संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी बेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना बनी। डॉक्टर होमी जे भाभा की जनवरी 1966 में मृत्यु के बाद डॉक्टर साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छुपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि सम्मिलित हैं। भारत के महान वैज्ञानिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉक्टर विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम, तिरुअनंतपुरम् केरल में आसामयिक स्वर्गवास हो गया।इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरुअनंतपुर में स्थापित थुंबा एक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन टी आर एल एस और संबंधी अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदलकर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कर दिया गया। यह केंद्र एक प्रमुख भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के रूप में उभरा है। सन 1974 में सिडनी स्थित अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान संघ ने निर्णय लिया कि सीआफ सेरेनिटी पर स्थित बेसल नामक मून क्रेटर अब साराभाई क्रेटर के नाम से जाना जाएगा। डॉ विक्रम साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को भारतवासी हमेशा याद रखेंगे। उनका जीवन एवं अनुसंधान कार्य आज की युवा पीढ़ी के लिए निश्चित ही प्रेरणादायक है जन्मदिन पर हम डॉक्टर विक्रम साराभाई को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

विजय कुमार जैन

(जन्मदिन 12 अगस्त पर विशेष)

फेसबुक वॉल से

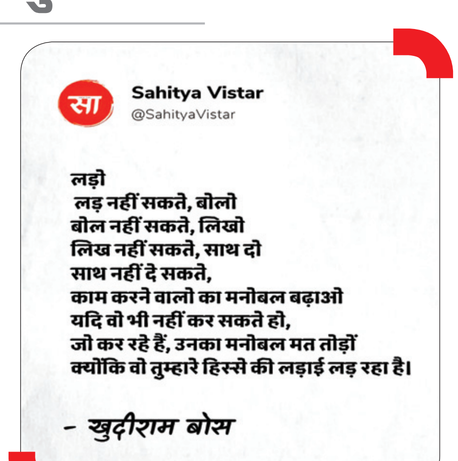

एक्स से

आज का दोहा

केरि, बेरि सब संग बढ़े, रक्खा उनको सींच।
टकराहट बढ़ने लगी, दिल, दिमाग के बीच।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

जलके समीप वृक्षारोपण : पद्मपुराण की अमर सीख

पद्मपुराण में एक अत्यंत प्रेरक संदेश मिलता है—"यस्तु रोपयते तीरे पुण्यवृक्षान् समीपतः। तस्य पुण्यफलं ज्ञातुं कथितुं नैव शक्यते॥ अन्यत्र रोपणं कृत्वा शाखिनां यत् फलम् भवेत। ततो जलसमीपे तु लक्षकोटिगुणं भवेत॥ स्वयं पुष्करिणीतीरे त्वनन्तं फलमश्नुते। जलानां निकटे रम्ये रसानां क्रयविक्रये। मार्गे जलाशये वृक्षन रोपयेद यो महाशयः।। अश्वत्थादीन समारोप्य स्वर्गं याति मनोरमम॥" अर्थ यह है कि जो व्यक्ति तालाब, नदी, कुएँ या झील जैसे जल स्रोतों के किनारे पुण्य देने वाले वृक्ष लगाता है, उसके पुण्य का अनुमान कोई नहीं कर सकता। साधारण भूमि पर लगाया गया वृक्ष सौ वर्षों तक फल देता है, किंतु जल के समीप लगाया गया वृक्ष लाखों-करोड़ों गुना अधिक फल और पुण्य देता है। अश्वत्थ (पीपल), वट (बरगद), नीम, आम जैसे वृक्ष जलाशयों के पास जीवनदायिनी भूमिका निभाते हैं और समाज के लिए चिरस्थायी आशीर्वाद बन जाते हैं।

हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले यह समझ लिया था कि जल और वृक्ष का संबंध अविच्छेद्य है। जल के पास वृक्ष लगाने से केवल छाया और फल ही नहीं मिलते, बल्कि यह जल के संरक्षण, मिट्टी की रक्षा और भूजल स्तर के संतुलन का सबसे बड़ा साधन है। वैज्ञानिक दृष्टि से, जल स्रोतों के समीप वृक्षों की गहरी जड़ें भूमि के कटाव को रोकती हैं, जल को धरती के भीतर संरक्षित करती हैं और आसपास के वातावरण में नमी बनाए रखती हैं। इसके कारण जलवायु भी संतुलित रहती है और सूक्ष्म जीव-जंतु, पक्षी तथा अन्य प्राणी वहाँ सुरक्षित जीवन व्यतीत करते हैं।

धार्मिक दृष्टि से, जलाशयों के पास वृक्ष लगाना एक यज्ञ के समान है। यह एक ऐसा पुण्यकर्म है जिसका फल व्यक्ति के जीवन के बाद भी समाज को मिलता रहता है। भारतीय संस्कृति में अश्वत्थ, वट और नीम को देववृक्ष माना गया है। इन वृक्षों के नीचे बैठना, इनके तले दान करना और इनकी छाया यात्रियों व पशुओं को उपलब्ध कराना महान धर्म माना गया है। यह केवल व्यक्तिगत पुण्य का विषय नहीं है, बल्कि सामूहिक कल्याण की परंपरा का हिस्सा है। सामाजिक दृष्टि से देखें तो प्राचीन गाँवों में तालाब या कुएँ के पास के वृक्ष केवल प्राकृतिक सौंदर्य के प्रतीक नहीं थे, बल्कि सामुदायिक जीवन के केंद्र थे। यहाँ ग्रामसभा होती, यात्री विश्राम करते, पशु-पक्षी पानी पीते, महिलाएँ पानी भरने के बाद छाँव में बैठकर वार्तालाप करतीं। यह स्थान केवल जल और वृक्ष का मेल नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों, संवाद और मेल-मिलाप का भी स्थल था। आज के समय में, जब जलवायु परिवर्तन, वर्षा की अनियमितता, जलस्रोतों का सूखना और वनों की कटाई जैसी समस्याएँ चरम पर हैं, तब पद्मपुराण का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। केवल वृक्षारोपण करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सही स्थान—विशेषकर जल स्रोतों के पास—लगाना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार लगाया गया एक पीपल, नीम या बरगद का वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए जल, छाया, वायु और जीवन का आधार बन सकता है। इसलिए आज आवश्यकता है कि हम अपने गाँवों, कस्बों और शहरों में हर तालाब, नदी, झील और कुएँ के किनारे कम से कम एक वृक्ष लगाएँ और उसकी देखभाल ऐसे करें जैसे वह हमारे परिवार का सदस्य हो। यह कार्य न केवल हमें धार्मिक दृष्टि से पुण्य देगा, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होगा। यही सच्ची सेवा, यही सच्चा धर्म और यही हमारी धरती माता के प्रति सर्वोत्तम भेंट है—क्योंकि जहाँ जल है, वहाँ जीवन है, और जहाँ जल के पास वृक्ष हैं, वहाँ जीवन सदा के लिए सुरक्षित है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

बोधार्थी रौनक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

लाल किले पर 79वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

इस बार 'खास मेहमान' बनेंगे सफाईकर्मी

एजेंसी। नई दिल्ली। इस साल 15 अगस्त को, भारत अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। यह दिन 1947 में ब्रिटिश शासन से मिली कड़ी मेहनत से हासिल हुई आज़ादी का प्रतीक है। पूरे देश में इस राष्ट्रीय पर्व को बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया जाता है।

लाल किले पर होगा मुख्य समारोह

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह दिल्ली के लाल किले में होता है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्र के नाम संबोधन के साथ होती है। यह अवसर हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। यह दिन हर भारतीय के मन में गर्व और एकता की गहरी भावना पैदा करता है।

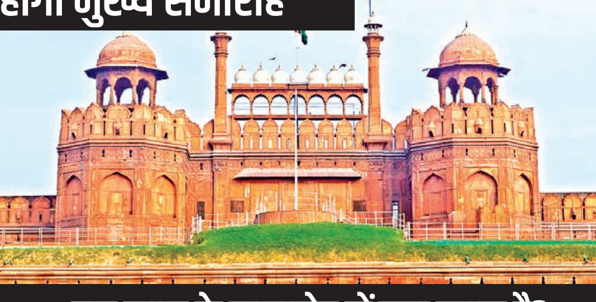

इस साल के समारोह में क्या खास है?

इस साल सरकार ने एक बेहद खास पहल की है। दिल्ली के 50 सर्वश्रेष्ठ सफाई कर्मचारियों को उनके जीवनसाथी के साथ लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह फैसला उनके सराहनीय योगदान और स्वच्छता के प्रति उनके समर्पण को सम्मान देने के लिए लिया गया है।

कृष्ण जन्माष्टमीः 13 वीं शताब्दी के इस मंदिर में प्रत्यक्ष नहीं होता

'बालकृष्ण' का दर्शन, 'नौ छिद्रों' वाली खिड़की से 'नंदलाल' को निहारते हैं भक्त

एजेंसी। उडुपी

श्री कृष्ण जन्माष्टमी (15-16 अगस्त) नजदीक आ रही है, जिसे लेकर कृष्ण भक्तों का उत्साह चरम पर है। देश भर में नंदलाल के कई मंदिर हैं, जहां तैयारियां जोरों पर हैं। ये मंदिर अपने आप में भक्ति के साथ आश्चर्य को समेटे हुए हैं। ऐसा ही एक मंदिर कर्नाटक के उडुपी शहर में स्थित है, जहां छोटी-छोटी खिड़कियों से नंदलाल के दर्शन होते हैं। दक्षिण भारत के इस मंदिर की वजह से शहर को 'दक्षिण का मथुरा' कहा जाता है, जो भगवान कृष्ण की अनूठी और मनमोहक मूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। यहां बालकृष्ण के रूप में स्थापित मूर्ति को सीधे नहीं, बल्कि 'नवग्रह किटिकी' नामक नौ छिद्रों वाली खिड़की से देखा जाता है। यह मंदिर अपनी अनूठी परंपराओं और कनकदास की भक्ति की कथा के लिए भी जाना जाता है। 13वीं शताब्दी में वैष्णव संत श्री माधवाचार्य द्वारा स्थापित यह मंदिर भक्ति और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। इस मंदिर की कई विशेषताएं हैं, जिनमें से एक उडुपी पर्याय उत्सव भी है, जो हर दो साल बाद मनाया जाता है। यह मंदिर के प्रबंधन को आठ मठों (पुट्टीगे, पेजावर, पलिमारु, अदामारु, शिरुर, सोधे, कृष्णपुरा और कनियुरु) के बीच हस्तांतरित करने का प्रतीक है। इस दौरान भगवान कृष्ण की मूर्ति को स्वर्ण रथ और ब्रह्म रथ पर सजाकर झांकी निकाली जाती है।

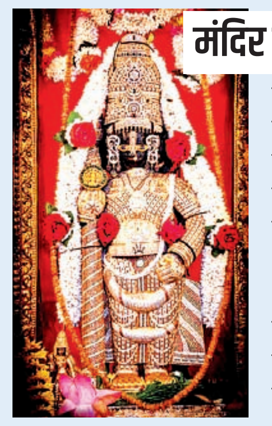

मंदिर की अनूठी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं

कर्नाटक पर्यटन विभाग के अनुसार, यहां बालकृष्ण की मूर्ति को भगवान कृष्ण की सबसे सुंदर मूर्तियों में से एक माना जाता है। मंदिर की सबसे खास बात है 'कनकना किंदी' या 'नवग्रह किटिकी', जो एक छोटी खिड़की है। इसके पीछे एक मार्मिक कथा छिपी है। किंवदंती के अनुसार, भक्त कनकदास, जो नीची जाति के थे, को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मंदिर की दीवार में एक छोटी दरार से भगवान से प्रार्थना की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान कृष्ण की मूर्ति ने पश्चिम की ओर मुड़कर उन्हें दर्शन दिए। आज भी भक्त इसी खिड़की से नंदलाल के दर्शन करते हैं। पास ही कनकदास मंडप में उनकी मूर्ति स्थापित है, जो उनकी भक्ति की गाथा को जीवंत रखती है।

एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग का दावा

अब तक किसी भी पार्टी ने मतदाता सूची पर दर्ज नहीं कराई आपत्ति

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि चुनावी राज्य बिहार में संशोधित मसौदा मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम जोड़ने या हटाने के संबंध में राजनीतिक दलों ने अभी तक कोई आपत्ति या दावा दर्ज नहीं कराया है, क्योंकि सोमवार सुबह 11 बजे तक ऐसा कोई दावा नहीं आया है। आज अपना दैनिक बुलेटिन जारी करते हुए, चुनाव आयोग ने कहा कि 1 अगस्त से 11 अगस्त तक, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के 1,60,813 से अधिक बूथ स्तरीय एजेंटों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के तहत गणना प्रपत्र एकत्र किए जाने के बाद तैयार किए गए मसौदा रोल पर कोई आपत्ति या दावा दर्ज नहीं किया है। हालांकि, इसी अवधि के दौरान 10,570 से ज्यादा मतदाताओं ने अपने दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कीं, जिनमें से 127 से ज्यादा आपत्तियों का निपटारा सात दिनों के बाद किया गया। चुनाव आयोग को 54,432 फॉर्म 6 भी प्राप्त हुए हैं, जो 18 वर्ष की आयु के बाद नए मतदाताओं के पंजीकरण से संबंधित हैं। चुनाव आयोग ने अपने दैनिक बुलेटिन में दोहराया है कि "एसआईआर के आदेशों के अनुसार, 1 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा सूची से किसी भी नाम को ईआरओ/एईआरओ द्वारा जांच करने और निष्पक्ष एवं उचित अवसर दिए जाने के बाद स्पष्ट आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता।

एसआईआर के खिलाफ BJP का तंज, धर्मेंद्र प्रधान बोले-

घुसपैठियों को मतदाता बनाकर वो राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं

एजेंसी। बिहार

बिहार में चल रहे और अन्य राज्यों में प्रस्तावित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बीच राहुल गांधी सहित कई नेताओं और सांसदों को हिरासत में लिया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को बैरिकेड्स कूदते हुए दिखाया गया, जबकि अन्य विपक्षी नेता संसद भवन से निर्वाचन सदन तक अपना मार्च जारी रखे हुए थे। विपक्ष के चुनाव आयोग मार्च पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पलटवार किया है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि INDI गठबंधन के लोग, विशेषकर कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी, जो आए दिन संविधान की दुहाई देते हैं। इन दिनों देश देख रहा है कि सबसे ज्यादा संविधान विरोधी काम अगर कोई कर रहा है, तो उसके सरगना भी राहुल गांधी ही हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर, चुनाव आयोग, चुनाव की प्रक्रिया आज दुनिया में सिद्ध व्यवस्था बन चुकी है। एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है। हर राज्य में, राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव आयोग की एक नियमित प्रक्रिया है कि मतदाता सूची को व्यवस्थित करने के लिए वो लगातार काम करता है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले EVM पर झूठ बोलती है, कभी महाराष्ट्र की उठाते हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया ब्लॉक का मार्च, सांसद बोले-

मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर विपक्ष का चुनाव आयोग पर हमला

एजेंसी। नई दिल्ली

● कांग्रेस, टीएमसी समेत कई दलों ने लोकतंत्र पर खतरे की आशंका जताई

विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के विरोध में मार्च निकाला और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस, टीएमसी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपनी नाराजगी जाहिर की और लोकतंत्र पर खतरे की बात कही। इन नेताओं ने अपने बयानों में चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए और इसे तानाशाही करार दिया। कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा, "पीएम मोदी के शासनकाल में किसी को भी अपनी आवाज बुलंद करने का हक नहीं है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया अलायंस तब तक लड़ता रहेगा, जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता। हरियाणा में आठ सीटों से हमारी सरकार चली गई थी। ऐसे ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हम दोबारा जीतने वाले थे, लेकिन उस हमारे पास सबूत-तथ्य नहीं थे, इसलिए हम चुप रहे। जब तथ्यों के साथ हमने बात की, तो हमें लगता है कि ये चुनाव बीजेपी ने जीता नहीं है। टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने भी चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा, "चुनाव आयोग को हम कई महीनों से कह रहे हैं कि वोटर तालिका में एक नंबर पर डुप्लीकेशन है। ममता दीदी ने फरवरी में नेताजी की प्रतिमा के सामने ये बात कही थी। राहुल जी ने प्रेसवार्ता करके कहा था कि अगर इलेक्शन कमीशन ने 2024 का चुनाव नकली वोटर्स के माध्यम से करवाया है, तो पहले प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाना चाहिए। उन्होंने सवाल पूछा कि आखिर आपने 2024 का चुनाव कैसे किया? लोकतंत्र में हमारा अधिकार है, हम जनता के प्रतिनिधि हैं। वोटों की चोरी हुई है, जो पूरी तरह से तानाशाही है, हम इसे नहीं मानेंगे। यह लोकतांत्रिक देश है। आप ऐसा करके नकली वोटर्स डालकर भाजपा के पक्ष में राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।" कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "पांच महीने में 50-50 लाख वोट जुड़ जा रहे हैं, ये कोई छोटी बात नहीं है। पूरा देश इस समय पूछ रहा है कि लोकतंत्र के नाम पर ये क्या हो रहा है?

चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने फिर साधा निशाना

मतदाता सूची विवाद में विपक्षी नेता हिरासत में

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र की हालत देखिए। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। वे डरे हुए हैं। अगर 300 सांसद आ गए और उनकी सच्चाई सामने आ गई तो क्या होगा? यह लड़ाई अब राजनीतिक नहीं रही। यह लड़ाई संविधान और एक व्यक्ति एक वोट के लिए है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने कर्नाटक में साफ तौर पर दिखा दिया है, यह मल्टीपल मैन, मल्टीपल वोट था। पूरा विपक्ष इसके खिलाफ लड़ रहा है। अब चुनाव आयोग के लिए छिपना बहुत मुश्किल होगा। चुनाव आयोग के नोटिस पर राहुल गांधी ने कहा कि यह उनका (चुनाव आयोग का) डेटा है। यह मेरा डेटा नहीं है जिस पर मैं (हलफनामे पर) हस्ताक्षर करूंगा... उस डेटा को अपनी वेबसाइट पर डालें और आपको पता चल जाएगा। यह सब सिर्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए है। यह सिर्फ बेंगलुरु में ही नहीं, बल्कि कई अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी हुआ है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से सबूत या माफ़ी मांगी

चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास वोट चोरी के अपने आरोप को साबित करने के लिए औपचारिक घोषणा पत्र जमा करने या देश से माफ़ी मांगने के लिए अभी भी समय है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से भारत के चुनाव आयोग के खिलाफ उनके "वोट चोरी" के आरोपों की जाँच के लिए दस्तावेज़ जमा करने को कहा। 10 अगस्त को लिखे एक पत्र में, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके पास 7 अगस्त की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से दस्तावेज़ हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि एक मतदाता शकुन रानी ने एक मतदान अधिकारी द्वारा दिखाए गए आंकड़ों के आधार पर दो बार मतदान किया। मतदान निकाय ने आगे कहा कि प्रारंभिक जाँच में, शकुन रानी ने दो बार मतदान करने से इनकार किया है। सीईओ कार्यालय ने यह भी पाया कि राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत किया गया टिक-मार्क वाला दस्तावेज़ मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था, जिससे दावे की प्रामाणिकता पर सवाल उठते हैं। कर्नाटक के सीईओ ने राहुल गांधी से अनुरोध किया कि वे अपने आरोप के आधार पर प्रासंगिक दस्तावेज़ उपलब्ध कराएं ताकि कर्नाटक चुनाव अधिकारियों द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।

मतदाता सूची में एसआईआर से विसंगतियां दूर हो सकती हैंः हिमंत

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में नदी घाटी क्षेत्रों और कई अन्य स्थानों की मतदाता सूचियों में मृत लोगों तथा अन्यत्र रहने वाले लोगों के नाम पाए गए हैं, जबकि इन इलाकों से 100 प्रतिशत मतदान की खबर होती है। उन्होंने रेखांकित किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से मतदाता सूची में ऐसी विसंगतियों को दूर किया जा सकता है। शर्मा ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा होना है। मुख्यमंत्री ने चिरांग में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'आप सभी जानते हैं कि असम में, चाहे वह 'चार' (नदी तट इलाके) इलाके हों या अन्य जगह, मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम भरे पड़े हैं। विवाहित बेटियों के नाम नहीं काटे गए हैं। फिर भी, उन जगहों पर 100 प्रतिशत मतदान होता है।' उन्होंने दावा किया, 'जब एसआईआर कराया जाएगा और मतदाता सूची में नामों का आधार संख्या के साथ मिलान किया जाएगा, तो ये समस्याएं सुलझ जाएंगी।' बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण का गांधी द्वारा विरोध किए जाने के सवाल पर शर्मा ने कहा, 'वह इस बारे में स्पष्ट नहीं हैं कि वह क्या चाहते हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग से कहना चाहिए कि वह मतदाता सूचियों को संशोधित करे और मतदाताओं के नाम को उनकी आधार संख्या से जोड़े ताकि एक व्यक्ति दो स्थानों पर वोट न दे सके। उन्होंने गांधी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'लेकिन उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश नुकसान नहीं झेल सकता : किरेन रिजिजू

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू विपक्षी सांसदों के बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ संसद भवन परिसर से चुनाव आयोग तक मार्च पर जमकर बरसे। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बिना नाम लेते हुए कहा कि एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश इतना नुकसान नहीं झेल सकता। किरेन रिजिजू ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, "कांग्रेस पार्टी और विपक्ष ने बहुत समय बर्बाद किया है। अब हम देश और संसद का समय और बर्बाद नहीं होने देंगे। सरकार महत्वपूर्ण विधेयक पारित करना चाहती है। आज हम लोकसभा और राज्यसभा दोनों में महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे। एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश इतना नुकसान नहीं झेल सकता।" रिजिजू के मुताबिक, "कई विपक्षी सांसदों ने भी आकर कहा कि वे असहाय हैं। उनके नेता उन्हें जबरदस्ती हंगामा करने के लिए कहते हैं। यहां संसद में चुनकर आए हैं, जनता की बात रखने के लिए। हर दिन, हम देश और संसद का समय एक मुद्दे पर बर्बाद नहीं होने देंगे, इसलिए हम महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे।"केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, "आज भी उन्होंने (विपक्ष ने) चुनाव आयोग जाने के लिए समय मांगा और चुनाव आयोग ने इंडी गठबंधन को प्रत्येक पार्टी से दो सदस्यों को भेजने के लिए कहा। 30 सदस्यों को बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं गए। इंडी गठबंधन में, वे उन 30 लोगों को तय नहीं कर पाए। अब, खड़गे कह रहे हैं कि सभी विपक्षी सदस्य वीआईपी हैं, तो क्या 150 लोग चुनाव आयुक्त के कमरे में प्रवेश करेंगे?

शिवराज ने राहुल पर लगाए राष्ट्र-विरोधी ताकतों से जुड़े आरोप

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को चुनाव आयोग पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। एक पोस्ट शेयर करते हुए, चौहान ने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। वह और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं।"राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

शिक्षा-इलाज आम लोगों की पहुंच से बाहर : मोहन भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने भारत में स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा की बढ़ती लागत और दुर्गमता पर चिंता व्यक्त की। किफायती कैंसर उपचार के लिए संगठन गुरुजी सेवा न्यास द्वारा स्थापित माधव सृष्टि आरोग्य केंद्र का उद्घाटन करने के बाद भागवत ने कहा कि आज शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। पहले ये दोनों काम सेवा के नाते किए जाते थे, लेकिन आज मनुष्य की सोच ने इसे कमर्शियल बना दिया है। कैंसर उपचार सुविधाओं में अंतर पर प्रकाश डालते हुए, भागवत ने बताया कि उन्नत देखभाल केवल आठ से दस भारतीय शहरों में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि मरीजों को इलाज के लिए बड़ी रकम खर्च करने और लंबी दूरी तय करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। स्वास्थ्य देखभाल चिंता का कारण नहीं बनना चाहिए। बचपन की एक घटना को याद करते हुए, भागवत ने कहा कि जब मुझे मलेरिया हुआ और मैं तीन दिनों तक स्कूल नहीं गया, तो मेरे शिक्षक मेरे इलाज के लिए जंगली जड़ी-बूटियाँ लेकर घर आए। वह चाहते थे कि उनका छात्र स्वस्थ रहे। इस तरह की व्यक्तिगत देखभाल की समाज को फिर से ज़रूरत है।" भागवत ने भारतीय परिस्थितियों में पश्चिमी चिकित्सा अनुसंधान को आंख मूंदकर लागू करने के प्रति भी आगाह किया और कहा कि अलग-अलग लोगों को अलग-अलग प्रणालियों से लाभ होता है, चाहे वह प्राकृतिक चिकित्सा हो, होम्योपैथी या एलोपैथी हो। उन्होंने कहा कि कोई भी एक तरीका सर्वोच्च नहीं हो सकता।

उद्घाटन समारोह | प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों के लिए 184 नए फ्लैटों का किया उद्घाटन

नई इमारतें भूकंपरोधी और आधुनिक सुविधाओं से लैस

● प्रधानमंत्री मोदी ने सांसद परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया

● श्रमिकों से मिले और उनके योगदान की सराहना की

एजेंसी। नई दिल्ली

● सांसदों के लिए कार्य और आवास की सुविधा एक जगह।

● परिसर में कार्यालय, स्टाफ आवास और सामुदायिक केंद्र भी शामिल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए बहुमंजिला फ्लैट का उद्घाटन किया। ये सभी फ्लैट टाइप-VII श्रेणी के हैं। यह कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे शुरू हुआ। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और किरेन रिजिजू भी शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आवासीय परिसर में सिंदूर का एक पौधा भी लगाया। इसके साथ ही वे वहां काम करने वाले श्रमिकों (श्रमजीवियों) से भी मिले और उनके योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, हर नया फ्लैट लगभग 5,000 वर्ग फुट के कारपेट एरिया में बना है। इन फ्लैटों का डिज़ाइन ऐसा है कि सांसद अपने घर से ही अपने आधिकारिक और सार्वजनिक कार्य आसानी से कर सकें। इस परिसर में सांसदों के आवास के साथ-साथ कार्यालय, कर्मचारियों के लिए आवास और एक सामुदायिक केंद्र भी शामिल है। यह सभी सुविधाएं मिलकर यहां रहने वालों के लिए एक आत्मनिर्भर वातावरण तैयार करती हैं। इसका बुनियादी ढांचा आधुनिक मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। सभी इमारतें भूकंपरोधी हैं और उनमें आधुनिक संरचनात्मक सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं। सिर्फ इमारतों की मजबूती ही नहीं, बल्कि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था भी बेहद मज़बूत और व्यापक है, जिससे सभी निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह परिसर सांसदों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, यह परिसर दिव्यांगजनों के लिए भी अनुकूल है, जो समावेशी डिज़ाइन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीमित ज़मीन की उपलब्धता को देखते हुए, भूमि का अधिकतम उपयोग करने और रखरखाव की लागत को कम रखने के लिए आवासों का निर्माण किया गया है।

दलीप ट्रॉफी की सभी टीमों की लिस्ट

- **साउथ जोन:** तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उप-कप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुरना विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैशाक, निधीश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, स्नेहल कौथंकर।
स्टैंडबाय: मोहित रेडकर, आर स्मरन, अंकित शर्मा, एडहेन एप्पल टॉम, आंद्रे सिद्धार्थ, शेख रशीद

- **ईस्ट जोन:** ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषि, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मोहम्मद शमी।
स्टैंडबाय: मुख्तार हुसैन, आसिरवाद स्वैन, वैभव सूर्यवंशी, स्वस्तिक सामल, सुदीप केआर घरामी, राहुल सिंह

- **वेस्ट जोन:** शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्य देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे, अर्जन नागवासवाला।
स्टैंडबाय: महेश पिथिया, शिवालिक शर्मा, मुकेश चौधरी, सिद्धार्थ देसाई, चिंतन गाजा, उर्वील पटेल, मुशीर खान

स्टार खिलाड़ियों के बीच होगी जंग

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नया घरेलू क्रिकेट सीजन 28 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से होगी। इस बार दलीप ट्रॉफी पुराने जोनल फॉर्मेट में खेली जाएगी। इस बार टूर्नामेंट में पहले की तरह 6 टीमें हिस्सा लेने वाली हैं। देश के तमाम बड़े खिलाड़ियों को नॉर्थ, साउथ, वेस्ट, ईस्ट, सेंट्रल और नॉर्थ ईस्ट जोन की टीमों में बांटा गया है। ये सभी मैच बेंगलुरु के नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। इस फर्स्ट-क्लास टूर्नामेंट में कई बड़े खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे जिनमें भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह और अभिमन्यु ईश्वरन शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेले थे। इसके अलावा श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ी भी वापसी करने के लिए बेताब होंगे। पिछला सीजन ये टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला गया था। लेकिन इस बार नॉकआउट मुकाबले भी होंगे। 2023 में हुए पिछले जोनल एडिशन के फाइनलिस्ट, साउथ जोन और वेस्ट जोन सीधे सेमीफाइनल में खेलेंगे। बाकी चार टीमें सेंट्रल, ईस्ट, नॉर्थ और नॉर्थईस्ट क्वार्टरफाइनल में भिड़ेंगी।

दलीप ट्रॉफी की सभी टीमों की लिस्ट

- **नॉर्थ जोन:** शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजुरिया, अंकित कुमार (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोटरा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, कन्हैया वाधवान।
स्टैंडबाय: शुभम अरोड़ा (विकेटकीपर), जस्करनवीर सिंह पॉल, रवि चौहान, आबिद मुश्ताक, निशंक बिरला, उमर नजीर, दिवेश शर्मा

- **सेंट्रल जोन:** ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सरंश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद।
स्टैंडबाय: माधव कौशिक, यश ठाकुर, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

नार्थईस्ट जोन की टीम का ऐलान नहीं हुआ है

क्वार्टरफाइनल का शेड्यूल इस प्रकार है

क्वार्टरफाइनल 1: 28-31 अगस्त, 2025: नॉर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन
क्वार्टरफाइनल 2: 28-31 अगस्त, 2025: सेंट्रल जोन बनाम नॉर्थईस्ट जोन
सेमीफाइनल 1: 4-7 सितंबर, 2025: साउथ जोन बनाम क्वार्टरफाइनल 1 का विजेता
सेमीफाइनल 2: 4-7 सितंबर, 2025: नॉर्थ जोन बनाम क्वार्टरफाइनल 2 का विजेता
फाइनल: 11-15 सितंबर, 2025: सेमीफाइनल 1 का विजेता बनाम सेमीफाइनल 2 का विजेता

पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज

निर्णायक होगा तीसरा वनडे

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच त्रिनिदाद में वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच खेला जाना है। सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीतने के बाद मेहमान टीम को अगले मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सीरीज का दूसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा, जिसमें पाकिस्तान ने 37 ओवरों में सात विकेट खोकर 171 रन बनाए। वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 35 ओवरों में 181 रन का टारगेट मिला, जिसे मेजबान टीम ने 10 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। पाकिस्तान को तीसरे वनडे मुकाबले में सलमान आगा और मोहम्मद रिजवान से बल्लेबाजी में उम्मीदें होंगी, जबकि गेंदबाजी का जिम्मा शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के पर होगा। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम कीसी कार्टी और शाई होप से बल्लेबाजी को मजबूती देने की उम्मीद करेगी, जबकि जेडन सील्स और रोस्टन चेज पाकिस्तान के बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

पाकिस्तान ने साल 1975 से अब तक वेस्टइंडीज के खिलाफ 139 वनडे मैच खेले, जिसमें वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी रहा है। पाकिस्तान की टीम अब तक

64 मैच जीत सकी है, जबकि वेस्टइंडीज के नाम 72 मुकाबले रहे। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ छह साल से भी ज्यादा समय बाद वनडे मैच जीता है। इससे पहले मई 2019 में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के विरुद्ध वनडे मैच सात विकेट से अपने नाम किया था।

वेस्टइंडीज की नजरें वनडे विश्व कप 2027 पर हैं। यह टीम साल 2023 में इस प्रमुख टूर्नामेंट में जगह बनाने से चूक गई थी। वेस्टइंडीज की टीमः ब्रैंडन किंग, इविन लुईस, कीसी कार्टी, शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, गुडाकेश मोटी, शमर जोसेफ, जेडन सील्स, जेदिया ब्लेड्स, रोमारियो शेफर्ड, ज्वेल एंड्र्यू, जोहान लेने और अमीर जंगू।

रिजवान को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी। त्रिनिदाद

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने भरोसा जताया कि उनके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर सीरीज़ 1-1 से बराबर कर दी। यह मैच सोमवार को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी मैदान में खेला गया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पाकिस्तान ने 37 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन बनाए। हसन नवाज़ और हुसैन तलत ने तीस-तीस रन की अहम पारियां खेलीं। बीच-बीच में बारिश रुकावट बनी। डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत वेस्टइंडीज़ को 35 ओवर में 181 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने 10 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। रोस्टन चेज़ और जस्टिन ग्रीव्स ने 72 गेंदों में नाबाद 77 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

चेज़ और ग्रीव्स ने पाकिस्तान के पार्ट-टाइम गेंदबाज सैम अय्यूब और सलमान आगा पर जमकर रन बनाए। दोनों ने अपने-अपने स्पेल में 33-33 रन दिए।

आईसीसी ने रिजवान के हवाले से कहा कि वह अभी यह तय नहीं कर पाए हैं कि ये दोनों खिलाड़ी फाइनल में खेलेंगे या नहीं, लेकिन अगर मौका मिला तो उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, “आज हमारे पांचवें गेंदबाज़ ने ज़्यादा रन दे दिए, लेकिन हाल के वर्षों में, सलमान आगा और सैम अयूब दोनों

इंग्लैंड से लौटे आकाश दीप

रोहतास। भारतीय क्रिकेटर आकाश दीप ने इंग्लैंड दौरे पर गेंद के साथ बल्ले से भी बेहतरीन योगदान दिया। इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की, जिसके बाद आकाश दीप अपने गृहनगर लौटे। रोहतास आगमन पर उनका भव्य स्वागत हुआ। फैंस ने आकाशदीप का स्वागत फूल-माला के साथ किया। कुछ लोग हाथ में तिरंगा लिए नजर आए। फैंस ने अपने इस हीरो के साथ सेल्फी भी ली। आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए थे। पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद आकाश दीप ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में छह शिकार किए थे। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने मैच 336 रन से जीता। इसके बाद लॉर्ड्स टेस्ट में आकाश दीप ने एक विकेट अपने नाम किया। ‘द ओवल’ में खेला गया पांचवां टेस्ट निर्णायक था, जिसमें आकाश दीप ने 2 विकेट लेने के अलावा 66 रन की जुझारू पारी भी खेली। आकाश दीप चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने भारत की दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल के साथ 107 रन की साझेदारी की।

रोहित शर्मा में अब भी भूख : कोच दिनेश

एजेंसी। नई दिल्ली

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड मानते हैं कि इस सलामी बल्लेबाज को वनडे विश्व कप-2027 में खेलना चाहिए। साल 2027 में वर्ल्ड कप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होगा।

रोहित शर्मा इस साल की शुरुआत में बतौर कप्तान भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिता चुके हैं। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया था।

आगामी वनडे विश्व कप में दो साल से ज्यादा का समय है। इस बीच भारत ने कई वनडे मैच खेलने हैं, लेकिन इस फॉर्मेट में रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

अनुभवी कोच ने रोहित को वनडे विश्व कप-2011 से बाहर किए जाने की घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज में अभी भी देश के लिए योगदान देने की ‘भूख’ और ‘दृढ़ संकल्प’ है।

लाड ने आईएएनएस से कहा, “रोहित शर्मा को वनडे विश्व कप-2027 में जरूर खेलना चाहिए। ट्रॉफी जीतना हमेशा से उनका सपना रहा है। हालांकि, वह 2011 की विजयी टीम का हिस्सा बनने से चूक गए। रोहित टीम का नेतृत्व करेंगे या नहीं, यह बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को तय करना है, लेकिन उन्हें विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए।”

रोहित शर्मा भारत के लिए 273 वनडे मैच खेले चुके हैं, जिसमें उन्होंने 32 शतक और 58 अर्धशतक के साथ 11,168 रन बनाए। उनके नाम इस फॉर्मेट में तीन दोहरे शतक लगाने का अनोखा रिकॉर्ड भी है।

विमेंस वर्ल्ड कप से पहले युवराज सिंह की सलाह, बोले-

उम्मीदों के बोझ तले न दबें खिलाड़ी

एजेंसी। मुंबई

पूर्व भारतीय स्टार युवराज सिंह ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को परिस्थिति के अनुसार खेलने और फैंस की भारी उम्मीदों के बोझ तले न दबने की सलाह दी है। भारतीय महिला टीम 30 सितंबर से शुरू हो रहे वनडे विश्व कप में ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है।

भारत को साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज सिंह सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां युवी ने कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को यह विश्वास रखना होगा कि वह अपने दम पर मैच

जीत सकता है।

युवराज सिंह ने कहा, “परिस्थिति के अनुसार खेलें, उम्मीदों के अनुसार नहीं। यह इतिहास रचने का एक शानदार मौका है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप शुरुआत से ही इसे जीतने के बारे में सोचते रहें। आपको इसका पूरा अनुभव करना होगा। आपको यह महसूस करना होगा कि आपने पूरी प्रक्रिया में मेहनत की है और परिणाम जरूर आएंगे।”

उन्होंने कहा, “अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, तो दबाव में होंगे, चीजें ठीक नहीं होंगी। ऐसे में अनुभव और आत्मविश्वास की जरूरत होती है। यह विश्वास होना चाहिए कि आप उस दिन अपने देश के लिए मैच जीतना चाहते हैं।”

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, “आप यह नहीं सोच सकते कि हरमन, स्मृति या जेमिमा मैच जिताएंगी। आपको यह विश्वास होना चाहिए कि आप हर मैच अपने दम पर जीत सकते हैं।”

वहीं, महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी खिलाड़ियों से टूर्नामेंट में अपना शत-प्रतिशत देने की बात कही।

व्यापार/लाइफ व साइंस

एयर इंडिया का ऐलान, 1 सितंबर से दिल्ली-वॉशिंगटन डीसी के लिए उड़ान सेवाएं बंद

एजेंसी। गुरुग्राम

एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की है कि वह 1 सितंबर से दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी के बीच सीधी उड़ानें अस्थायी रूप से बंद कर रहा है। यह फैसला कुछ संचालन से जुड़ी वजहों के चलते लिया गया है ताकि एयर इंडिया अपने पूरे रूट नेटवर्क की विश्वसनीयता बनाए रख सके।

यह सेवा रोकने का मुख्य कारण एयर इंडिया के बेड़े में विमान की अस्थायी कमी है। एयर इंडिया ने पिछले महीने 26 बोइंग 787-8 विमानों का रीफिटिंग (नई सजावट और सुविधाएं) कार्यक्रम शुरू किया है। इस बड़े बदलाव का मकसद यात्रियों को बेहतर अनुभव देना है, लेकिन इसके कारण कई विमान लंबे समय तक सेवा से बाहर रहेंगे। यह प्रक्रिया 2026 के अंत तक जारी रहेगी। इसके अलावा, पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के अब भी बंद होने से लंबी दूरी की उड़ानों का रूट लंबा और जटिल हो गया है, जिससे संचालन में और दिक्कतें आ रही हैं। जिन यात्रियों ने

1 सितंबर 2025 के बाद वॉशिंगटन डीसी के लिए एयर इंडिया से टिकट बुक किए हैं, उन्हें एयर इंडिया की तरफ से संपर्क किया जाएगा। उन्हें अन्य विकल्प दिए जाएंगे, जिसमें दूसरी उड़ानों पर बुकिंग या पूरा रिफंड जैसा ऑप्शन शामिल है। एयर इंडिया वॉशिंगटन डीसी के लिए सीधी उड़ान बंद कर रही है, लेकिन यात्री अब भी एयर इंडिया के चार अमेरिकी गेटवे (न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को) से एक स्टॉप के साथ यात्रा कर सकते हैं। इन रूट्स पर एयर इंडिया की साझेदारी अलास्का एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस और डेल्टा एयर लाइंस के साथ है, जिससे यात्रियों को एक ही टिकट और सीधे गंतव्य तक चेक-इन बैगेज की सुविधा मिलेगी।

मिनिमम बैलेंस पर फैसला लेने का अधिकार बैंकों का अपना : आरबीआई

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नॉन सैलरी अकाउंट के लिए मिनिमम बैलेंस लिमिट को लेकर सोमवार को कहा कि मिनिमम अमाउंट को लेकर निर्णय बैंकों द्वारा लिया जाएगा क्योंकि यह फैसला किसी भी नियामक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत नहीं आता है। आरबीआई गवर्नर की ओर से यह बात आईसीआईसीआई बैंक द्वारा मिनिमम एवरेज बैलेंस बढ़ाए जाने के बाद कही गई है। सोमवार को गुजरात में एक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के साइडलाइन में मीडिया द्वारा आईसीआईसीआई बैंक के नए नियमों को लेकर आरबीआई की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, “केंद्रीय बैंक ने मिनिमम एवरेज बैलेंस तय करने का काम बैंकों पर छोड़ दिया है।” उन्होंने आगे कहा कि कुछ बैंकों ने इस सीमा को 10,000 रुपए तय किया है तो वहीं कुछ बैंकों ने ग्राहकों के लिए इस सीमा को 2000 रुपए रखा है। हालांकि, बहुत से ऐसे भी बैंक हैं, जिन्होंने अपने ग्राहकों के लिए इसे पूरी तरह से हटा दिया है। उन्होंने कहा “यह फैसला रेगुलेटरी डोमेन में नहीं आता है।” भारत के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक की ओर से हाल ही में सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस रखने पर नए नियम लागू किए गए है। बैंक की वेबसाइट पर जारी नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, मेट्रो और शहरी क्षेत्रों के नए ग्राहकों के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस 10,000 रुपए से बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दिया गया है। बैंक के नए नियम इस महीने 1 अगस्त से लागू हो चुके हैं। हालांकि पुराने ग्राहकों के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस 10,000 रुपए ही रहेगी। अर्ध-शहरी क्षेत्रों

डिजिटल लिटरेसी की ओर बढ़ाएं अपने कदम : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को महिला सशक्तीकरण और डिजिटल लिटरेसी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित गोजरिया गांव में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की ओर से आयोजित केवाईसी अपडेट एवं जन सुरक्षा संतृप्ति कार्यक्रम में पहुंचे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई है कि यहां के लोगों ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम किया है। महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, “यहां महिला को सरपंच बनाया गया है, जो कि महिला सशक्तीकरण की एक मिसाल है।” उन्होंने सभी से डिजिटल साक्षरता की ओर अपने कदम बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा, “जैसा कि पहले कहा जाता था कि अगर आप पढ़ेंगे नहीं तो बढ़ेंगे नहीं, ठीक यही बात आज के समय में ‘डिजिटल लिटरेसी’ पर लागू होती है। क्योंकि डिजिटल लिटरेसी के बिना आपकी शिक्षा अधूरी है।” उन्होंने आगे बताया कि डिजिटल लिटरेसी के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक दोनों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यूपीआई की बढ़ते महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि एक क्लिक में आप दूर दराज के गांव में भी आसानी से पैसे भेज सकते हैं।

एफआईआई की वापसी से भारतीय शेयर बाजार में उछाल

एजेंसी। मुंबई

पिछले कारोबारी सत्र की गिरावट के बाद सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी के बीच भारतीय शेयर बाजार लगभग 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

एफआईआई की वापसी, पहली तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सकारात्मक नतीजों और व्यापक बाजार में खरीदारी ने तेजी के रुझान को बढ़ावा दिया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी किए गए मजबूत म्यूचुअल फंड प्रवाह आंकड़ों ने भी आखिरी कारोबारी घंटों में बाजार की गति को बढ़ाया। सेंसेक्स 746.29 अंक या 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,604.08 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला सूचकांक पिछले सत्र के 79,857.79 के बंद स्तर के बाद शुरुआत में फ्लैट रहा। बाद में, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की वापसी और जुलाई के मजबूत म्यूचुअल फंड प्रवाह आंकड़ों के बीच सूचकांक में कुल मिलाकर भारी खरीदारी देखी गई। सूचकांक ने

दिन के कारोबार में 80,636.05 का उच्चतम स्तर छुआ। निफ्टी 221.75 अंक या 0.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,585.05 पर बंद हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “बाजार में तीन महीने के निचले स्तर के बाद राहत भरी तेजी देखी गई; सकारात्मक वैश्विक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की क्रमिक वापसी ने धारणा को बल दिया।”बैंकिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी के पहली तिमाही के नतीजों के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सुर्खियाँ बटोरीं, जबकि सभी क्षेत्रों में व्यापक गति देखी गई। नायर ने कहा कि निवेशक इस सप्ताह होने वाले अमेरिका-रूस समिट का सकारात्मक आकलन कर रहे हैं, जिससे भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की संभावना है।

भेड़-बकरियों की तरह लदकर सफर करने को विवश हैं शटल ट्रेन के यात्री

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। सोननगर-गढ़वा रोड रेलखंड में परिचालित 53350 डाउन डेहरी ऑन-सोन-बरवाडीह सवारी गाड़ी में सोमवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। यात्रियों ने इस ट्रेन की हलिया स्थिति को साझा करते हुए बताया कि इस सवारी गाड़ी के परिचालन के दौरान कई तरह की अनियमितता पाया जा रहा है। इस इस ट्रेन (अप-डाउन) के विलंबित परिचालन से इसमें सफर कर रहे यत्रियों के समय से गंतव्य तक पहुंचना पहले से ही मुमकिन नहीं होता है। इस संबंध शिकायत पर अधिकारी के स्तर से इसमें सुधार की बात कही गई। मगर स्थिति अभी भी जस की तस बनी हुई। इस पर भीड़ की समस्या के कारण, खासकर, रविवार और त्योहार से पहले अथवा छुट्टियों के बाद इससे सफर करना यात्रियों की परेशानी का सबब बन जाता है।भीड़भाड़ को देख ऐसा लगता है, मानों यात्री इंसान नहीं,बल्कि जानवर हों। सुबह की ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों की तस्वीर में उनकी हालत को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। जिसमें यात्रियों की खचाखच भरी भीड़ के बीच महिलाएं किस हालत में सफर करने को विवश हैं। ऐसा माना जाता है कि जब कभी भी कोई पर्व में घरों को लौटने, वापसी या साप्ताहिक छूटियां समाप्त होती है, इस गाड़ी में सफर के दौरान अक्सर ऐसा पाया जाता है। जो आम यात्रियों लिए मुसीबत बन जाती है। फिलहाल, ही भाई बहन के त्योहार रक्षाबंधन के खत्म होने के बाद मायके लौट रहीं माता-बहनों की ऐसी परेशानी देखने को मिली।

जबकि ट्रेन यात्रा को सबसे सुगम समझता जाता रहा है। जबकि ऐसा नहीं है। सोमवार को छूटी खत्म होने के बाद कोच की संख्या कम रहने के कारण यत्रियों खासकर, महिलाओं और बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अधिकांश स्टेशन पर भीड़ की वजह से कई यात्री सफर करने से वंचित रह गए। ऐसे में गंतव्य स्थान पर उनका समय से पहुंच पाना मुश्किल भरा बन गया,बताया गया। साथ ही कई स्टेशनों पर ट्रेन पर चढने-उतरने के क्रम में घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रही। यात्रियों ने रेल प्रबंधक से इस मामले को संज्ञान में लेते हुए इस ट्रेन की यात्रा को निरापद बनाने की मांग की है।

रिचूघुटा के केंदवाही नदी पुल पर एक पिकअप वाहन पलटा, 35 से 40 मजदूर थे सवार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार सिकनी–रिचुघूटा मार्ग पर स्थित केंदवाही नदी के पुल पर रविवार को एक पिकअप वैन (वाहन संख्या जेएच 02 बीजी 9170) अनियंत्रित होकर पलट गई। यह वाहन रेलवे के कार्यस्थल पर जा रहे लगभग 35से 40 मजदूरों को ले जा रहा था। हादसे में कई मजदूर घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप का गुल्ला टूटने से चालक का वाहन पर नियंत्रण खत्म हो गया, जिससे यह दुर्घटना हुई। हादसे में कई मजदूरों के हाथ-पैर टूट गए, जबकि करीब 20 मजदूरों को आंतरिक चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल दो मजदूरों को तत्काल अपनी मदद से सदर अस्पताल, लातेहार भिजवाया। वहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच की जा रही हैं।

सवारी पिकअप वाहन ने चार वर्षीय मासूम को रौंदा, मौत

- रांची-मेदिनीनगर मार्ग पर लाधुप में हुआ हादसा
- ग्रामीणों ने करीब डेढ़ घंटे जाम रखा एनएच

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर स्थित चंदवा थाना क्षेत्र के लाधूप चौक के समीप सोमवार सुबह एक तेज रफ़्तार सवारी पिकअप वाहन ने चार वर्षीय मासूम नवाब राय,पिता यूनुस राय को रौंद डाला। इस हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पिकअप वैन वहां से भाग निकला। उक्त सवारी वाहन को बिजुपाड़ा के समीप चालक ने वाहन खड़ा कर भाग निकला। वंही घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने बच्चे के शव के साथ करीब डेढ़ घंटे तक लाधुप के समीप एनएच जाम कर दिया। सूचना पाकर पुनि सह थाना प्रभारी रंधीर कुमार सिंह सदल बल घटना स्थल पर पहुंचे। घटना की पुरी जानकारी ली। जामकर्ताओ को समझाने का प्रयास किया परन्तु जामकर्ता बड़े अधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे। जिसके बाद चंदवा बीडीओ चंदन प्रसाद घटनास्थल पर पहुंचे जमकर्ताओ से वार्ता की। सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। वंही रांची से चंदवा प्रखंड के जमीरा स्थित एक समारोह में शामिल होने जा रहे झामुमो नेता जुनैद अनवर भी जाम स्थल पर रुके और ग्रामीणों को समझाया और सड़क जाम को हटाने का आग्रह किया।अधिकारियों व नेताओं के आग्रह के बाद ग्रामीणों ने सड़क पर से जाम को हटा दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया। इधर घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल पर पुलिस इंस्पेक्टर रंधीर कुमार, चंदवा बीडीओ चंदन प्रसाद,झामुमो लोहरदगा जिलाध्यक्ष मो मौजम्मिल के अलावे झामुमो नेता मो इस्तियाक उर्फ़ पप्पन खान,मो. काजू,धन्नू खान,मो जियाउल राय समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना जिला प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समग्र शिक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, ई-विद्यावाहिनी में शिक्षकों की उपस्थिति, पोशाक, छात्रवृति, पोषण वाटिका, विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण, विद्यालय में खाद्यान्न की प्रत्येक माह की ससमय उपलब्धता, पोषण वाटिका (किचन गार्डेन) की स्थापना, विद्यालयों में कार्यरत रसोईया समेत जिला स्तर पर शिक्षा विभाग के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निर्देशित किया गया कि जिले में बच्चों की शिक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक मिड डे मील देने को प्राथमिकता बताते हुए इस पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया।

कहा, सभी योजनाओं का लाभ छात्र-छात्राओं को मिले

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार की ओर से विद्यालय स्तर पर चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ छात्र-छात्राओं को मिले। इसके लिए शिक्षा विभाग के सभी कर्मी सजगता के साथ काम करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त ने पोशाक एवं छात्रवृति योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित करते हुए कहा कि पोशाक एवं छात्रवृति योजना से छात्रों को ससमय लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति के बारे जानकारी लिया। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति के साथ-साथ शिक्षकों की उपस्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जरूरत है। उन्होंने सभी प्रखंडों में ई-विद्या वाहिनी से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की बात कही। उपायुक्त ने एमआईसी कोऑर्डिनेटर को सभी तरह का डाटा शत प्रतिशत सही प्रविष्टि करने का निर्देश दिया। वहीं कार्य में तेजी लाते हुए सुधारात्मक प्रगति का निर्देश दिया।

स्कूल में बच्चों का नामांकन, बच्चों की उपस्थिति, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने संबंधित जानकारी लेते हुए सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत स्कूलों का निरन्तर निरीक्षण कर विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शौचालय एवं पीने की पानी समेत विभिन्न बिन्दुओ का निरीक्षण कर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। जिले की प्रत्येक स्कूलों का संचालन सही तरीके से करते हुए स्कूलों में बच्चों के ड्रेस, पानी, एवं शौचालय के साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में उपायुक्त द्वारा पीएम पोषण (मध्याहन भोजन) योजना की समीक्षा करते हुए जिले का अच्छादन दर बढ़ाने के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत बच्चो को ससमय राशन, पुस्तक एवं योग्य बच्चो को ससमय छात्रवृत्ति मिले यह सुनिश्चित करें।

जिन रसोइयों का वृद्धा पेंशन या आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, उन्हें जल्द से जल्द योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने समय समय पर स्कूलों में एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने की बात कही जिससे की बच्चों को पेट के कीड़ों की बीमारी (कृमि मुक्त) से मुक्त जा सके, ताकि उनका स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा बेहतर रहे। स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप कर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच अनिवार्य है। सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचें और बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित कर्मी और पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि सभी स्कूलों में नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में मध्यान भोजन का संचालन किया जाए एवं मध्यान भोजन में जो खाद्य सामग्री छात्र-छात्राओं को दी जाती है। उसका निरंतर निरीक्षण संबंधित पदाधिकारी के द्वारा किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट

नेमरा पहुंचे धीरज, गुरुजी की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेंट की तस्वीर

गढ़वा। झामुमो के मीडिया पैनलिस्ट सह केंद्रीय सदस्य धीरज दुबे सोमवार को झारखंड की राजनीति और आदिवासी आंदोलन के प्रणेता, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। वहां उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर गुरुजी की एक विशेष तस्वीर उन्हें भेंट की। यह तस्वीर गुरुजी के जीवन संघर्ष, किसानों के हक की लड़ाई और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह तस्वीर गुरुजी के स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट की गई। धीरज दुबे ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पूरा जीवन गरीब, किसान और वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा- "गुरुजी ने अपने जीवन में कभी अपने लिए नहीं, बल्कि झारखंड और यहां के लोगों के लिए संघर्ष किया। उनका सपना एक ऐसा राज्य था जहां हर गरीब को सम्मान और अधिकार मिले।" उन्होंने आगे कहा कि गुरुजी का आकस्मिक निधन पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।

आहर में डूबे अशोक सिंह का शव को ढूंढते स्थानीय गोताखोर

- शव को 18 घंटे के बाद शव को गहरे पानी से निकाला गया

नवीन मेल संवाददाता

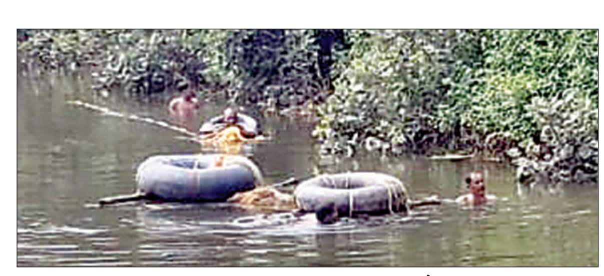

मेराल। मेराल के मकुना टोला में रविवार को तालाब में नहाने गए अशोक सिंह को आहर में डूब जाने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद दूसरे दिन सोमवार को 18 घंटे के बाद शव को गहरे पानी से निकाला गया। जानकारी के अनुसार माकूना वार्ड नंबर 3 की वार्ड सदस्य फूलमती देवी का पति अशोक सिंह उम्र करीब 40 वर्ष रविवार को शाम करीब 4:00 बजे मवेशी चराने के दौरान गर्मी से बचने के लिए तालाब में नहाने गए थे लेकिन वापस नहीं लौट सके। नहाने के दौरान कुछ महिलाएं भी उसी तालाव में कपड़ा धो रही थी, उन लोगों के अनुसार जब अशोक तलाव से बाहर नहीं आया तो आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी गई। जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में आसपास के लोग वहां इकट्ठे हो गए तथा पानी में उतर कर खोजने का प्रयास करते रहे। अशोक सिंह को तालाब में डूबने की जानकारी मिलने के बाद मुखिया पति मुन्ना राम समाजसेवी जफीर अंसारी आदि लोगों ने घटना की जानकारी थाना प्रभारी विष्णु कांत को दी। थाना द्वारा इसकी सूचना एनडीआरएफ की टीम को दी गई। सोमवार को भी स्थानीय लोग टायर तथा अन्य उपकरण के सहारे गहरे तालाब में उतरकर अशोक सिंह का खोजबीन करते रहे इसी दौरान दिन में करीब 11:30 बजे उसके डेड बॉडी को तालाब से बाहर निकाल लिया गया। इस दरमियान थाना प्रभारी विष्णु कांत भी घटनास्थल पर जमे रहे लेकिन एनडीआरएफ की टीम तब तक नहीं पहुंच सकी। अशोक की मौत के बाद घर परिवार में कोहराम मचा हुआ है।अशोक का खोज करने वालों में निजाम अंसारी शंकर सिंह मुख्तार अंसारी बालेश्वर सिंह प्रदीप सिंह मुमताज अंसारी जयकुमार सिंह महेंद्र सिंह रशीद अंसारी सनोज कुमार आदि लोगों ने कड़ी परिश्रम की। पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अशोक का शव को सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया है। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि स्थानीय लोगों ने गोताखोरी तथा अदम्य साहस का परिचय देते हुए अशोक सिंह का शव को गहरे पानी से बाहर निकाला। इस बहादुरी के लिए थाना प्रभारी द्वारा 2000 देकर स्थानीय गोताखोरों का उत्साहवर्धन किया गया।

उदासीनता: रेलवे में माल ढुलाई पर जोर परंतु यात्री सुविधा के प्रति बरती जा रही शिथिलता

मोहम्मदगंज में गरीब रथ का अबतक नहीं मिला ठहराव

- फुट ओवरब्रिज सहित अन्य सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति उदासीनता

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। रेलवे में रेल मार्ग से माल ढुलाई को लेकर रेल पथ और मालगाड़ी के विस्तारीकरण का काम जिस तेजी से चल रहा है,उतनी तेजी यात्री सुविधाओं को लेकर देखने को नहीं मिल रही है। माल ढुलाई की क्षमता विस्तार को लेकर पहले सोननगर-पतरातू थर्ड रेल लाइन फ्रेट कॉरिडोर का निर्माण, इससे पहले दो रेक वाले लौंग होल, इसके बाद तीन रेक वाले 2 किमी लंबी त्रिशूल, फिर तब 4 रेक वाले 3.75 किमी लंबे ब्रम्हास्त्र और अब 6 बॉक्सन के 354 वैगन वाले 7 इंजनों से चालित 4.5 किमी लंबे रूद्रास्त्र नामक मालगाड़ी का सफलतापूर्वक परिचालन सुनिश्चित कर दिए गए हैं। जबकि स्थानीय स्टेशन पर नईदिल्ली-रांची गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करने के मामले अनदेखी की जा रही है।

सांसद वीडी राम ने संसद में उठाया था

इस मामले में सांसद विष्णुदयाल राम की संसद तक में उठाई गई आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज साबित हो रही है। अन्य यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी और बोगियों की कमी के कारण भीड़ के बीच कष्टदायक सफर की त्रासदी का अंत नहीं हुआ है। यात्री सुविधाओं के विस्तार और निर्माण के मामले में अबतक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ऑनलाइन 12.95 करोड़ की विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास के दो साल बाद भी अंतिम रूप नहीं दिया जाना यात्री सुविधाओं के विकास के प्रति शिथिलता रेल प्रबंधन की उदासीनता और अनदेखी का कारण बन गया है।

यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर पर्याप्त शेड के अभाव में जहां धूप और बारिश में प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार कितना कष्टदायक और जोखिम भरा होता है, सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। नये फुट ओवरब्रिज के कछुआ चाल निर्माण से प्लेटफॉर्म नंबर एक से अन्य पर पहुंचना आसान नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म पर पर्याप्त सीटिंग अरेंजमेंट, शौचालय और पेयजल की भी बेहतर सुविधा उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसका उन्हें मलाल है। अव्वल, तो निवर्तमान डीआरएम के आदेश के बावजूद स्टेशन परिसर स्थित प्राचीन काली मंदिर के सौंदर्यीकरण का काम भी अधूरा छोड़ दिया गया है। इससे उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है।

पेज एक के शेष

हजारीबाग में धंसा...

भूस्खलन के बाद तुरंत स्थान खाली कर दें : यदि कोई व्यक्ति भूस्खलन के आसपास हो, तो उसे तुरंत स्थान खाली कर देना चाहिए। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार या पड़ोसियों को सूचित करना चाहिए और भूस्खलन के रास्ते से तुरंत बाहर निकल जाना चाहिए। ध्यान देने वाली बाात यह है कि धीमी गति से चलने वाले भूस्खलन में भी काफी शक्ति होती है, जो पत्थरों, पेड़ों और इमारतों को हिला देती है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

तलाक-ए-हसन जैसी प्रथाएं अब भी जारी हैं। तलाक-ए-हसन में तीन महीने के अंदर हर महीने एक बार तलाक कहा जाता है, जिससे रिश्ता खत्म हो जाता है। इससे महिलाओं और उनके बच्चों की जिंदगी पर गहरा असर पड़ रहा है। कोर्ट ने इन प्रथाओं के सामाजिक और कानूनी प्रभावों की जांच के लिए आयोगों को नोटिस जारी किया है। सोमवार की सुनवाई में अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इन जनहित याचिकाओं का विरोध किया और कहा कि ये याचिकाएं विचारणीय नहीं हैं। बोर्ड का तर्क है कि ये मुद्दे निजी कानून के दायरे में आते हैं। वहीं, अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कोर्ट में दलील दी कि तीन तलाक मामले में कोर्ट ने तलाक-ए-हसन जैसे अन्य तरीकों पर फैसला नहीं दिया था। लेकिन, अब इसकी जरूरत है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि एकतरफा तलाक, चाहे वह चिट्ठी, ईमेल, व्हाट्सएप या एसएमएस से हो, बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उपाध्याय ने कहा, इस फैसले से देश की महिलाओं को न्याय मिलेगा और तलाक की प्रक्रिया हर किसी के लिए समान होगी। गुजारा भत्ता भी सभी को समान रूप से मिलना चाहिए और एक समान कानून लागू होना चाहिए, जो एकतरफा तलाक पर रोक लगाए।

बांग्लादेश से हैं...

जिनके जरिए वे वर्षों से निर्वासन से बचते रहे हैं। भारत में प्रवेश के मुख्य रास्ते चापली, मालदा, मुर्शिदाबाद, 24 परगना और दिनेशपुर हैं। इस आधार पर इन इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बांग्लादेश में जारी संकट के चलते घुसपैठ की कोशिशें और बढ़ गई हैं। अवैध प्रवासियों को घुसपैठ में मदद करने वाले दलालों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। इन दलालों का नेटवर्क बेहद बड़ा है, जिनके 50 से 100 एजेंट उन राज्यों में फैले हैं, जहां ये प्रवासी भेजे जाते हैं। दलाल घुसपैठ की व्यवस्था करते हैं, जबकि एजेंट उन्हें काम दिलाने और पहचान पत्र (आधार, वोटर आईडी) उपलब्ध कराने का काम करते हैं। सबसे ज्यादा पहचान पत्र पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम और बिहार में जारी किए जाते हैं। चुनाव के समय इन्हें संबंधित राज्यों में वापस बुलाना अनिवार्य होता है, वरना दस्तावेज जब्त कर इन्हें वापस भेज दिया जाता है। एक पहचान पत्र बनवाने का शुल्क 5 से 7 हजार रुपए तक होता है। एनसीआरबी के अनुसार, भारत में विदेशी नागरिकों द्वारा किए गए अपराधों में बांग्लादेशियों की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 24.5 प्रतिशत है, इसके बाद नाइजीरियाई (5.5 प्रतिशत), नेपाली (3.3 प्रतिशत) और म्यांमार के नागरिक (2.3 प्रतिशत) का स्थान है।

लोकसभा में पास...

आयकर विधेयक, 2025 छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा। इसमें भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय चयन समिति की 285 से अधिक सिफारिशों को शामिल किया गया है। संशोधित मसौदा 'कर' भाषा को सरल करता है, कटौतियों को स्पष्ट करता है और प्रावधानों के बीच क्रॉस-रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। खासकर यह मकान संपत्ति से आय के आसपास की अस्पष्टताओं को स्पष्ट करता है, जिसमें मानक कटौती और होम लोन पर प्री-कंस्ट्रक्शन ब्याज शामिल हैं। विधेयक में 'पूंजीगत संपत्ति', 'लघु और छोटे उद्यम' और 'लाभार्थी स्वामी' जैसे शब्दों की स्पष्ट परिभाषाएं दी गई हैं। साथ ही, पेंशन योगदान और वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय के लिए कर उपचार को संरेखित किया गया है। यह 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। साथ ही, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 लक्षित सुधारों को प्रस्तुत करता है। यह एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के ग्राहकों को कर छूट का विस्तार करता है, इसे राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के लाभों के साथ संरेखित करता है। यह भारत में निवेश करने वाले सऊदी अरब के पब्लिक इनवेस्टमेंट फंड और इसकी सहायक कंपनियों को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23एफई) के तहत प्रत्यक्ष कर राहत भी प्रदान करता है। इसके अलावा, विधेयक में आयकर खोज मामलों में ब्लॉक असेसमेंट से जुड़ी प्रक्रियाओं को और स्पष्ट किया गया है। इसका मकसद यह है कि जब तलाशी अभियान चल रहा हो, उस समय चल रहे असेसमेंट और री-असेसमेंट (पुनर्मूल्यांकन) के मामलों को ठीक तरीके से और आसान तरीके से निपटाया जा सके। इन विधायी महत्व के बावजूद सत्र विपक्ष के उन विरोध प्रदर्शनों से प्रभावित रहा, जो एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने की मांग कर रहे थे। उनका दावा है कि यह मतदाता अखंडता से समझौता करता है। अध्यक्ष ने सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया। इन विधेयकों का पारित होना सरकार की भारत के कर ढांचे को आधुनिक बनाने की मंशा को दर्शाता है, जो एक राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण मॉनसून सत्र के बीच हो रहा है।

गोड्डा में हिस्ट्रीशीटर...

सूर्या हांसदा ललमटिया थाना क्षेत्र के डकैता गांव के निवासी थे। वर्ष 2019 में उसने भाजपा के उम्मीदवार के तौर बोरियो विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। वर्ष 2024 में भाजपा ने उसे टिकट नहीं दिया था। इसके बाद उसने जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, वह चुनाव हार गया था। सूर्या हांसदा पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। बीते 27 मई को ईसीएल (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि.) की राजमहल परियोजना के पहाड़पुर क्षेत्र में गोलीबारी की वारदात में भी सूर्या की संलिप्तता सामने आई थी। इस गोलीबारी में परियोजना के एक ऑपरेटर घायल हो गया था। पुलिस ने घटना के बाद प्रेस वार्ता में बताया था कि यह वारदात सूर्या हांसदा के इशारे पर अंजाम दी गई थी। साहिबगंज जिले में क्रशर मिल में ट्रक और ट्रक जलाने के मामले में भी सूर्या हांसदा के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। तीन साल पहले पुलिस ने उसे एक आपराधिक मामले में जेल भेजा था। हाल के महीनों में हुई वारदातों में सूर्या का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लंबे समय से छापेमारी कर रही थी।

गाजा सिटी पर सैन्य नियंत्रण ही युद्ध खत्म करने का सबसे तेज तरीका : नेतन्याहू

तेल अवीव/नई दिल्ली (आईएएनएस)

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सरकार की उस योजना का बचाव किया, जिसमें गाजा सिटी पर पूर्ण सैन्य नियंत्रण लेने की बात कही गई है। उन्होंने इसे 'युद्ध को खत्म करने का सबसे तेज और असरदार तरीका' बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि हमास द्वारा हथियार डालने से लगातार इनकार करने के कारण इजरायल के पास अपने सैन्य अभियान को आगे बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा, "हमास द्वारा हथियार डालने से इनकार करने के कारण, इजरायल के पास काम पूरा करने और हमास को पूरी तरह से पराजित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।" उन्होंने आगे कहा कि इजरायली सेना का गाजा के 70-75 प्रतिशत हिस्से पर पहले से ही नियंत्रण है। इस सैन्य कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर इजरायल के कुछ करीबी पश्चिमी सहयोगियों की तरफ से भारी आलोचना हुई है, जिसमें मानवीय संकट की आशंका जताई गई है। नेतन्याहू ने इस आलोचना को 'झूठा प्रचार' बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल हमास को तेजी से हराने के लिए नहीं है, बल्कि नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल की सेना गाजा के नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाने का रास्ता देगी, जहां उन्हें भोजन, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने दोहराया कि इजरायल की नीति हमेशा मानवीय संकट को रोकने की रही है, जबकि हमास की रणनीति संकट को पैदा करने की रही है। नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक इजरायल करीब 20 लाख टन मानवीय सहायता गाजा में पहुंचा चुका है। उन्होंने कहा, "अगर हमारी भूख से मारने की नीति होती, तो दो साल की लड़ाई में कोई भी गाजा में जिंदा न बचता। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के साथ मिलकर अतिरिक्त मानवीय उपायों पर चर्चा चल रही है।

अंतरराष्ट्रीय आलोचना
- सैन्य कार्रवाई पर वैश्विक समुदाय, विशेषकर कुछ पश्चिमी सहयोगियों की कड़ी आलोचना।
- आलोचना में मानवीय संकट की आशंका जताई गई।

नेतन्याहू का जवाब
- आलोचना को "झूठा प्रचार" करार दिया।
- अभियान का उद्देश्य हमास को जल्दी हराना और नागरिकों को न्यूनतम नुकसान पहुंचाना बताया।

गाजा हमले में मारे गए अल जजीरा के पांच पत्रकार

इजरायल लगातार गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है। इजरायली हमले में अल जज़ीरा न्यूज चैनल के 5 पत्रकार भी मार दिए गए। इसकी पुष्टि खुद अल जज़ीरा ने की है। गाजा शहर के अल-शिफा अस्पताल के पास इजरायली हमले में अल जज़ीरा के ये 5 पत्रकार मारे गए हैं। प्रसारणकर्ता के अनुसार, मारे गए पत्रकारों में अल जज़ीरा के संवाददाता अनस अल-शरीफ और मोहम्मद क़रीक़ेह, साथ ही कैमरामैन इब्राहिम ज़हीर, मोअमेन अलीवा और मोहम्मद नौफ़ल भी शामिल हैं। अल जज़ीरा ने बताया कि वे उन लोगों में शामिल थे, जो अल-शिफा अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर प्रेस के लिए लगे एक तंबू में रह रहे थे। इजरायली सेना ने इसी तंबू को निशाना बनाकर हमला किया और 5 पत्रकार मार दिए गए।

पत्रकार होने का कर रहा था नाटक- इजरायल

हमले के तुरंत बाद, इजरायली सेना ने एक बयान में अनस अल-शरीफ को निशाना बनाने की बात स्वीकार की। साथ ही इजरायली सेना ने दावा किया कि अल-शरीफ ने पत्रकार होने का नाटक किया था। वह हमास के साथ था। इजरायल ने अल जज़ीरा के पत्रकार को आतंकवादी करार देते हुए कहा कि उसने हमास में एक आतंकवादी सेल के प्रमुख के रूप में काम किया था।

अल-शरीफ ने इजरायली नागरिकों पर रॉकेट से किए हमले : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायल डिफेंस फोर्स ने कहा, 'हमास आतंकवादी अनस अल-शरीफ, जो खुद को अल जज़ीरा पत्रकार बताता था। वह हमास के एक आतंकवादी समूह का प्रमुख था और उसने इजरायली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों पर रॉकेट हमले किए थे।'

तुर्की में 6.1 तीव्रता का भूकंप, 1 व्यक्ति की हुई मौत

इस्तांबुल (आईएएनएस)

तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) के अनुसार, यह भूकंप रविवार शाम 7 बजकर 53 मिनट पर सिंदिरगी जिले में आया। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि 81 साल के एक बुजुर्ग को बचाने के बाद उनकी मौत हो गई। कई लोग घायल हुए और 15 से ज्यादा इमारतें गिर गईं। एनटीवी प्रसारक पर दिखाए गए फुटेज में मलबे में तब्दील एक इमारत दिखाई दे रही है, जिसके मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्री येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह झटका इस्तांबुल और आसपास के इलाकों में भी महसूस हुआ। इसके बाद एएफएडी और सभी संबंधित एजेंसियों ने तुरंत मौके पर जाकर जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा, "फिलहाल, किसी भी प्रतिकूल स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं है, और हम घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं। तुर्की मीडिया द्वारा प्रसारित तस्वीरों के अनुसार, भूकंप के बाद बालिकेसिर प्रांत में कई इमारतें ढह गईं।

गिलगित-बाल्टिस्तान में भूस्खलन, सात की मौत

कराची (आईएएनएस)। गिलगित-बाल्टिस्तान के दान्योर शहर में एक नहर पर काम कर रहे करीब सात वॉलंटियर्स की सोमवार तड़के भूस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि छह घायल हैं।

दरअसल, गिलगित-बाल्टिस्तान में जलवायु परिवर्तन और पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। वहीं, यहां पर जून के अंत से भारी बारिश हो रही है। इससे पहले 21 जुलाई को बाबूसर इलाके में भीषण बाढ़ के चलते भूस्खलन हुआ था, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था। सोमवार तड़के 13 वॉलंटियर्स दान्योर नहर से दान्योर कस्बे तक जाने वाली मुख्य जलधारा में पानी की आपूर्ति बहाल करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान वॉलंटियर्स भूस्खलन की चपेट में आ गए। गिलगित के रेस्क्यू 1122 ने कहा, "पानी की आपूर्ति बहाल कर रहे 13 वॉलंटियर्स मलबे में दब गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

इजरायल में खसरा: 93 नए मामले, कुल संख्या 410

यरुशलम (आईएएनएस)। इजरायल में खसरा का प्रकोप दिन पर दिन बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने खसरे के 93 नए मामलों की पुष्टि की है, जिसके बाद अप्रैल से अब तक पीड़ितों की कुल संख्या 410 हो गई है।

मंत्रालय का अनुमान है कि अस्पताल में भर्ती होने की उच्च दर और सामुदायिक रिपोर्ट्स के आधार पर वास्तविक संक्रमितों की संख्या 950 से 1,700 के बीच हो सकती है। मंत्रालय ने बताया कि सक्रिय रोगियों की संख्या 120 से बढ़कर 162 हो गई है, जिनमें से 22 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें एक और ढाई साल के दो बच्चे भी शामिल हैं, जो इंटेंसिव केयर यूनिट के ईसीएमओ सपोर्ट पर हैं। प्रकोप शुरू होने के एक महीने बाद मंत्रालय ने देश भर में वैक्सीनेशन कैंपेन शुरू किया था, जिसके तहत अब तक 1,05,000 से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। खसरा एक अत्यंत संक्रामक वायरल बीमारी है, जिसमें बुखार, थकान, नाक बहना और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

पुतिन संग बैठक से पहले जेलेंस्की ने ट्रंप को धोया

नई दिल्ली । डोनाल्ड ट्रंप जिसको हथियार पहुंचा रहे थे और मसीहा बन रहे थे अब उन्हीं ने ही ट्रंप की मुसीबत खड़ी कर दी है। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए आगे का रास्ता उस वक्त कठिन कर दी जब

पुतिन, ट्रंप और जेलेंस्की की अमेरिका के एक राज्य में बैठक होनी थी। उस बैठक में रूस यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने को लेकर सहमति बननी थी। लेकिन इस दौरान ट्रंप की तरफ से कुछ शर्तें ठोक दी गई कहा गया कि यूक्रेन और रूस में एक दूसरे की जमीन कब्जाई है वो वापस करनी होगी। लेकिन ऐसे में जेलेंस्की ने दो टूक ट्रंप आंख दिखाते हुए कह दिया है कि वो इस जमीन की वापसी के लिए कभी सहमत नहीं होंगे और न ही कभी इस मुद्दे पर सहमति बनाएंगे। पुतिन ट्रंप की बैठक से पहले जेलेंस्की ने साफ चेतावनी दी है कि वे रूस को युद्ध में किए गए यूक्रेन इलाके सौंपने को कतई मंजूरी नहीं करेंगे। यानी यूक्रेन ने जो कब्जा किया है वो कब्जा नहीं छोड़ा जाएगा।

बलूचिस्तान ने मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

क्वेटा (आईएएनएस)। बलूचिस्तान ने सोमवार को अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया, जो बलूच मानवाधिकार समूहों द्वारा इस क्षेत्र पर पाकिस्तान के 'अवैध कब्जे' के दावे को चुनौती देता है। बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की लड़ाई का ऐतिहासिक महत्व है, जो 1947 में शुरू हुई जब ब्रिटिश भारत के विभाजन के बाद कलात रियासत ने अल्पकालिक स्वतंत्रता की घोषणा की थी। हालांकि, 1948 में पाकिस्तान ने इस क्षेत्र पर जबरन कब्जा कर लिया, जिसका बलूच राष्ट्रवादी लगातार विरोध करते रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह को दबाने के प्रयास में पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में 15 दिनों के लिए धारा 144 लागू की है, जिसका 6 करोड़ बलूच आबादी ने विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सेना कानून या न्याय से नहीं, बल्कि लालच, दमन और बलूच पहचान को मिटाने की भूख से प्रेरित होकर तैनात है। मीर ने पाकिस्तान पर बांग्लादेश, अफगानिस्तान और फिलिस्तीन में 'युद्ध अपराधों' का आरोप लगाया। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का 'वैश्विक गॉडफादर' करार देते हुए कहा कि यह देश चरमपंथियों को पनाह देता है।

परमाणु हथियारों की धमकी देने पर आसिम मुनीर के बयान पर भारत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के परमाणु बम को लेकर दी गई धमकी पर भारत की तीखी प्रतिक्रिया आई है। भारत ने आसिम मुनीर के परमाणु धमकी वाले बयान की निंदा करते हुए गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी चाल है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर आसिम मुनीर की निंदा की। प्रवक्ता ने बयान में कहा, "हमारा ध्यान पाकिस्तान के सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए एक बयान की ओर गया है। परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, "इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के परमाणु कमांड और नियंत्रण की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए मजबूर करते हैं, खासकर जब वहां की सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिलकर काम करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "यह खेदजनक है कि ये टिप्पणियां एक मित्र देश (अमेरिका) की धरती से की गईं। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा। आसिम मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने परमाणु बम को लेकर भारत को धमकी दी थी। उन्होंने अपने बयान में कहा था, "इस्लामाबाद को भारत से अस्तित्व का खतरा महसूस हुआ, तो वह आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेगा।

पावर बैंक में आग लगने के बाद विमान का केबिन हुआ धुआं-धुआं

नई दिल्ली । एम्स्टर्डम जा रहे केएलएम बोइंग 777 विमान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब ऊपर लगे लॉकर में अचानक आग लगने से धुआं भर गया। इस घटना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया और धुएं से बचने के लिए अपने चेहरे ढक लिए। यह घटना लैंडिंग से लगभग चार घंटे पहले तब हुई जब अधिकतर यात्री सो रहे थे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें यात्री खासे परेशान नजर आ रहे हैं। घटना को लेकर प्लेन में सवार एक यात्री ने इसे अपने जीवन की सबसे तनावपूर्ण यात्राओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि धुआं इतना ज्यादा था कि तकिए से उन्हें अपनी नाक को ढकना पड़ा।

इंडोनेशिया में शरिया अदालत ने यौन हरकत करने पर 2 पुरुषों को सुनाई अजीब सजा

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडोनेशिया के रूढ़िवादी आसेह प्रांत में एक इस्लामी शरिया अदालत ने सोमवार को दो पुरुषों को यौन कृत्य में लिप्त रहने के जुर्म में सार्वजनिक रूप से 80-80 बेंत मारने की सजा सुनाई। प्रांतीय राजधानी बैंडा आसेह की इस्लामी शरिया जिला न्यायालय में यह मुकदमा बंद कमरे में चला। न्यायाधीशों को यह अधिकार है कि यदि मामला व्यभिचार से संबंधित है तो वो जनसाधारण की अदालती कार्यवाही में पहुंच को सीमित कर सकते हैं और केवल निर्णय सुनाए जाने के समय उसे सार्वजनिक कर सकते हैं। दोनों पुरुषों (उम्र 20-21 साल) को अप्रैल में तब गिरफ्तार किया गया था जब बैंडा आसेह के तमन सारी सिटी पार्क में लोगों ने उन्हें एक ही शौचालय में घुसते देखा तथा इलाके में गश्त कर रही शरिया पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने शौचालय में घुसकर दोनों पुरुषों को एक-दूसरे को चूमते और गले लगाते हुए पकड़ा, जिसे अदालत ने यौन कृत्य माना।

सरकार के पास नहीं है इस बात का अधिकार

आसेह को मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक धार्मिक माना जाता है। यह एकमात्र ऐसा प्रांत है, जहां इस्लामी शरिया कानून के एक संस्करण को लागू करने की अनुमति है। सोमवार का यह फैसला आसेह में साल 2015 में इस्लामी कानून लागू होने के बाद से समलैंगिकता के लिए सार्वजनिक रूप से बेंत से पीटने की 5वीं सजा है। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपराधिक संहिता समलैंगिकता को नियंत्रित नहीं करती है। लेकिन, केंद्र सरकार के पास आसेह में शरिया कानून को रद्द करने का अधिकार नहीं है।

चीन : चोंगकिंग में भारी बारिश का कहर

सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए 15 हजार से अधिक लोग

चोंगकिंग (आईएएनएस)

दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग नगर पालिका में भारी बारिश के कारण 15,000 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नगर निगम के मौसम विभाग के अनुसार, रविवार सुबह 7 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक 16 जिलों और काउंटियों में मूसलाधार बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश हेचुआन जिले में दर्ज की गई, जहां 167 मिमी बारिश हुई। नगर निगम के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने बताया कि सोमवार सुबह 6 बजे तक चोंगकिंग में 15,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मौसम विज्ञान वेधशाला और जल विज्ञान निगरानी स्टेशन ने सोमवार दिन से रात तक चोंगकिंग के कई क्षेत्रों (जिसमें केंद्रीय शहरी क्षेत्र, मध्य और दक्षिण-पूर्वी हिस्से और उत्तर-पूर्वी हिस्से के दक्षिणी क्षेत्र शामिल हैं) में भारी से मूसलाधार बारिश का अनुमान लगाया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सोमवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक चोंगकिंग के अधिकांश छोटे और मध्यम आकार की नदियों में जल स्तर में विभिन्न स्तरों तक वृद्धि होने की संभावना है। इससे पहले, 10 अगस्त को चीन के राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय ने सिचुआन प्रांत के लिए स्तर-4 बाढ़ नियंत्रण आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की थी। यह कदम मौसम अधिकारियों की उस भविष्यवाणी के बाद उठाया गया, जिसमें रविवार से मंगलवार तक सिचुआन बेसिन में मध्यम से भारी बारिश और कुछ क्षेत्रों में भारी से मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई थी। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने रविवार को बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया था, जिसमें कहा गया कि रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार सुबह 8 बजे तक जियांगसू, शंघाई, अनहुई, हेनान, हुबेई, हुनान, गुइझोउ, युन्नान, सिचुआन, चोंगकिंग, शानक्सी, इनर मंगोलिया और हेइलोंगजियांग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और मूसलाधार बारिश की उम्मीद है। इनमें से कुछ क्षेत्रों में तेज, लेकिन भारी बारिश की संभावना है।

भारत को छोड़कर दुनियाभर में रिलीज होगी वाणी कपूर और फवाद खान की अबीर गुलाल

कहानी फिल्म जगत की

लंबे विवादों के बाद, बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अबीर गुलाल' आखिरकार 29 अगस्त को दुनिया भर में रिलीज होने जा रही है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने भारत में इसे सिनेमाघरों में रिलीज नहीं करने का फैसला किया है।

क्या है विवाद का कारण?

इस फिल्म की रिलीज पहले मई में होने वाली थी, लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले और भारत द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक तनाव काफी बढ गया था। इस तनाव के कारण भारत में पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगा दिया गया, जिसकी वजह से 'अबीर गुलाल' को अपनी तय तारीख पर रिलीज नहीं किया जा सका। बिज़एशिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में फवाद खान की मौजूदगी के कारण फिल्म को विरोध का सामना करना पडा। फिल्म के टीजर और गानों को भारतीय दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और फवाद के प्रशंसक भी नौ साल बाद भारतीय सिनेमा में उनकी वापसी को लेकर उत्साहित थे, लेकिन हमले के बाद माहौल बदल गया। समाज के विभिन्न वर्गों से फिल्म के बहिष्कार की मांग उठने लगी, जिसके बाद निर्माताओं को यह फैसला लेना पडा। इस फिल्म से जुडने के कारण अभिनेत्री वाणी कपूर को कड़ी आलोचना झेलनी पड़ी।